www.hindmatamirror.com ●वर्ष: 12 ●अंक: 212 ●ठाणे, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026 ●पेज: 8 ●मूल्य: 2 रुपए hindmatamirror1@gmail.com

RNI. NO. MAHHIN/2011/43060

दैनिक हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

रोहित की हो सकती है वापसी?

पेज 8

कृति का बोल्ड लुक

8 पेज

सुप्रभात

जहां आदर्श ज्वलंत रहे और दिल अडिग, वहां असफलता नहीं हो सकती। आराम हराम है। ऐसा कोई काम न करो जिसे दूसरों से छिपाने की जरूरत हो।

– जवाहरलाल नेहरू

मौसम का मिजाज

सूर्यास्त (28 अप्रैल) 7:00 बजे, सूर्योदय (29 अप्रैल) 6:12 बजे, **तापमानः 31 डिग्री से. (धूप खिली रहेगी।)**

शॉर्ट स्टोरी

महाराष्ट्र में सड़क हादसों में हर दिन 43 मौतें!

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में हर दिन औसत 103 सड़क हादसे हो रहे हैं। जानलेवा हादसों की संख्या रोजाना लगभग 40 है, जिनमें से हर दिन 43 लोगों की दुर्घटनावश मौत हो जाती है। इस साल जनवरी से मार्च के बीच ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट द्वारा दिए गए आंकड़ों से यह पता चला है। जनवरी से मार्च 2026 तक के 90 दिनों के आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 9259 हादसे हुए हैं। जानलेवा हादसों की संख्या 3594 है, जिनमें से 3858 यात्रियों की मौत हो गई है। हादसों की बड़ी संख्या और उनमें जान जाने को देखते हुए, सड़क परिवहन की सुरक्षा पर बड़ा सवालिया निशान लग गया है। लगातार हो रहे एक्सीडेंट के पीछे कई वजहें सामने आई हैं।

ड्रेनेज टैंक में उतरने से तीन मजदूरों की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के पुरंदर तालुका में रविवार शाम एक मशरूम उत्पादन कंपनी के ड्रेनेज टैंक में उतरने के बाद दम घुटने से तीन मजदूरों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, यह हादसा उस समय हुआ जब एक मजदूर टैंक की सफाई के लिए अंदर गया और वापस नहीं लौटा। इसके बाद उसे बचाने के लिए दो अन्य मजदूर भी टैंक में उतरे, लेकिन वे भी बाहर नहीं आ सके। मृतकों की पहचान पिंटू राजेश प्रसाद (23), व्यास सोहम कुमार (22) और गौतम रामसुरन कुशवाहा (36) के रूप में हुई है। तीनों उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के रहने वाले थे। पुलिस ने इस मामले में आकस्मिक मृत्यु का केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

रिया चक्रवर्ती के बैंक खाते पर लगी रोक हटेगी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई की एक विशेष अदालत ने अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती और उनके भाई शोविक चक्रवर्ती के बैंक खातों को अनफ्रीज करने का आदेश दिया है। यह फैसला नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) द्वारा मादक पदार्थ अधिनियम के तहत प्रक्रियागत आवश्यकताओं का पालन न करने के कारण आया है। बचाव पक्ष की दलील में योग्यता पाते हुए विशेष एनडीपीएस न्यायालय के न्यायाधीश यूसी देशमुख ने शनिवार को कहा कि एनडीपीएस अधिनियम की धारा 68एफ (2) के तहत, संपत्ति को फ्रीज या जब्त करने का कोई भी आदेश 30 दिनों के भीतर सक्षम प्राधिकारी द्वारा पुष्टि किया जाना चाहिए। यदि ऐसी कोई पुष्टि नहीं की जाती है, तो आदेश कानूनी रूप से अमान्य हो जाता है।

मुंबई–सोलापुर वंदे भारत एक्सप्रेस बेपटरी

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

वंदे भारत एक्सप्रेस (22225 सीएसएमटी–सोलापुर) सोमवार शाम पुणे स्टेशन के पास डिरेल हो गई। ट्रेन का चौथा कोच प्लेटफॉर्म में प्रवेश करते समय डायमंड क्रॉसिंग पर पटरी से उतर गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी भी यात्री को चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित हैं। यह घटना शाम करीब 7:30 बजे हुई, जब ट्रेन पुणे स्टेशन के प्लेटफॉर्म पर प्रवेश कर रही थी। इसी दौरान चौथे कोच की एक ट्रॉली डायमंड क्रॉसिंग पर पटरी से उतर गई। इस हादसे में किसी भी यात्री के घायल होने की खबर नहीं है। यात्रियों को दूसरी ट्रेन (रैक) में शिफ्ट करने की योजना बनाई गई है।

ऑटो-टैक्सी चालकों को मिलेगी राहत या बढ़ेगी सख्ती?

मोहलत पर आज फैसला

रिक्शा–टैक्सी ड्राइवरों ने मराठी सीखने के लिए मांगा वक्त

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई एमएमआर सहित राज्य भर में रिक्शा-टैक्सी-कैब चालकों के लिए मराठी भाषा का ज्ञान अनिवार्य किए जाने संबंधी परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक के आदेश को लेकर मचा घमासान थमने का नाम नहीं ले रहा है। सोमवार को स्वयं परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस मुद्दे पर यूनियन के पदाधिकारियों एवं हिंदी भाषी नेताओं के साथ बैठक की। बैठक में सभी पदाधिकारियों ने इस बात को स्वीकार किया कि रिक्शा टैक्सी चालकों को मराठी भाषा आनी ही चाहिए परंतु 1 मई से उनके ऊपर सख्ती न करते हुए उन्हें मराठी सीखने के लिए कम से कम 6 माह का समय दिया जाना चाहिए। इस बैठक में पूर्व सांसद संजय निरुपम, रिक्शा टैक्सी मेंस यूनियन के अध्यक्ष शशांक राव, हाजी अराफात शेख, पूर्व मंत्री उत्तरभारतीय नेता चंद्रकांत त्रिपाठी, शिवसेना उत्तरभारतीय संगठक शशि यादव, बीजेपी उत्तरभारतीय नेता आर.डी यादव, शिवसेना नगरसेवक सिद्धार्थ पांडेय, शिवसेना के पूर्व नगरसेवक विक्रमप्रताप सिंह सहित परिवहन विभाग एवं आरटीओ के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि आरटीओ अधिकारियों के साथ कल (मंगलवार) बैठक होनी है। बैठक में इस संबंध फैसला लिया जाएगा कि इस मांग को स्वीकार किया जाए या नहीं। 6 महीने की अवधि उन्होंने मांगी है, देना है या नहीं, इसको लेकर हम फैसला लेंगे।

क्या बोले मंत्री प्रताप सरनाईक?

बैठक के बाद परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि मराठी अनिवार्यता को हमारी भूमिका से सभी यूनियन के सभी पदाधिकारी भी सहमत हैं। परिवहन मंत्री ने स्पष्ट किया कि इस निर्णय से किसी की रोजी रोटी पर परिणाम नही होने वाला है। रोजगार निर्माण की नीति को महाराष्ट्र में सर्वाधिक बढ़ावा दिया जाता है। सरनाईक ने स्पष्ट किया कि उन्होंने अपनी भूमिका बदली नहीं है। यहां रोजी रोजगार करने वालों को मराठी बोलनी ही होगी।

रिक्शा–टैक्सी ड्राइवरों ने मराठी सीखने मांगा वक्त

मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि यूनियनों ने रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों को मराठी सीखने के लिए तीन माह से लेकर एक साल तक का वक्त मांगा है। इसका निर्णय मंगलवार को राज्य के सभी 59 आरटीओ के साथ बैठक में लिया जाएगा। परिवहन मंत्री ने कहा कि कोंकण मराठी साहित्य परिषद एवं यूनियनों ने भी मराठी सिखाने को लेकर तैयारी दिखाई है। सभी राज्य सरकार की भूमिका से सहमत हैं, और हम भी मोहलत देने को तैयार हैं।

यात्रियों की भी जवाबदारी है कि वे भी मराठी में बोलें

परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि मुंबई एमएमआर में यात्रियों की भी जवाबदारी है कि वे भी मराठी में बोलें। उन्होंने कहा कि 2019 का जीआर है। हर रिक्शा टैक्सी चालक को स्थानीय भाषा यानी मराठी लिखने, बोलने समझने का ज्ञान होना ही चाहिए। इस मामले में कुछ लोग वेवजह राजनीति कर रहे हैं। प्रताप सरनाईक ने कहा कि लायसेंस बैच या परमिट देते समय ही एफिडेविट के तहत चालकों को मराठी भाषा अनिवार्य की गई है। परिवहन मंत्री ने कहा कि भाषा किसी पर लादी नहीं जा रही है, बल्कि यह निर्णय यात्रियों के साथ बेहतर संवाद एवं स्थानीय भाषा के सम्मान को बढ़ावा देने के उद्देश्य से उठाया गया है। परिवहन मंत्री ने यह भी कहा कि अधिकांश रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों को मराठी भाषा बोलनी समझनी आती है।

संजय निरुपम बोले– 6 माह का मिले समय

शिवसेना उत्तरभारतीय संगठक शशि यादव ने परिवहन मंत्री की बैठक को सकारात्मक बताते हुए कहा कि मुंबई एमएमआर के अधिकांश परप्रांतीय रिक्शा टैक्सी चालकों को डर है था कि कहीं उनका लाइसेंस बैच न छीन लिया जाए। आम बोलचाल वाली मराठी सीखने के लिए परिवहन मंत्री से वक्त मांगा गया जिसके लिए उन्होंने समय दिए जाने पर सहमति जताई है। शिवसेना नेता संजय निरुपम ने भी कहा कि किसी को मराठी का विरोध नहीं है। रिक्शा टैक्सी ड्राइवरों को 6 माह का समय दिया जाना चाहिए।

सरकार तैयार करेगी सिलेबस

महाराष्ट्र सरकार पहले ही कह चुकी है कि ऑटो–रिक्शा चलाने वाले लोगों को मराठी में पढ़ना या लिखना जरूरी नहीं है, उन्हें सिर्फ आम बोलचाल की भाषा सीखने की जरूरत है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने बताया कि सरकार राज्य में ऑटो और टैक्सी चालकों को मराठी सिखाने के लिए एक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम तैयार करेगी। वहीं, मनसे कार्यकर्ताओं ने पहले ही उन ऑटो–रिक्शा पर स्टीकर लगाने शुरू कर दिए हैं, जिनके चालकों को मराठी आती है।

क्या विधान परिषद चुनाव से पहले शिवसेना में होगा बच्चू कडू की प्रहार का विलय?

शिंदे के सरप्राइज पैकेज की चर्चा

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा उपचुनाव के नतीजे 4 मई को आएंगे, उसके बाद तुरंत 12 मई को विधान परिषद की 9 सीटों के लिए चुनाव होना है। बताया जा रहा है कि शिवसेना प्रमुख और सूबे के उप मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र विधान परिषद की उपसभापति नीलम गोर्हे और बच्चू कडू के नाम पर मुहर लगाई थी, लेकिन पार्टी के कई नेता, पदाधिकारी और मंत्रियों ने इन दोनों नामों का विरोध किया है। हाल ही में हुए राज्यसभा चुनाव में सभी को चौंकाते हुए एकनाथ शिंदे ने पार्टी की प्रवक्ता और पिछड़े समाज से आने वाली प्रो. ज्योति वाघमारे को राज्यसभा भेजकर यह संदेश दिया था कि पार्टी में अब काम करने वालों को ही तवज्जो दी जाएगी। वहीं अब महाराष्ट्र की राजनीति में बच्चू कडू को लेकर नई चर्चाएं तेज हो गई हैं, जहां शिवसेना उन्हें अपनी पार्टी में लाकर बड़ा राजनीतिक समीकरण साधने की कोशिशें की जा रही हैं। माना जा रहा है कि अगर बच्चू कडू शिवसेना के साथ आते हैं, तो पार्टी की ताकत कई गुना बढ़ सकती है। हालांकि इस प्रस्ताव को लेकर शिवसेना के अंदर विरोध भी सामने आ रहा है। कई नेताओं का मानना है कि अगर बच्चू कडू को उम्मीदवार बनाया जाना है, तो उन्हें पहले अपनी प्रहार जनशक्ति पार्टी का शिवसेना में विलय करना होगा।

विदर्भ और अमरावती में शिवसेना को मिलेगा फायदा

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि अगर ऐसा होता है तो विदर्भ और अमरावती क्षेत्र में शिवसेना को बड़ा फायदा मिल सकता है, क्योंकि वहां बच्चू कडू का मजबूत जनाधार और संगठन मौजूद है। बच्चू कडू की पहचान दिव्यांगों, किसानों और मजदूरों के मुद्दों पर संघर्ष करने वाले नेता के रूप में रही है और उनकी कार्यशैली भी एकनाथ शिंदे से मिलती–जुलती मानी जाती है, इसलिए उन्हें शिवसेना के लिए फायदेमंद माना जा रहा है।

शिंदे की दूरगामी रणनीति

राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि एकनाथ शिंदे यह समझ चुके हैं कि भविष्य की राजनीति में केवल भाजपा के भरोसे रहना जोखिम भरा हो सकता है। विदर्भ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र में अपनी पैठ मजबूत करने के लिए उन्हें बच्चू कडू जैसे आक्रामक चेहरे की जरूरत है, जो सीधे तौर पर भाजपा या विपक्ष को चुनौती दे सकें। बच्चू कडू का साथ मिलना शिंदे के लिए विदर्भ में संजीवनी की तरह काम कर सकता है।

शिवसेना से ही शुरू की थी सियासत

बच्चू कडू ने अपने राजनीतिक जीवन की शुरुआत शिवसेना से ही की थी। वे चांदूर बाजार समिति के सभापति बने और एक बड़े शौचालय घोटाले का खुलासा भी किया। वहीं 1999 में उन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा, लेकिन हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2004 में लोकसभा चुनाव भी लड़ा, जहां उन्हें जीत नहीं मिली, लेकिन उसी साल विधानसभा चुनाव में जीत हासिल कर वे विधायक बने और बाद में प्रहार जनशक्ति पार्टी की स्थापना की। 2004, 2009, 2014 और 2019 में वे अचलपुर सीट से लगातार विधायक चुने गए। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में मिला था दिव्यांग मंत्रालयमहाविकास आघाड़ी सरकार में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व में उन्हें दिव्यांग मंत्रालय की जिम्मेदारी भी मिली। शिवसेना में विभाजन के बाद वे एकनाथ शिंदे के साथ चले गए। 2024 में चुनाव हारने के बाद भी उन्होंने किसानों और दिव्यांगों के मुद्दों को लेकर सरकार के खिलाफ आंदोलन जारी रखा।

दो सुरक्षा गार्डों पर चाकू से हमला

आरोपी गिरफ्तार, पुलिस के साथ-साथ एटीएस भी जांच में जुटी

हिंदमाता नेटवर्क @ मीरा रोड

मीरा-भायंदर में दो सुरक्षा गार्डों पर हुए चाकू हमले के बाद इलाके का माहौल तनावपूर्ण हो गया है। सोमवार तड़के करीब 4 बजे नया नगर इलाके में रहने वाले 31 वर्षीय आरोपी जैब जुबेर अंसारी ने निर्माणाधीन इमारत के सुरक्षा गार्ड पर अचानक चाकू से हमला कर दिया। बीच-बचाव करने आए दूसरे सुरक्षा गार्ड पर भी उसने हमला किया। इस घटना में एक सुरक्षा गार्ड गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे मीरा रोड के वॉकहार्ट अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

मामूली बात को लेकर गार्ड पर चाकू से हमला

जानकारी के अनुसार, अस्मिता क्लब के पास निर्माणाधीन इमारत में तैनात सुरक्षा गार्ड राजकुमार मिश्रा अपनी ड्यूटी पर मौजूद थे। इसी दौरान आरोपी वहां पहुंचा और किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। देखते ही देखते आरोपी ने राजकुमार मिश्रा पर चाकू से कई वार कर दिए। उन्हें बचाने पहुंचे दूसरे गार्ड सुब्रोतो सेन भी हमले में जख्मी हो गए।

पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना के बाद नया नगर पुलिस ने सुब्रोतो सेन की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी जैब जुबेर अंसारी को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले ने धार्मिक रंग पकड़ लिया है, जिसके बाद कुछ हिंदुत्ववादी संगठनों ने नया नगर पुलिस थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए जोरदार नारेबाजी की। इलाके में पुलिस की तैनाती बढ़ा दी गई है।

मामले को लेकर एटीएस की टीम भी सक्रिय

प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, आरोपी का जन्म मुंबई के कुर्ला इलाके में हुआ था। वर्ष 2000 से 2019 तक वह अमेरिका में रहा और 2019 में मीरा रोड के नया नगर इलाके में आकर बस गया। बताया जा रहा है कि वह ऑनलाइन माध्यम से बच्चों को मैथ्स और केमिस्ट्री पढ़ाता था। अब इस मामले की जांच के लिए एटीएस की टीम भी सक्रिय हो गई है, जिससे पूरे प्रकरण की गंभीरता और बढ़ गई है।

मुंबई के लोकल, बेस्ट, रिक्शा की दुनिया में चर्चा

मुंबई का ट्रांसपोर्ट सिस्टम दुनिया में नौवें नंबर पर है

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

दुनिया भर में सबसे ज्यादा पसंद किए जाने वाले पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम में हांगकांग पहले नंबर पर है। हांगकांग में 98% नागरिक पब्लिक ट्रांसपोर्ट का इस्तेमाल करते हैं। यहां मास ट्रांजिट रेलवे (एमटीआर), एसी बसें, मिनी बसें और डबल डेकर ट्राम जैसे सभी सुविधाओं वाले सिस्टम हैं। मुंबई इस लिस्ट में नौवें नंबर पर है। हाल ही में टाइम आउट मैगजीन की जारी लिस्ट के मुताबिक, मुंबई सबसे अच्छे पब्लिक ट्रांसपोर्ट सिस्टम की लिस्ट में नौवें नंबर पर है। सर्वे के मुताबिक, 83% मुंबईकर पब्लिक ट्रांसपोर्टका इस्तेमाल आसान लगता है।

पब्लिक ट्रांसपोर्ट के लिए दुनिया के सबसे अच्छे शहर

हांगकांग—98 प्रतिशत, शंघाई—94 प्रतिशत, बीजिंग—91 प्रतिशत, अबू धाबी—88 प्रतिशत, ताइपे—88 प्रतिशत, लंदन—86 प्रतिशत, वियना—84 प्रतिशत, सियोल—84 प्रतिशत, मुंबई—83 प्रतिशत और दोहा— 83 प्रतिशत।

बिरयानी के बाद तरबूज खाया, पूरा परिवार खत्म

फूड पॉइजनिंग से 4 मौतें!

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई के पायधुनी इलाके में फूड पॉइजनिंग की वजह से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि परिवार ने बिरयानी के बाद तरबूज खाया था। मुंबई पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। मृतकों की पहचान अब्दुल्ला डोकाडिया (40), नसरीन डोकाडिया (35) और उनकी बेटियां आयशा (16) और जैनब (13) के रूप में हुई है। मौत से पहले परिवार के एक शख्स ने पुलिस को दिए बयान में बताया कि उन्होंने एक साथ पहले बिरयानी खाई थी और उसके बाद तरबूज। भोजन के कुछ समय बाद ही परिवार के सभी सदस्यों की तबीयत बिगड़ने लगी। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान एक-एक कर चारों की मौत हो गई।

कब–क्या हुआ?

25 अप्रैल को परिवार को चार लोगों ने अपने 5 अन्य रिश्तेदारों के साथ रात 10:30 बजे खाना खाया था। बाकी करीबी रिश्तेदार बाद में अपने–अपने घर लौट गए। रात में 1:00 से 1:30 बजे के बीच चारों मृतक सदस्यों ने तरबूज खाया। इसके बाद रविवार सुबह 5:30 से 6 बजे के बीच, चारों में उल्टी और दस्त (लूज मोशन) के लक्षण दिखाई देने लगे। परिवार ने अपने फैमिली डॉक्टर से सलाह ली और फिर उन्हें जे.जे. अस्पताल रेफर कर दिया गया। अस्पताल में सुबह 10:15 बजे छोटी बेटी की मौत हो गई। सबसे आखिर में रविवार रात 10:30 बजे परिवार के मुखिया अब्दुल्ला डोकाडिया की भी मौत हो गई।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

पायधुनी पुलिस के अनुसार, प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मामला फूड पॉइजनिंग का हो सकता है, खासकर तरबूज खाने के बाद यह स्थिति बनी। यह भी बताया गया है कि जिन लोगों ने केवल चिकन पुलाव (बिरयानी) खाया था, उन्हें कोई परेशानी नहीं हुई। सभी शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा चुका है और अब हिस्टोपैथोलॉजी रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले में एक्सीडेंटल डेथ का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

क्या तरबूज और बिरयानी खाने से हो सकती है मौत?

एक सवाल लोगों के मन में आ रहा है कि क्या तरबूज और बिरयानी खाने से ऐसा हुआ है। लोगों की मौत का कारण कहीं फूड प्वाइजनिंग तो नहीं? इस बारे में राजीव गांधी अस्पताल में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ अजीत जैन बताते हैं कि मौत का असली कारण तो पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा, लेकिन ऐसा नहीं है कि बिरयानी और इसके बाद तरबूज खाना मौत की वजह हो सकता है। इन चीजों को साथ खाने या कुछ घंटे के अंतराल के बाद खाना मौत की वजह हो। ऐसा मुमकिन नहीं है। ये मामला इन चीजों के खुले में रखने और इससे हुई फूड प्वाइजनिंग से होने की आशंका है। डॉ जैन के मुताबिक, जब खाने की चीजों को कई घंटों तक खुले मे रखते हैं तो इनमें खतरनाक बैक्टीरिया पनप सकते हैं। फल हो या बिरयानी या कोई दूसरा भोजन इनको घंटों खुले में रखने से स्टैफिलोकोकस ऑरियस, साल्मोनेला एंटरिटिडिस और एस्चेरिचिया कोलाई जैसे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं। ये सभी बैक्टीरिया बहुत खतरनाक होते हैं। जब कोई व्यक्ति ऐसी चीजों को खाता है तो ये पेट में चले जाते हैं।

पीएम, सीएम को पद से हटाने संबंधी विधेयक पर जेपीसी की महाराष्ट्र सरकार से चर्चा

सीएम ने दिए तीन बहुत जरूरी सुझाव

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

आपराधिक आरोपों का सामना कर रहे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्रियों को पद से हटाने के विधेयक पर विचार-विमर्श कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की प्रमुख अपराजिता सारंगी ने सोमवार को कहा कि जेपीसी सभी हितधारकों की राय ले रही है। महाराष्ट्र सरकार के साथ बातचीत के बाद सारंगी ने कहा कि प्रस्तावित कानून भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में मील का पत्थर साबित होगा। संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 का उद्देश्य यह है कि अगर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री और मंत्रियों को पांच साल या उससे अधिक अवधि की जेल की सजा वाले अपराध के सिलसिले में गिरफ्तार किया जाता है और लगातार 30 दिन से ज्यादा समय तक हिरासत में रखा जाता है, तो उन्हें स्वतः ही 31वें दिन पद छोड़ना पड़ेगा। सारंगी ने कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने मुंबई में बातचीत के दौरान समिति को तीन बहुत जरूरी सुझाव दिए, जिनपर गौर किया जाएगा। समिति ने महाराष्ट्र मानवाधिकार आयोग के साथ बातचीत की।

हिंदमाता एंकरः बीएमसी ने चेताया, इस मानसून की सबसे ऊंची लहर 16 जुलाई 2026 को आएगी, जिसकी ऊंचाई लगभग 16 फीट रहने का अनुमान है

जलभराव का बड़ा खतरा, इस मानसून समुद्र में कुल 24 बार साढ़े चार मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठेंगी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

मुंबई और मानसून का रिश्ता जितना खूबसूरत है, उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। इस साल भी मानसून के दौरान समुद्र की लहरें मुंबईवासियों की परीक्षा ले सकती हैं। बृहन्मुंबई नगर निगम ने मानसून 2026 के लिए ज्वार-भाटे का आधिकारिक शेड्यूल जारी कर दिया है। बीएमसी के अनुसार, इस सीजन में समुद्र में कुल 24 बार साढ़े चार मीटर से अधिक ऊंची लहरें उठेंगी, जो शहर के निचले इलाकों के लिए जलभराव का बड़ा खतरा बन सकती हैं। प्रशासन के मुताबिक, इस मानसून की सबसे ऊंची लहर 16 जुलाई 2026 को आएगी, जिसकी ऊंचाई 4.89 मीटर (लगभग 16 फीट) रहने का अनुमान है। इससे पहले जून महीने में भी समुद्र का जलस्तर काफी बढ़ा रहेगा। 16 जून को लहरें 4.87 मीटर तक पहुंच सकती हैं।

जून और जुलाई का हाई टाइड कैलेंडर

मुंबई चारों ओर से समुद्र से घिरी है, इसलिए ज्वार के समय यदि मूसलाधार बारिश होती है, तो नालों का पानी प्राकृतिक रूप से समुद्र में नहीं जा पाता। इससे शहर में भीषण जलभराव की स्थिति पैदा हो जाती है।

नगर निगम द्वारा घोषित कार्यक्रम के अनुसार

जून महीने का अलर्टः 14 जून से 19 जून तक लगातार 6 दिनों तक भारी ज्वार रहेगा। इसमें 16 जून को 4.87 मीटर और 17 जून को 4.86 मीटर ऊंची लहरें उठेंगी।

जुलाई महीने का अलर्टः इस महीने में 15 जुलाई को 4.85 मीटर और 16 जुलाई को सीजन की सबसे ऊंची 4.89 मीटर की लहरें दर्ज की जाएंगी।

कुल 24 बार हाई टाइड

मुंबई में इस मानसून के दौरान कुल 24 बार हाई टाइड आएगा। सीजन की सबसे ऊंची लहर 16 जुलाई को 4.89 मीटर (16 फीट) दर्ज होगी। 16 जून को समुद्र में 4.87 मीटर ऊंची लहरें उठने का अनुमान है।

लगातार 6 दिनों तक भारी ज्वार

जून के पहले सप्ताह में लगातार 6 दिनों तक भारी ज्वार की चेतावनी। बीएमसी ने ज्वार के दौरान नागरिकों से समुद्र तटों से दूर रहने की अपील की है।

प्रशासन की चेतावनी

बीएमसी ने नागरिकों और पर्यटकों से अपील की है कि वे ज्वार–भाटे के समय समुद्र तटों से दूर रहें। मरीन ड्राइव, गिरगांव चौपाटी, जुहू बीच और वरली सी–फेस जैसे क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी की जाएगी। विशेष रूप से उन दिनों में अधिक सावधानी बरतने को कहा गया है जब भारी बारिश और हाई टाइड एक साथ होने की संभावना है।

सूचना देखकर घर से निकलें

मुंबईवासियों को सलाह दी गई है कि वे घर से निकलने से पहले बीएमसी द्वारा जारी ज्वार–भाटे के समय और मौसम विभाग की सूचनाओं पर ध्यान दें। आपातकालीन स्थिति के लिए बीएमसी की हेल्पलाइन और आपदा प्रबंधन विभाग को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

न्यायाधिकरण का आदेश

सड़क हादसे में मृतकों के परिजनों को 63.76 लाख मुआवजा

ठाणे एमएसीटी का आदेश, बस चालक की लापरवाही ठहराई जिम्मेदार

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

ठाणे जिले में मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2020 में एक मोटरसाइकिल और राज्य परिवहन विभाग की बस के बीच हुई टक्कर में मारे गए एक दंपति और उनके 11 वर्षीय बेटे के परिजनों को कुल 63.76 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। एमएसीटी के सदस्य आर वी मोहिते ने दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए मृतक दंपति के दो अन्य बच्चों और उनकी दादी को मुआवजा देने की मंजूरी दी, और बस चालक की लापरवाही के लिए महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) को जिम्मेदार ठहराया। न्यायाधिकरण ने 17 अप्रैल को पांच अलग-अलग याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया और इसकी एक प्रति रविवार को उपलब्ध कराई गई।

दुर्घटना का विवरण

दुर्घटना 12 नवंबर, 2020 को हुई थी जब पीड़ित सखाराम माया मुकाने (34) अपनी पत्नी इंदिरा (29) और तीन बेटों के साथ मोटरसाइकिल पर यात्रा कर रहे थे। शाहपुर के पास तेज रफ्तार बस ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे दंपति की मौके पर ही मौत हो गई और उनके तीन बेटे गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनमें से एक की अगले दिन अस्पताल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

घायलों की स्थिति और तर्क

अन्य दो बेटे नवनाथ (आठ) और एकनाथ (पांच) गंभीर रूप से घायल हो गए। न्यायाधिकरण ने एमएसआरटीसी के इस तर्क को खारिज कर दिया कि मोटरसाइकिल चालक पांच व्यक्तियों को वाहन पर बिठाकर यात्रा करके लापरवाही बरती। न्यायाधिकरण ने माना कि दुर्घटना बस चालक की लापरवाही और तेज गति से वाहन चलाने के कारण हुई थी।

मुआवजा और निर्देश

न्यायाधिकरण ने कहा कि टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल कुछ दूर तक घिसटती हुई चली गई, जिससे पता चलता है कि बस तेज गति से चलाई जा रही थी। न्यायाधिकरण ने मृतक के परिजनों को कुल 63.76 लाख रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया और एमएसआरटीसी को पांचों याचिकाएं दायर करने की तारीख से नौ प्रतिशत प्रति वर्ष ब्याज समेत कुल राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया।

ठाणे में सियासी संग्राम

प्रताप सरनाईक पर जमीन हड़पने का आरोप

• समर्थकों संग पुलिस स्टेशन पहुंचे नरेंद्र मेहता

हिंदमाता संवाददाता @ ठाणे

महाराष्ट्र की राजनीति में महायुति के दो प्रमुख घटक दलों, भाजपा और शिवसेना (शिंदे गुट) के बीच जारी तनाव अब थाने की सड़कों और पुलिस स्टेशनों तक पहुंच गया है। परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक और भाजपा नेता नरेंद्र मेहता के बीच का विवाद अब व्यक्तिगत आरोपों और जमीन हड़पने के दावों में तब्दील हो गया है। मुंबई मेट्रो के उद्घाटन समारोह में हुई धक्का-मुक्की के बाद अब मेहता ने सरनाईक पर भायंदरपाड़ा के एक परिवार की जमीन पर कब्जा करने का गंभीर आरोप लगाया है। सोमवार को नरेंद्र मेहता अपने समर्थकों, पार्षदों और महापौर के साथ कासरवडवली पुलिस स्टेशन पहुंचे। उन्होंने दावा किया कि कासरवडवली क्षेत्र के भोइर परिवार की कुल 2,439 वर्ग मीटर जमीन में से लगभग 1,219 वर्ग मीटर हिस्से पर प्रताप सरनाईक और उनके समर्थकों ने अवैध रूप से कब्जा कर लिया है। मेहता ने मौके का मुआयना करने के बाद पुलिस प्रशासन से मांग की है कि इस मामले की गहन जांच कर दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाए।

‘ड्राइवर’ वाले बयान पर ‘पुत्र’ का पलटवार

विवाद केवल जमीन तक सीमित नहीं रहा, बल्कि भाषाई मर्यादाओं को भी लांघ गया है। नरेंद्र मेहता के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने कथित तौर पर प्रताप सरनाईक को अपना ‘ड्राइवर’ कहा था, सरनाईक के बेटे पुरवेश सरनाईक ने कड़ी आपत्ति जताई है। पुरवेश ने मेहता को एक खुला पत्र लिखकर उनके बयान को ‘घटिया और ओछा’ करार दिया। उन्होंने कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद स्वीकार्य हैं, लेकिन शिष्टता और मयार्दा का पालन अनिवार्य है।

मराठी अनिवार्यता और गन कल्चर पर घमासान

एक ओर जहां अधिवक्ता गुणरत्न सदावर्ते और रिक्शा यूनियनें मराठी भाषा की अनिवार्यता को लेकर सरनाईक के खिलाफ मोर्चा खोले हुए हैं, वहीं दूसरी ओर मीरा-भायंदर में आंतरिक राजनीतिक कलह चरम पर है। इससे पहले प्रताप सरनाईक ने भी मेहता के खिलाफ जनता दरबार में मिली शिकायतों के आधार पर जांच दल गठित करने की बात कही थी। अब जबकि नरेंद्र मेहता ने सीधे पुलिस स्टेशन का रुख किया है, मीरा-भायंदर का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर है। शहर के नागरिक और राजनीतिक विश्लेषक अब इस बात का इंतजार कर रहे हैं कि मंत्री प्रताप सरनाईक इन गंभीर आरोपों पर क्या सफाई देते हैं और क्या राज्य सरकार इस ‘कथित’ भूमि कब्जे की निष्पक्ष जांच कराएगी।

एमएनएस का ‘मैं मराठी जानता हूं’ अभियान

रिक्शा चालकों के जरिए मराठी भाषा और स्थानीय पहचान को बढ़ावा

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (एमएनएस) ने शहर में मराठी अस्मिता को बढ़ावा देने के लिए ‘मैं मराठी बोलता/बोलती हूं’ स्टिकर अभियान शुरू किया है। शाहद स्टेशन और म्हारल डी-मार्ट रिक्शा स्टैंड पर सैकड़ों रिक्शाओं पर विशेष संदेश वाले स्टिकर लगाए गए, जिससे यात्रियों को आकर्षित किया जा सके।

भाषा सम्मान का उद्देश्य

यह अभियान 26 अप्रैल को शुरू किया गया, जिसका उद्देश्य स्थानीय भाषा के प्रति सम्मान बनाए रखना और यात्रियों के बीच विश्वास बढ़ाना है। रिक्शा चालकों ने इस पहल का स्वागत किया है, जिससे यह अभियान शहर में चर्चा का विषय बन गया है। एमएनएस की उल्हासनगर शहर शाखा द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष बंदू देशमुख, उप शहर प्रमुख सचिन बेंडके, मुकेश जेठमलानी और वाहतूक सेना के शहर आयोजक कालू थोरात समेत कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता शामिल हुए।

मराठी भाषा को बढ़ावा

पदाधिकारियों ने शाहद और म्हारल क्षेत्र में रिक्शाओं पर स्टिकर लगाकर मराठी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहित करने की अपील की। उनका कहना है कि मराठी भाषा का संरक्षण और स्थानीय पहचान को मजबूत करना समय की जरूरत है। इस अभियान के जरिए यात्रियों तक सकारात्मक संदेश पहुंच रहा है। मराठी भाषा को गर्व के साथ अपनाते रिक्शा चालकों की तस्वीरें भी सामने आई हैं, जिससे उल्हासनगर में मराठी पहचान को मजबूती मिल रही है।

वृद्ध दंपति के जले हुए शव मिलने से मची खलबली

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

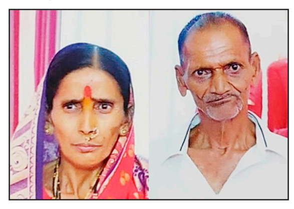

टिटवाला से दिल दहला देने वाली खबर है। पिछले कुछ दिनों से लापता वृद्ध दंपति के शव मुरबाड के म्हसा क्षेत्र में जली हुई अवस्था में मिले हैं। मृतकों की पहचान महादू घरत और कमलाबाई घरत के रूप में हुई है। परिजनों के मुताबिक दंपति पिछले कई दिनों से लापता थे। तलाश जारी थी। आज मुरबाड के म्हसा इलाके में दोनों के शव जली हुई हालत में बरामद हुए। कल्याण ग्रामीण क्षेत्र के म्हारल इलाके में रहने वाले महादू घरत (85) और कमलाबाई घरत (75) पिछले कुछ दिनों से लापता थे। उनके गायब होने की शिकायत उनकी बेटी ने 23 अप्रैल को टिटवाला पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने उनकी तलाश शुरू की। जांच के दौरान मुरबाड तालुका के म्हसा क्षेत्र में सड़क किनारे दोनों के जले हुए शव मिले। शव जली हुई अवस्था में मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने प्राथमिक तौर पर आत्महत्या की आशंका जताई है। बताया जा रहा है कि महादू और कमलाबाई का अपने परिवार के साथ संपत्ति को लेकर विवाद चल रहा था। हत्या है या आत्महत्या, इस दिशा में पुलिस आगे की जांच कर रही है।

शॉर्ट स्टोरी

वसई-विरार बाढ़ पर आयुक्त से मुलाकात

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई-विरार शहर में हर वर्ष मानसून के दौरान आने वाली बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान के लिए सोमवार को महापौर अजीव पाटील के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोंकण भवन में विभागीय आयुक्त से मुलाकात की। इस दौरान शहर की भौगोलिक स्थिति और जल निकासी से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिनिधिमंडल में पूर्व महापौर नारायण मानकर और स्थायी समिति सभापति प्रवीण शेट्टी भी शामिल थे। उन्होंने आयुक्त के समक्ष बाढ़ नियंत्रण से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दे उठाए। प्रतिनिधियों ने ‘केंद्रीय जल आयोग’ के दिशा-निर्देशों के अनुसार त्वरित कार्रवाई की मांग की, ताकि मानसून के दौरान बनने वाली बाढ़ की स्थिति पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके। बैठक में ठाणे, कळवा और वसई की खाड़ियों में जमा हो रही भारी गाद को बाढ़ का मुख्य कारण बताते हुए उसकी शीघ्र सफाई और जलमार्ग की गहराई बढ़ाने पर जोर दिया गया। साथ ही कळवा खाड़ी क्षेत्र में हो रहे अवैध अतिक्रमणों को हटाने की मांग भी की गई। विभागीय आयुक्त ने सभी मुद्दों को गंभीरता से लेते हुए सकारात्मक आश्वासन दिया कि मानसून पूर्व आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। महापौर ने कहा कि नागरिकों को हर साल बाढ़ से राहत दिलाना प्राथमिकता है और इसके लिए ठोस व दीर्घकालीन उपाय जरूरी हैं।

वसई में 30 अप्रैल को जनसंवाद दिवस

हिंदमाता संवाददाता @ वसई

वसई तालुका में भूमि मापन से जुड़े लंबित मामलों के समाधान के लिए 30 अप्रैल को विशेष ‘जनसंवाद दिवस’ आयोजित किया जाएगा। विधायक स्नेहा दुबे पंडित की पहल और भूमि अभिलेख विभाग के सहयोग से यह कार्यक्रम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित निपटारे के उद्देश्य से रखा गया है। जनसंवाद दिवस सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक तहसीलदार कार्यालय, वसई में आयोजित होगा। इस दौरान भूमि अभिलेख विभाग के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहेंगे और नागरिकों की शिकायतों का मौके पर ही समाधान किया जाएगा। प्रशासन ने अपील की है कि जिन नागरिकों के भूमि मापन से जुड़े मामले लंबित हैं, वे अपने आवेदन तीन प्रतियों में लेकर आएं। साथ ही पहले से जमा आवेदन की छायाप्रति भी साथ लाना अनिवार्य है, ताकि मामलों का शीघ्र निपटारा किया जा सके।

म्हारल-काबा-वरप में कचरा संकट ग्रामसेवक को वरिष्ठ अधिकारी ने दी नोटिस

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

कल्याण पंचायत समिति के अंतर्गत आने वाली म्हारल, काबा और वरप ग्रामपंचायतों में कचरा प्रबंधन की बदहाल स्थिति सामने आई है। गांव के मुख्य रास्तों और नालियों में जगह-जगह कचरे के ढेर देखे जा रहे हैं। इतना ही नहीं, कल्याण-मुरबाड राष्ट्रीय महामार्ग पर भी कचरा फेंके जाने से वह डंपिंग ग्राउंड जैसा नजर आ रहा है। म्हारल क्षेत्र के समाजसेवक संकेत हिंदूराव ने 15 अप्रैल 2026 को इस संबंध में गट विकास अधिकारी को लिखित शिकायत और फोटो सौंपे थे। शिकायत में बताया गया कि कचरे के कारण नालियां जाम हो गई हैं और गंदा पानी सड़कों पर बह रहा है, जिससे नागरिकों को आवागमन में कठिनाई हो रही है। शिकायत के बाद गट विकास अधिकारी रघुनाथ गवारी ने ग्रामसेवक को नोटिस जारी कर सात दिन में सफाई करने और स्थायी समाधान निकालने के निर्देश दिए हैं। आदेश का पालन न होने पर प्रशासनिक कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। वहीं, ग्रामसेवक अमोल मुरबाड़कर ने बताया कि डंपिंग की समस्या गंभीर है। सीमित संसाधनों के चलते कचरा उठाने में बाधाएं आ रही हैं, हालांकि अतिरिक्त वाहनों और डंपिंग स्थल के लिए प्रस्ताव भेजा गया है।

एलटीटी-भागलपुर/गोड्डा ट्रेनों की संरचना बदली

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मध्य रेल ने लोकमान्य तिलक टर्मिनस (एलटीटी) से चलने वाली दो प्रमुख ट्रेनों की कोच संरचना में स्थायी बदलाव की घोषणा की है। यह परिवर्तन ट्रेन संख्या 12336/12335 एलटीटी-भागलपुर-एलटीटी एक्सप्रेस और 22312/22311 एलटीटी-गोड्डा-एलटीटी एक्सप्रेस में लागू किया जाएगा। नई संरचना के तहत इन ट्रेनों में कुल 22 एलएचबी कोच लगाए जाएंगे। इनमें 2 एसी-2 टियर, 6 एसी-3 टियर, 5 शयनयान श्रेणी, 6 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 1 जनरेटर कार, 1 पैंट्री कार और 1 सेकंड सीटिंग सह लगेज-गार्ड ब्रेक वैन शामिल होगी। संशोधित संरचना की प्रभावी तिथियों के अनुसार, ट्रेन संख्या 12336/12335 (एलटीटी-भागलपुर-एलटीटी) 23 जून 2026 से दोनों दिशाओं में नए स्वरूप के साथ चलेगी। ट्रेन संख्या 22312 (एलटीटी-गोड्डा) 25 जून 2026 से एलटीटी से, जबकि ट्रेन संख्या 22311 (गोड्डा-एलटीटी) 21 जून 2026 से गोड्डा से संशोधित संरचना के साथ संचालित होगी। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि वे इन बदलावों की जानकारी रखें। ट्रेनों के समय और ठहराव की विस्तृत जानकारी के लिए यात्री रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट या एनटीईएस ऐप का उपयोग कर सकते हैं।

दिव्यांग किशोरी से अत्याचार मामला

आरोपी को 20 वर्ष का कठोर कारावास की सजा

हिंदमाता संवाददाता @ कल्याण

जिला एवं सत्र न्यायालय ने एक मानवता को शर्मसार करने वाले मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। विशेष न्यायाधीश वी. ए. पत्रावले ने अपनी ही 15 वर्षीय दिव्यांग (मंदबुद्धि) रिश्तेदार का यौन उत्पीड़न करने और उसे बेसहारा छोड़ने के दोषी व्यक्ति को 20 साल के कठोर कारावास की सजा सुनाई है।

क्या था पूरा मामला?

यह घटना साल 2019 की है। जलगांव निवासी 39 वर्षीय आरोपी (पीड़िता की मौसी का पति) ने लड़की की मानसिक स्थिति का फायदा उठाकर उसके साथ बार-बार दुष्कर्म किया, जिससे वह पांच महीने की गर्भवती हो गई। जब आरोपी को लगा कि उसका पाप उजागर होने वाला है, तो वह पीड़िता को "कल्याण घुमाने" के बहाने जलगांव से 400 किलोमीटर दूर कल्याण रेलवे स्टेशन ले आया। वहां वह उसे "खाने का सामान लेकर आता हूं" कहकर बेवारिस हालत में छोड़कर फरार हो गया।

पुलिस की सतर्कता से खुला राज

मई 2019 में भिवंडी के एक टैक्सी चालक रंजीत परदेशी ने कल्याण स्टेशन के पास साधना होटल के सामने एक लड़की को रोते हुए देखा। उन्होंने तुरंत महात्मा फुले चौक पुलिस को इसकी सूचना दी। पुलिस ने बच्ची को उल्हासनगर के बाल सुधार गृह में भर्ती कराया, जहां मेडिकल जांच के दौरान उसके 5 महीने की गर्भवती होने का खुलासा हुआ।

जांच और गिरफ्तारी

तत्कालीन उपनिरीक्षक हरीश कांबले ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अज्ञात के खिलाफ पोक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज किया। पीड़िता ने टूटी-फूटी भाषा में खुद को जलगांव का निवासी बताया। कल्याण पुलिस ने जलगांव पुलिस के संपर्क साधा और कड़ियां जोड़ते हुए आरोपी तक पहुंची। कड़ाई से पूछताछ करने पर आरोपी ने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

न्यायालय की तल्ख टिप्पणी

अदालत में विशेष सरकारी वकील आर. आर. भोईर ने दलीलें पेश कीं। न्यायाधीश ने आरोपी के कृत्य को 'जघन्य' और 'निंदनीय' करार देते हुए कहा कि आरोपी ने न केवल बच्ची के विश्वास को तोड़ा, बल्कि उसे मरणासन्न स्थिति में छोड़कर भाग गया।

शिकायत से नाराज युवक ने महिला पर चाकू से हमला

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

अंबरनाथ के द्वारली पाड़ा क्षेत्र में एक महिला पर चाकू से हमला किए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस में शिकायत दर्ज कराने से नाराज आरोपी ने महिला को घायल कर दिया, जबकि बीच-बचाव करने आए एक व्यक्ति के साथ भी मारपीट की गई। इस मामले में हिललाइन पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, पीड़िता उज्ज्वला सुरेश तेली (37) जय गोलोबा चॉल में रहती हैं। 26 अप्रैल की रात करीब 9 बजे वह घर के बाहर खड़ी थीं, तभी आरोपी रवि गायकवाड़ वहां पहुंचा और शिकायत को लेकर उनसे बहस करने लगा। विवाद बढ़ने पर आरोपी ने चाकू से उनकी बाईं कलाई पर वार कर दिया, जिससे वह घायल हो गईं। घटना के दौरान संजय तेरसनाथ पाल ने हस्तक्षेप किया, तो आरोपी ने उनके साथ भी मारपीट की। घायल महिला ने पुलिस स्टेशन पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर भारतीय दंड संहिता 2023 की धाराओं 118(1), 115(2) और 352 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस नायक चतुरे इस मामले की जांच कर रहे हैं। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक से संपर्क नहीं हो सका।

चलती लोकल ट्रेन में चाकू से हमला

यात्री को लूटने का प्रयास, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

खोपोली लोकल ट्रेन में एक यात्री पर चाकू से हमला कर लूटने की कोशिश करने की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यह घटना 23 अप्रैल को दोपहर करीब 1:30 से 2 बजे के बीच विट्ठलवाड़ी और उल्हासनगर स्टेशनों के बीच घटी। कल्याण रेलवे पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक पंढरीनाथ कांडे द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता नितेश कुमार शाह बाजार में टेडी बियर बेचते हैं। खोपोली जाते समय आरोपी जोगिंदर सिंह लबाना ने उन पर चाकू से हमला किया और उनका मोबाइल फोन छीनने की कोशिश की। इस घटना से डिब्बे में अफरा-तफरी मच गई और यात्रियों में भय का माहौल बन गया। इस हमले में नितेश शाह को मामूली चोटें आईं, लेकिन सौभाग्य से एक बड़ा हादसा टल गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद ट्रेन में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठ रहे हैं। घटना की गंभीरता को देखते हुए, रेलवे सुरक्षा बल और जीआरपी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए आरोपी जोगिंदर सिंह लबाना को 25 अप्रैल को गिरफ्तार कर लिया। अदालत में पेशी के दौरान उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस घटना के बाद, यात्रियों की ओर से चलती ट्रेनों में सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त करने की मांग उठ रही है।

सेंचुरी मिल मुंबई की जमीन 1350 करोड़ में हो जाएगी प्राइवेट प्रॉपर्टी

शापूरजी, रहेजा सहित 4 बड़ी कंपनियां आईं

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

लोअर परेल स्थित सेंचुरी मिल की बहुमूल्य जमीन अब बीएमसी के लिए बड़ी कमाई का जरिया बनने जा रही है। इस जमीन के विकास और लीज से बीएमसी को करोड़ों रुपए का राजस्व मिलने की उम्मीद है। खास बात यह है कि इस प्रोजेक्ट को हासिल करने के लिए देश की चार बड़ी रियल एस्टेट कंपनियां मैदान में उतर चुकी है। इनमें शापूरजी पालनजी ग्रुप, रहेजा ग्रुप, किश्तो ग्रुप और पेडर रियलिटी कंपनियों के नाम शामिल है।

लीज से बीएमसी को मिलेंगे 1348 करोड़ रुपए

बीएमसी ने इस जमीन के विकास के लिए हाल ही में टेंडर जारी किया था। सूत्रों के अनुसार, शापूरजी पालनजी ग्रुप, रहेजा ग्रुप, किश्तो ग्रुप और पेडर रियलिटी जैसी कंपनियों आवेदन किया है। इन प्रस्तावों पर आने वाले सप्ताह में अंतिम निर्णय लिया जाएगा। बीएमसी इस जमीन की नीलामी करेगी, जिससे उसे करीब 1,348 करोड़ रुपए का राजस्व मिलने का अनुमान है।

1927 में दी गई थी जमीन

करीब 6 एकड़ में फैली यह जमीन ऐतिहासिक रूप से सेंचुरी स्पिनिंग ऐंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी को 1 अप्रैल, 1927 से 28 साल के लिए दी गई थी। इसका उद्देश्य मिल के कामगारों के लिए आवास उपलब्ध कराना था। इस जमीन पर 476 कमरे, 10 दुकानें और कई चॉल बनाई गई थीं। हालांकि, 31 मार्च, 1955 को लीज समाप्त हो गई थी और नियमों के अनुसार जमीन बीएमसी को वापस मिलनी थी। लेकिन लीज खत्म होने के बाद भी विवाद शुरू हो गया। सेंचुरी मिल ने इस जमीन पर अपना अधिकार बनाए रखने के लिए अदालत का रुख किया। इसके जवाब में बीएमसी ने भी कानूनी लड़ाई लड़ी। लंबे समय तक चले इस मामले में अंततः बीएमसी को जीत मिली और जमीन उसके कब्जे में वापस आ गई।

तलवार लेकर घर में घुसा युवक, आरोपी गिरफ्तार

हिंदमाता संवाददाता @ उल्हासनगर

शहर में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जहां 18 वर्षीय युवक विष्णु परिहार ने एक लड़की से बात करने से मना किए जाने पर गुस्से में तलवार लेकर उसके घर में घुसकर मारपीट की। घटना सेंट्रल पुलिस स्टेशन से कुछ ही दूरी पर हुई, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। पुलिस के अनुसार, आरोपी लड़की से सोशल मीडिया पर बातचीत करता था। परिवार द्वारा विरोध किए जाने पर उसने 26 अप्रैल को दोपहर करीब 2:30 बजे तलवार के साथ घर में जबरन प्रवेश किया। आरोपी ने लड़की को धमकाते हुए उसकी पिटाई की और जाते समय जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद उसने घर के बाहर खड़ी दोपहिया वाहन को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद इलाके में भय का माहौल बन गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे ने बताया कि आरोपी नशे का आदी है और पहले उसे नशामुक्ति केंद्र भेजा गया था। इस बीच, सामाजिक कार्यकर्ताओं ने शहर में बढ़ती नशे की समस्या पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

एसी खराबी पर रेस्तरां को मुआवजा आदेश

जन्मदिन कार्यक्रम में असुविधा पर उपभोक्ता आयोग सख्त, सेवा में कमी माना

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

मुंबई के एक उपभोक्ता आयोग ने जन्मदिन पार्टी के दौरान शीतलन यंत्र (एसी) खराब होने के कारण मेहमानों को हुई असुविधा के लिए एक रेस्तरां को आदेश दिया कि वह महिला ग्राहक को मुआवजा प्रदान करे। आयोग का मानना है कि शीतलन (एयर कंडीशनिंग) व्यवस्था आयोजन स्थल बुकिंग का एक ‘अनिवार्य घटक’ है। अतिरिक्त जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (उपनगरीय) ने इस महीने की शुरूआत में रेस्तरां को अपने बैंक्वेट हॉल में खराब एसी के कारण सेवा में कमी के लिए 22,557 रुपए और अगस्त 2024 से छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज के साथ भुगतान करने का निर्देश दिया।

अतिरिक्त मुआवजा आदेश

आयोग ने रेस्तरां को उपभोक्ता को मानसिक पीड़ा पहुंचाने के लिए 10,000 रुपए और कानूनी खर्च के लिए 5,000 रुपए का भुगतान करने का भी आदेश दिया है। घाटकोपर निवासी शिकायतकर्ता ने जुलाई 2024 में अपने एक रिश्तेदार की जन्मदिन पार्टी के लिए लोअर परेल स्थित रेस्तरां के बैंक्वेट हॉल को बुक किया था और भोजन तथा आवश्यक सेवाओं के लिए 3.63 लाख रुपए का भुगतान किया था।

शिकायत और असुविधा

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि कार्यक्रम के दौरान ‘एयर कंडीशनिंग’ प्रणाली खराब हो गई जिससे मेहमानों को घुटन और काफी असुविधा का सामना करना पड़ा। हालांकि प्रबंधन ने पंखे लगाकर अस्थायी व्यवस्था की, लेकिन यह अपर्याप्त थी। शिकायतकर्ता का दावा है कि कई मेहमान कथित तौर पर भोजन किए बिना ही कार्यक्रम छोड़कर चले गए, जिससे शर्मिंदगी और असुविधा हुई।

प्रबंधन की लापरवाही

महिला ने यह भी आरोप लगाया कि कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि एसी प्रणाली उनके कार्यक्रम से कई दिन पहले से खराब थी और उसकी ठीक से मरम्मत नहीं की गई थी। रेस्तरां प्रबंधन द्वारा नोटिस प्राप्त होने के बावजूद आयोग के समक्ष पेश न होने के कारण मामले की कार्यवाही एकतरफा हुई। रेस्तरां को आदेश की प्रति प्राप्त होने के 45 दिनों के भीतर अनुपालन करने का निर्देश दिया गया है।

हिंदमाता एंकर: हर दिन बदलता है पानी का रंग

वालधुनी नदी के पानी की दुर्गंध से परेशान हैं लोग

हिंदमाता संवाददाता @ मीरा-भायंदर

ठाणे जिले के प्रमुख शहरों अंबरनाथ, उल्हासनगर और कल्याण से होकर बहने वाली वालधुनी नदी का पानी लंबे समय से रंग बदलते रहता है। भीषण गर्मी के दिनों में प्रदूषण का मुद्दा तब सामने आया जब नदी के दोनों किनारों पर रहने वाले निवासियों ने इलाके से तेज दुर्गंध आने का अनुभव किया। इस गंभीर स्थिति के मद्देनजर, वालधुनी नदी स्वच्छता के मुद्दे को लेकर कार्यरत एक एनजीओ द्वारा महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उपेंद्र कुलकर्णी और कल्याण के एमपीसीबी बोर्ड के अधिकारियों के साथ एक बैठक की। इस बैठक के बाद संबंधित अधिकारियों ने नदी का प्रत्यक्ष निरीक्षण करने पर सहमति जताई। तदनुसार पिछले दो दिनों से नदी के जल की गुणवत्ता की जांच के लिए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के लिए आवश्यक उपकरण महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा उपलब्ध कराए गए हैं। निरीक्षण दौरे के दौरान वालधुनी को स्वच्छ नदी बनाने की लड़ाई लड़ रहे शशिकांत दयामा, रेखा अतरड़े, दीपाली आमदोस्कर और सुरेखा दिविलकर ने किया।

केमिकल कंपनियों तथा नागरिकों के कारण नदी ने ले लिया है नाले का रूप

निरीक्षण एवं अवलोकन अभियान का नेतृत्व वालधुनी नदी स्वच्छता सेवा संगठन के अध्यक्ष सुनिल उतेकर ने किया। संस्था के अध्यक्ष सुनील उतेकर, साथ ही भारती अय्यर, गणेश कांबले, अनिल सरदार, सुरेश अहिरे और विशंत कांबले जैसे प्रमुख कार्यकर्ता उपस्थित थे और उन्होंने सक्रिय रूप से भाग लिया। सरकार ने नदी को प्रदूषण मुक्त रखने का संकल्प लिया।निरीक्षण दौरे के बाद वालधुनी नदी के तल में घटना स्थलों का सर्वेक्षण किया गया और एक पूर्ण रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों और महाराष्ट्र सरकार को सौंपी जाएगी।

वालधुनी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध

इसके अलावा कल्याण- डोंबिवली मनपा के अधिकारियों और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की एक संयुक्त बैठक जल्द ही आयोजित की जाएगी और संबंधित अधिकारियों को इसमें आमंत्रित किया जाएगा। कल्याण में आयोजित बैठक के अवसर पर बोलते हुए महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी उपेंद्र कुलकर्णी ने आश्वासन दिया कि हम वालधुनी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। वालधुनी नदी जो मलंगगढ़ पर्वत श्रृंखला के काकोले गांव से निकलती है और आशेले, मानेरे, वसार से होते हुए कैलाशनगर, स'द्रीनगर, खडेगोलावली, अशोकनगर, शिवाजीनगर, शहद, घोलपनगर, योगीधाम तक बहती है। नदी इसी मार्ग से कल्याण खाड़ी में मिलती है। इस नदी के किनारे बड़े पैमाने पर शहरीकरण हुआ है। साथ ही, छोटे-बड़े उद्योगों का अपशिष्ट बिना किसी प्रक्रिया के नदी में बहाया जाता है। इसी को देखते हुए राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण और सर्वोच्च न्यायालय में शिकायतें दर्ज की गई हैं। महाराष्ट्र की 42 प्रदूषित नदियों में से वालधुनी नदी सबसे प्रदूषित मानी जाती है। इस नदी का पानी पीने योग्य नहीं रह गया है दुःख बात यह है कि वालधुनी का पानी जानवर तक नहीं

नाले में तब्दील हो चुकी नदी

नदी नाले में तब्दील हो चुकी है, नदी के दोनों किनारों पर अनगिनत अवैध निर्माण हो चुके हैं। इस वजह से नदी का किनारा संकरा हो गया है। हर मानसून में भारी बारिश के बाद नदी के किनारे बसे लोगों के घरों में पानी भर जाता हैं। नदी के निचले स्तर को ध्यान में रखे बिना निर्माण परमिट जारी कर दिए गए हैं। इन सभी कारणों से यह स्पष्ट हो गया है कि यह नदी अब अस्तित्व में नहीं है। उदासीनता के कारण पिछले कुछ वर्षों में वालधूनी नदी एक नाले में तब्दील हो गई है। नदी के किनारे स्थित रसायनिक कारखानों, कपड़ा और जींस प्रसंस्करण उद्योगों और कुछ अन्य परियोजनाओं ने रसायनिक और सीवेज युक्त अपशिष्ट जल नदी में बहा दिया जाता है, जिससे नदी पूरी तरह प्रदूषित हो गई है। भू-माफियाओं ने विभिन्न स्थानों पर नदी तल पर अतिक्रमण कर लिया है। राजनेताओं और संबंधित विभागों के अधिकारियों के प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष समर्थन से वालधूनी नदी का अस्तित्व खतरे में है।

राघव चड्ढा के घर के बाहर 'आप' का जोरदार विरोध

गद्दार के नारों के बीच 8 कार्यकर्ताओं पर केस दर्ज

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों की हालिया बगावत के बाद महाराष्ट्र से लेकर पंजाब तक राजनीतिक माहौल गरमा गया है। मुंबई में राघव चड्ढा के आवास के बाहर आप कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए उग्र प्रदर्शन के बाद पुलिस ने सख्त रुख अपनाया है। जानकारी के मुताबिक, खार पुलिस स्टेशन ने इस मामले में 8 से अधिक कार्यकर्ताओं के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने चड्ढा के खिलाफ 'गद्दार' जैसे नारे लगाए और भारी हंगामा किया। यह विरोध प्रदर्शन उस समय शुरू हुआ जब राघव चड्ढा ने सात अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया। चड्ढा ने अपनी ही पुरानी पार्टी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि जो पार्टी भ्रष्टाचार मिटाने के संकल्प के साथ बनी थी, वह अब खुद भ्रष्ट हो चुकी है। चड्ढा के मुताबिक, वह पिछले एक साल से पार्टी की गतिविधियों से केवल इसलिए दूर थे क्योंकि वह गलत कामों और समझौतों का हिस्सा नहीं बनना चाहते थे।

पुलिस की कार्रवाई और कानूनी धाराएं

मुंबई पुलिस ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रदर्शनकारियों को तुरंत हिरासत में लिया। खार पुलिस ने इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 189(2), 189(3), और 223 के साथ-साथ महाराष्ट्र पुलिस अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। हालांकि, कानूनी प्रक्रिया के तहत सभी हिरासत में लिए गए लोगों को नोटिस जारी कर रिहा कर दिया गया है। पुलिस फिलहाल मामले की आगे की जांच कर रही है और सीसीटीवी फुटेज के जरिए अन्य प्रदर्शनकारियों की पहचान की जा रही है।

हरभजन सिंह के घर पर भी प्रदर्शन

विरोध की यह लहर केवल मुंबई तक सीमित नहीं है। शनिवार (25 अप्रैल) को पंजाब के जालंधर में भी आप कार्यकर्ताओं ने क्रिकेटर से नेता बने हरभजन सिंह के घर के बाहर प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने हरभजन सिंह के घर के बाहर 'गद्दार' लिख दिया और जमकर नारेबाजी की। पार्टी के शीर्ष नेतृत्व का कहना है कि जनता का भरोसा तोड़ने वाले सांसदों को इसका जवाब देना होगा। आम आदमी पार्टी के भीतर आए इस बड़े भूचाल ने आने वाले चुनावों से पहले विपक्षी एकता और पार्टी की अंदरूनी मजबूती पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, बीजेपी में शामिल हुए सांसदों का कहना है कि उन्होंने देशहित और अपनी नैतिकता के चलते यह फैसला लिया है।

मुंबई में तड़के दर्दनाक हादसा सिग्नल तोड़कर बुजुर्ग को उड़ाया

• बाइक सवार युवक-युवती की भी गई जान

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

सपनों की नगरी मुंबई के सबसे प्रतिष्ठित और व्यस्त इलाकों में से एक, मरीन ड्राइव सोमवार की सुबह एक भीषण चीख-पुकार का गवाह बना। सुबह करीब 5:40 बजे एन. एस. रोड पर पारसी गेट के पास एक तेज रफ्तार स्पोर्ट्स बाइक ने सड़क पार कर रहे एक बुजुर्ग को जोरदार टक्कर मार दी। इस भयावह हादसे में बुजुर्ग पैदल यात्री और मोटरसाइकिल पर सवार एक युवक तथा एक युवती सहित कुल तीन लोगों की मौत हो गई है।

हादसे का घटनाक्रम और लापरवाही

पुलिस से मिली प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर एमएच-01 ईएल-6366 है, उत्तरी मार्ग की ओर बेहद तेज गति से जा रही थी। चश्मदीदों और पुलिसिया जांच के मुताबिक, बाइक सवार ने कथित तौर पर रेड सिग्नल को नजरअंदाज करते हुए उसे पार करने की कोशिश की। उसी समय एक बुजुर्ग व्यक्ति सड़क पार कर रहे थे। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बुजुर्ग ने मौके पर ही दम तोड़ दिया, जबकि बाइक सवार युवक-युवती सड़क पर काफी दूर तक घिसटते चले गए।

वीडियो में कैद हुआ तबाही का मंजर

सोशल मीडिया पर इस हादसे के बाद का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो में एक केटीएम ड्यूक मोटरसाइकिल फुटपाथ के पास बुरी तरह क्षतिग्रस्त हालत में पड़ी दिखाई दे रही है। मौके पर मौजूद अन्य दो दोपहिया वाहनों की हालत को देखकर यह भी अंदेशा लगाया जा रहा है कि यह कई वाहनों की आपस में हुई भिड़ंत हो सकती है। स्थानीय लोगों और पुलिस ने तुरंत सक्रियता दिखाते हुए तीनों घायलों को पास के जी.टी. अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें 'ब्रॉट डेड' (अस्पताल लाने से पहले मृत) घोषित कर दिया।

पुलिस जांच और ट्रैफिक व्यवस्था

हादसे के बाद कुछ समय के लिए मरीन ड्राइव के व्यस्त मार्ग पर यातायात बाधित रहा। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का मुआयना कर साक्ष्य जुटाए हैं और अब सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि घटना के सटीक क्रम का पता लगाया जा सके। पुलिस इस बात की भी जांच कर रही है कि क्या बाइक सवारों ने हेलमेट पहना था और क्या वे नशे की हालत में थे। अभी तक मृतकों की आधिकारिक पहचान उजागर नहीं की गई है, हालांकि पुलिस उनके परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। मरीन ड्राइव जैसे खुले रास्तों पर तड़के के समय अक्सर युवा स्टंटबाजी या ओवरस्पीडिंग करते देखे जाते हैं। स्थानीय निवासियों ने प्रशासन से ऐसे संवेदनशील मोड़ों पर कड़ी निगरानी और स्पीड गन लगाने की मांग फिर से दोहराई है।

महाराष्ट्र में जानलेवा गर्मी!

हीटस्ट्रोक से 9 महीने की बच्ची की गई जान, कई लोगों की मौत

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

महाराष्ट्र में अप्रैल की गर्मी जानलेवा हो गई है। राज्य के कई जिलों में भीषण गर्मी और तपिश पड़ रही है। महाराष्ट्र में इस साल अप्रैल का महीना लोगों के लिए तपन और जलन भरा है। विदर्भ से लेकर मध्य महाराष्ट्र तक तापमान ने कई साल के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। बढ़ती गर्मी के कारण लातूर जिले के औसा तालुका के गोंद्री गांव में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। लातूर में 9 महीने की मासूम बच्ची की हीट स्ट्रोक से मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि बच्ची कम ऊंचाई वाले टीन के घर में झूले में सो रही थी दोपहर के समय मां काम में व्यस्त थी, इसलिए बच्ची को झूले में सुला दिया था। इसी दौरान तेज गर्मी और उमस के कारण बच्ची का गला सूख गया और जीभ तालू से चिपकने से उसकी मौत हो गई।

गर्मी ने तोड़ा 5 साल का रिकॉर्ड

राज्य के अकोला में रविवार, 26 अप्रैल को इस सीजन का सबसे ज्यादा तापमान दर्ज किया गया। यहां पारा 46.9 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो पिछले पांच साल में अप्रैल महीने का सबसे अधिक तापमान है। हालांकि, पांच साल पहले अप्रैल में यहां 47.7 डिग्री का रिकॉर्ड दर्ज किया जा चुका है। मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल राज्य में शुष्क मौसम बना हुआ है और पश्चिमी विक्षोभ का असर धीरे-धीरे पूर्व की ओर बढ़ रहा है। इसके चलते विदर्भ में अगले दो दिनों तक लू जैसी स्थिति बने रहने का अनुमान है।

46 डिग्री तक पहुंचा कई जिलों का पारा

महाराष्ट्र के अन्य शहरों की बात करें तो अमरावती में 46.8, वर्धा में 46.4 और यवतमाल में 46 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। वहीं, नागपुर, चंद्रपुर और भंडारा में भी तापमान 44 से 45 डिग्री के आसपास बना हुआ है। मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में भी गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है। परभणी में 43.5, मालेगांव में 43.2 और सोलापुर में 43 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कोकण क्षेत्र की बात करें तो यहां तापमान अपेक्षाकृत कम है, लेकिन उमस ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। डहाणू में अधिकतम तापमान 37।4 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं मुंबई में सांताक्रूज केंद्र पर 33।8 और कुलाबा केंद्र पर 34।4 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। ठाणे, रायगढ़ और रत्नागिरी में भी नमी अधिक होने से गर्मी का असर ज्यादा महसूस हो रहा है।

कब मिलेगी गर्मी से राहत?

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, फिलहाल राज्य में प्रतिचक्रवाती स्थिति बनी हुई है, जिससे तापमान में बढ़ोतरी हो रही है। हालांकि अगले चार से पांच दिनों में इसके कमजोर पड़ने की संभावना है, जिससे तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आ सकती है। मौसम विभाग ने अकोला, अमरावती और वर्धा के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जबकि नागपुर, चंद्रपुर, भंडारा और बुलढाणा में येलो अलर्ट घोषित किया गया है। कुल मिलाकर, राज्य में फिलहाल भीषण गर्मी का दौर जारी है, और लोगों को अगले कुछ दिनों तक सावधानी बरतने की जरूरत है। राहत की उम्मीद जरूर है, लेकिन फिलहाल तपिश से राहत मिलती नजर नहीं आ रही है।

खेत में काम करते समय किसान की मौत

महाराष्ट्र के लातूर जिले के निलंगा के औराद शहाजणी में तापमान 42।8 डिग्री पार हो गया है। यहां लू के चलते एक किसान की मौत हो गई है। 60 वर्षीय लक्ष्मण दादाराव भंडारे खेत में काम कर रहे थे, तभी अचानक गिर पड़े और उनकी दुखद मृत्यु हो गई। यह महाराष्ट्र में हीट स्ट्रोक से तीसरी मौत है। पिछले 15 दिनों से इलाके का तापमान 40 डिग्री से ऊपर बना हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान 42.8 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है। शरीर को झुलसा देने वाली इस गर्मी में लक्ष्मण भंडारे खेत में काम कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें अचानक चक्कर आया और वे जमीन पर गिर पड़े। उन्हें तुरंत औराद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लेकिन हालत गंभीर होने के कारण आगे के इलाज के लिए निलंगा ले जाया जा रहा था, तभी रास्ते में ही उनका निधन हो गया।

बीएमसी ने खटारा वाहनों के खिलाफ अभियान तेज

10 हजार से ज्यादा स्क्रैप किए, अभियान जारी

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

शहर की सड़कों पर घटती जगह को वापस हासिल करने के लिए बीएमसी ने खटारा वाहनों के खिलाफ अपनी कार्रवाई तेज कर दी है। बीएमसी से मिली जानकारी के मुताबिक 15 अप्रैल तक पूरे मुंबई में 31,011 खटारा वाहन चिन्हित किए गए हैं। इनमें से 14,423 वाहनों को टो किया गया, जबकि 10,584 वाहनों को स्थायी रूप से स्क्रैप कर दिया गया है। यह हाल के वर्षों में चलाए गए सबसे बड़े सफाई अभियानों में से एक माना जा रहा है।

पश्चिमी उपनगरों में सबसे अधिक संख्या

पश्चिमी उपनगर इस समस्या से सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्र के रूप में सामने आए हैं, जहां कुल वाहनों का आधे से अधिक हिस्सा पाया गया। इस क्षेत्र में 16,498 वाहन चिन्हित किए गए, जो शहर के कुल आंकड़े का बड़ा हिस्सा है। कार्रवाई के तहत 314 नोटिस जारी किए गए और 10,930 वाहनों पर कार्रवाई तय की गई। इनमें से 6,734 वाहनों को हटाया गया और 4,971 को स्क्रैप किया गया। वहीं मुख्य शहर में 7,101 चिन्हित वाहनों में से 6,392 को नोटिस जारी किए गए, जो लगभग 90% की दर दशार्ता है। इसा क्षेत्र में 4,331 वाहन हटाए गए और 3,046 स्क्रैप के लिए भेजा गया।

पहले दिया जाता है नोटिस

यह कार्रवाई मुंबई नगर निगम अधिनियम की धारा 314 के तहत की जा रही है, जिसके अनुसार वाहन हटाने से पहले 48 घंटे या 7 दिन का नोटिस दिया जाता है। अब तक पूरे शहर में 23,015 नोटिस जारी किए जा चुके हैं। यह पहल 2018 में शुरू हुए ऑपरेशन खटारा से प्रेरित है, जिसने परित्यक्त वाहनों की समस्या को उजागर किया था। आज यह अभियान 26 हाइड्रोलिक टोइंग वैन के साथ पूरे शहर में चलाया जा रहा है।

ढोंगी बाबा अशोक खरात को बड़ा झटका

उरण में पत्नी के नाम हुआ करोड़ों का जमीन सौदा रद्द, नेताओं में मची खलबली

हिंदमाता नेटवर्क @ नाशिक

नाशिक के कुख्यात जालसाज और यौन उत्पीड़न के आरोपी अशोक खरात के साम्राज्य पर प्रशासन ने बड़ा प्रहार किया है। रायगढ़ जिले के उरण तहसीलदार डॉ. उद्धव कदम ने एक ऐतिहासिक फैसला सुनाते हुए खरात की पत्नी, कल्पना खरात के नाम पर किए गए विवादित भूमि सौदे को रद्द कर दिया है। करोड़ों रुपए के इस जमीन घोटाले के तार एस.आई.टी जांच से जुड़े हैं, जिसमें सरकारी भूखंडों को हड़पने वाले एक बड़े सिंडिकेट का खुलासा होने की उम्मीद है। यह मामला उरण के चांजे इलाके का है, जहां कल्पना खरात ने 20 गुंठा जमीन संदिग्ध तरीके से खरीदी थी। चौंकाने वाला तथ्य यह है कि जब 12 मार्च 2026 को इस जमीन का पंजीकरण हुआ, तब अशोक खरात पुलिस की गिरफ्त में था और उसकी पत्नी फरार चल रही थी। इसके बावजूद, सरकारी तंत्र के भीतर बैठे 'मददगारों' की बदौलत यह सौदा न केवल पूरा हुआ, बल्कि 13 अप्रैल 2026 को भूमि संशोधन की मंजूरी भी मिल गई।

3 करोड़ की जमीन, कागजों पर महज 58 लाख

जांच में सामने आया है कि इस 20 गुंठा जमीन का वास्तविक बाजार मूल्य 3 करोड़ रुपए से अधिक है, लेकिन दस्तावेजों में इसे केवल 58.50 लाख रुपए का दिखाया गया था। यह जमीन मूल रूप से करंजा फिशरमैन सिडको की है। खरात की योजना सिडको की 22.5 प्रतिशत रिफंड योजना का गलत लाभ उठाकर करोड़ों रुपए कमाने की थी। करंजा समुद्री पुल जैसे विकास कार्यों के कारण यहां जमीनों की कीमतें आसमान छू रही हैं, जिसका फायदा खरात उठाना चाहता था।

नेताओं और अधिकारियों में बढ़ी दहशत

उरण लैंड डील के रद्द होने से रायगढ़ जिले के राजनीतिक गलियारों और प्रशासनिक हल्कों में हड़कंप मच गया है। एस.आई.टी. को संदेह है कि खरात ने अपने राजनीतिक प्रभाव का इस्तेमाल कर कई गरीब किसानों की जमीनें हड़पी हैं। इस गिरोह में कई उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारी और सफेदपोश नेता भी शामिल हो सकते हैं। तहसीलदार द्वारा की गई इस सख्त कार्रवाई ने अब उन 'पर्दे के पीछे' के खिलाड़ियों की रातों की नींद उड़ा दी है जिन्होंने खरात के काले साम्राज्य को बढ़ाने में मदद की थी। रायगढ़ के नागरिक अब सवाल उठा रहे हैं कि क्या जिला बिक्री के लिए रखा गया है? जन आक्रोश को देखते हुए प्रशासन ने इस अवैध खरीद को रद्द कर दिया है और अब एस. आई.टी इस पूरे सिंडिकेट की गहराई से जांच कर रही है।

सुनेत्रा पवार की भूमिका पर टिकी नजरें!

क्या पिंपरी-चिंचवड़ में एनसीपी को मिलेगा विधान परिषद का 'बूस्टर डोज'?

हिंदमाता नेटवर्क @ पुणे

पुणे के पिंपरी-चिंचवड़ की राजनीति में आगामी विधान परिषद चुनावों को लेकर सरगर्मी तेज हो गई है। वर्तमान में शहर के राजनीतिक परिदृश्य पर भाजपा का दबदबा है, जहां उसके पास चार विधायक हैं। इसके विपरीत, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के पास केवल एक विधायक है। इस राजनीतिक असंतुलन को पाटने और विधानसभा चुनाव से पहले कार्यकर्ताओं में जोश भरने के लिए एनसीपी नेतृत्व अब विधान परिषद की खाली सीट पर पिंपरी-चिंचवाड़ के किसी कद्दावर चेहरे को मौका देने पर विचार कर रहा है। इस रेस में पार्टी के भीतर सुनेत्रा पवार की भूमिका को बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है। माना जा रहा है कि पार्टी नेतृत्व इस सीट का उपयोग पार्टी की पकड़ मजबूत करने के लिए एक 'बूस्टर डोज' के रूप में करेगा, विशेषकर भोसारी और चिंचवड़ क्षेत्रों में जहां भाजपा की पकड़ काफी मजबूत है।

विलास लांडे बनाम योगेश बहल

फिलहाल एनसीपी से चार प्रमुख नाम चर्चा में हैं, लेकिन असली मुकाबला पूर्व विधायक विलास लांडे और नगर अध्यक्ष योगेश बहल के बीच माना जा रहा है। विलास लांडे भोसारी के पहले विधायक रह चुके हैं और उनका जनसंपर्क काफी गहरा है। उनके समर्थकों का दावा है कि शहर में एनसीपी की खोई हुई जमीन वापस पाने के लिए लांडे का अनुभव अपरिहार्य है।

हल के समर्थकों की मांग

दूसरी ओर, योगेश बहल वर्तमान में नगर अध्यक्ष हैं और नगर निगम की राजनीति में उनका व्यापक अनुभव रहा है। पार्टी संगठन पर उनकी पकड़ और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी लोकप्रियता उन्हें एक मजबूत दावेदार बनाती है। बहल के समर्थकों की मांग है कि नगर अध्यक्ष के रूप में उनके कार्यों को पहचान मिलनी चाहिए और उन्हें विधान परिषद भेजा जाना चाहिए।

गावन्हे और नाना काटे भी रेस में शामिल

इन दो वरिष्ठ नेताओं के अलावा, आक्रामक नेतृत्व के लिए पहचाने जाने वाले पूर्व पार्षद अजीत गावन्हे और चिंचवाड़ उपचुनाव में भाजपा को कड़ी टक्कर देने वाले नाना काटे के नाम भी चर्चा में हैं। पार्टी के सामने चुनौती यह है कि किसे मौका दिया जाए जिससे शहर का राजनीतिक संतुलन बना रहे और आगामी चुनावों में भाजपा के 'प्रभुत्व' को प्रभावी ढंग से चुनौती दी जा सके। अब सबकी निगाहें सुनेत्रा पवार और पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर टिकी हैं कि वे भोसारी और चिंचवड़ के राजनीतिक समीकरणों को साधने के लिए किसकी 'माला' गले में डालते हैं।

अमरावती में फ्लाईओवर प्रोजेक्ट्स बने सिरदर्द

हिंदमोता नेटवर्क @ पुणे

विगत कई दिनों या कहे तो सालों से शहर में नवनिर्मित उड़ान पुलों का कार्य शुरू है। लेकिन अभी तक कार्यों को युध्द स्तर पर शुरू नहीं किए जाने से आम नागरिकों सहित यहां का व्यापार व लाइफ लाइन सबसे ज्यादा प्रभावित हो रही है। बता दें कि शहर के चित्रा-वलगांव रोड स्थित पर बनने वाले बहुप्रतीक्षित उड़ान पुल का कार्य विगत कई वर्षों से शुरू है। इसका कार्य एक दशक से शुरू है ऐसा कहने में भी कोई हर्ज नहीं होगा। इस अति व्यस्तम मार्ग में बनने वाले पुल को शहर की बडबोली राजनीति की बुरी नजर लग गई ऐसा कहना भी कोई गलत नहीं होगा। लेकिन उड़ान पुल का निर्माण कार्य इतनी कच्छप गति से चल रहा है कि हर किसी ने अब इसके पूर्ण होने की उम्मीद छोड़ दी है। चित्रा-वलगांव रोड उड़ान पुल के निर्माण कार्य को क्यों देरी हो रही है, यह सोचने के लिए शहरवासी मजबूर हैं।

मुंबई में नया फ्लाईओवर प्रोजेक्ट

220 करोड़ की योजना से 25 मिनट कम होगा सफर

हिंदमाता संवाददाता @ मुंबई

बीएमसी ने माहिम और बांद्रा के बीच 1.3 किलोमीटर लंबा फ्लाईओवर बनाने की योजना तैयार की है, जिससे वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे और माहिम कॉजवे पर होने वाले ट्रैफिक जाम को कम किया जा सके। इस परियोजना की अनुमानित लागत 220 करोड़ रुपए है। यह फ्लाईओवर मीठी नदी के ऊपर से गुजरेगा और उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर पर यात्रा समय को लगभग 20-25 मिनट तक कम करने में मदद करेगा। बांद्रा के पश्चिमी हिस्से में सफर करने वाले यात्रियों के लिए फिलहाल केवल दो उत्तर-दक्षिण मार्ग उपलब्ध हैं।

माहिम कॉजवे और बांद्रा वर्ली सी लिंक का टोल रोड

इन मार्गों पर भारी ट्रैफिक जाम की समस्या रहती है। इस समस्या को दूर करने के लिए बीएमसी तीसरा कनेक्टिविटी मार्ग बनाने की योजना पर काम कर रही है। यह परियोजना पहली बार वर्ष 2022 में प्रस्तावित की गई थी, लेकिन दो बार टेंडर प्रक्रिया के बावजूद ठेकेदारों की कमी के कारण काम शुरू नहीं हो सका। अब तीसरी बार बीएमसी ने निविदा आमंत्रित की है और उम्मीद जताई जा रही है कि इस बार परियोजना को गति मिलेगी। करीब 1 से 1.5 किलोमीटर लंबा यह फ्लाईओवर माहिम के सेनापति बापट मार्ग को बांद्रा ईस्ट के कलानगर फ्लाईओवर से जोड़ेगा। यह संरचना मीठी नदी के ऊपर से गुजरेगी, जिससे इस क्षेत्र में यातायात का दबाव कम होने की उम्मीद है।

कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएगा फ्लाईओवर

माहिम और बांद्रा के बीच का यह मार्ग लंबे समय से ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रहा है, खासकर पीक आवर्स में यहां वाहनों की लंबी कतारें लग जाती हैं। फ्लाईओवर बनने के बाद माहिम, बांद्रा, दादर, खार और सांताक्रूज जैसे इलाकों में यातायात सुगम होगा। अधिकारियों के अनुसार, इस मार्ग पर यात्रा करने वाले लोगों का समय 20 से 30 मिनट तक कम हो सकता है। साथ ही यह फ्लाईओवर वेस्टर्न एक्सप्रेस हाईवे, एस ।वी। रोड और बांद्रा-वर्ली सी लिंक से कनेक्टिविटी को भी बेहतर बनाएगा।

संभाजीनगर में बढ़ते अपराध पर सख्ती

हिंदमाता नेटवर्क @ संभाजीनगर

छत्रपति संभाजीनगर शहर में बढ़ती गुंडागर्दी और संगठित अपराध पर नियंत्रण के लिए जल्द ही विशेष एक्शन प्लान तैयार किया जाएगा। यह जानकारी राज्य के सामाजिक न्याय मंत्री तथा जिले के पालकमंत्री संजय शिरसाट ने दी। रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने शहर की बिगडती कानून व्यवस्था पर चिंता व्यक्त की। पालकमंत्री शिरसाट ने कहा कि पिछले एक महीने में शहर में चार से पांच हत्याएं हुई हैं। इसके अलावा ड्रग्स का प्रभाव भी तेजी से बढ़ रहा है। शहर के विभिन्न इलाकों में संगठित अपराध फैलता नजर आ रहा है। खासकर पुंडलिक नगर थाना क्षेत्र में रोज नए अपराध सामने आ रहे हैं।

भिवंडी निजामपूर शहर महानगरपालिका, भिवंडी

पाणी पुरवठा विभाग

ई - निवीदा सुचना क्रमांक -०२ (पहिल्यांदा प्रसिध्दी) सन २०२६-२७

जा.क्र./ज.सं.वि./४८४ दि. २८/०४/२०२६

खालील काम करण्याकरीता सक्षम व अनुभवी ठेकेदारांकडून ई-निविदा मागविण्यात येत आहे.

अ.क्र.	कामाचा स्वरुप	अंदाजित खर्च	निविदा फॉर्म फी	निविदा विक्री व स्विकारण्याची अंतिम दिनांक
१	भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका कार्यक्षेत्रातील चाविंद्रा नाशिक रोड या मुख्य रस्त्यात असलेले ममता जलकुंभ ते झिडान टॉवर पर्यंत १५० मीमी व्यासाची टाकणे. सन २०२६-२७ या.	रु.५,०६,०५१/-	रु. २३६०/-	दि. २८/०४/२०२६ ते दि. ०५/०५/२०२६

सदर निविदा बाबतची माहिती मनपा संकेतस्थळावर attp://maaatenders.gov.in वर दिनांक २८/०४/२०२६ पासुन उपलब्ध आहे.

सही/-
प्र.कार्यकारी अभियंता,
पाणी पुरवठा विभाग
भिवंडी नि. शहर महानगरपालिका, भिवंडी.

हिंदमाता एंकर: कर्ज के दलदल में फंसकर किसान चुन रहे मौत, 25 दिन में 18 ने गंवाई जान

महाराष्ट्र का सुसाइड हब बना यवतमाल

हिंदमाता नेटवर्क @ यवतमाल

यवतमाल जिले से एक बार फिर रोंगटे खड़े कर देने वाली खबर सामने आ रही है। किसानों की आत्महत्याओं के लिए कुख्यात इस जिले में संकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले 72 घंटों के भीतर मारेगांव तहसील में 3 किसानों ने मौत को गले लगा लिया है। सरकारी आंकड़ों पर नजर डालें तो 1 से 25 अप्रैल 2026 के बीच कुल 18 किसान अपनी जीवनलीला समाप्त कर चुके हैं। लगातार फसलों की बबार्दी, कर्ज का बढ़ता बोझ और कृषि नीतियों की खामियों को इस गंभीर स्थिति का मुख्य कारण बताया जा रहा है। यतवमाल जिला प्रशासन के अनुसार आत्महत्या करने वाले किसानों में कैलास गाडगे (पार्डी), विलास मेश्राम (सुरला) और युवा किसान अविनाश पानघाटे (गोरज) शामिल हैं। वर्ष 2026 में अब तक सरकारी आंकड़ों के मुताबिक जिले में 64 किसानों ने फसलों की बबार्दी और कर्जबाजारी के कारण आत्महत्या की है। राज्य और देश में किसान आत्महत्याओं के लिए कुख्यात इस जिले में मुख्य रूप से कपास, सोयाबीन और तूर की खेती की जाती है। खरीफ सीजन पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहता है।

तिवरी परिसर में कुएं में मिला किसान का शव

यवतमाल जिले के उमरखेड़ तहसील के तिवरी परिसर में एक किसान द्वारा मानसिक तनाव के चलते कुएं में कूदकर आत्महत्या करने की घटना 23 अप्रैल की दोपहर सामने आई है। इस घटना से पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है। मृतक किसान का नाम प्रभाकर पुंजाराम खंदारे (उम्र 62 वर्ष, निवासी तिवरी) बताया गया है। जानकारी के अनुसार, वे 20 अप्रैल की सुबह करीब 9 बजे यह कहकर घर से निकले थे कि उमरखेड़ जा रहा हूं, लेकिन वापस नहीं लौटे। इसके बाद उनके बेटे मिलिंद प्रभाकर खंदारे ने उमरखेड पुलिस थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। 23 अप्रैल को दोपहर करीब 1 बजे एक रिश्तेदार ने फोन कर सूचना दी कि खेत के कुएं में एक शव तैरता हुआ दिखाई दे रहा है। सूचना मिलते ही मिलिंद खंदारे तुरंत तिवरी पहुंचे। कुएं के पास उन्हें अपने पिता की चप्पल दिखाई दी, जिससे उन्होंने शव की पहचान अपने पिता के रूप में की। घटना की जानकारी मिलते ही ग्राम पुलिस पाटील व पुलिस टीम मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से रस्सी के सहारे शव को कुएं से बाहर निकाला गया। इसके बाद ग्रामीण अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच कर प्रभाकर खंदारे को मृत घोषित कर दिया। मौके पर ही पंचनामा और प्राथमिक पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी की गई। प्राथमिक जानकारी के अनुसार, प्रभाकर खंदारे पर खेती का कर्ज था और वे लंबे समय से मानसिक तनाव में थे। साथ ही उनका मानसिक बीमारी का इलाज भी चल रहा था। इसी तनाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज कर लिया है। आगे की जांच पुलिस निरीक्षक शंकर पांचाल के मार्गदर्शन में बीट जमादार दिलीप चव्हाण द्वारा की जा रही है। इस घटना से तिवरी क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है, वहीं किसानों पर बढ़ते आर्थिक और मानसिक दबाव का मुद्दा एक बार फिर सामने आया है।

क्यों टूट रही है अन्नदाता की हिम्मत?

बीते कुछ वर्षों से मौसम की अनिश्चितता और लगातार बारिश के कारण फसलें बर्बाद हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा किसानों को फसल ऋण के लिए भटकना पड़ रहा है। गुणवत्तापूर्ण बीज, कीटनाशक और खाद की कमी, फसलों को उचित समर्थन मूल्य न मिलना तथा फसल बीमा का अपेक्षित लाभ न मिलना जैसी समस्याएं किसानों को लगातार परेशान कर रही हैं। बढ़ते कर्ज और नुकसान के कारण किसान मानसिक तनाव में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठा रहे हैं।

64 किसान आत्महत्याएं दर्ज

जनवरी से अप्रैल 2026 के बीच यवतमाल जिले में 64 किसानों की आत्महत्या दर्ज की गई है। इसके अलावा 24 भूमिहीन किसानों ने भी आत्महत्या की, लेकिन उनके नाम आधिकारिक आंकड़ों में शामिल नहीं किए गए हैं। लगातार बारिश के कारण फसलों को भारी नुकसान हुआ। सरकार ने दो बार मुआवजा दिया, लेकिन यह पर्याप्त नहीं रहा। किसानों का आरोप है कि सिर्फ 50% को ही बैंक से फसल ऋण मिला, जबकि साहूकारों और माइक्रो फाइनेंस समूहों द्वारा शोषण बढ़ा है। खेती की लागत दोगुनी हो चुकी है, जबकि सरकारी सहायता बेहद कम है।

विचार प्रवाह

कभी संशय न करो कि विचारशील, प्रतिबद्ध नागरिकों का एक छोटा सा समूह दुनिया बदल सकता है, दरअसल, केवल यही है जिसने कभी कुछ बदला है।

– मार्गरेट मीड

संपादकीय

घर से शुरू हुई नशे के खिलाफ जंग

नशाखोरी आज सिर्फ एक व्यक्तिगत बुराई नहीं, बल्कि समाज की जड़ों को खोखला करने वाली गंभीर समस्या बन चुकी है। आमतौर पर जब किसी क्षेत्र को नशे के कारण 'रेड जोन' घोषित किया जाता है, तो यह कदम प्रशासन या पुलिस की ओर से उठाया जाता है। लेकिन शिमला के कुछ इलाकों में इस चेतावनी का स्वरूप अलग है-यहां यह पहल उन महिलाओं ने की है, जो अपने परिवार और समाज को नशे के दुष्चक्र से बचाने के लिए स्वयं आगे आई हैं। यह बदलाव इस बात का संकेत है कि अब समाज का एक वर्ग समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए खुद जिम्मेदारी उठाने लगा है। दरअसल, नशे का सबसे अधिक असर महिलाओं पर ही पड़ता है। चाहे पति की लत हो या बेटे की, उसके दुष्परिणाम महिलाओं को मानसिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से झेलने पड़ते हैं। परिवार का टूटना, आर्थिक संकट, घरेलू हिंसा और सामाजिक अपमान-ये सभी दर्द अक्सर महिलाओं के हिस्से में ही आते हैं। यही वजह है कि अब वे चुप बैठने के बजाय इस बुराई के खिलाफ खुलकर सामने आ रही हैं और संघर्ष की अगुवाई कर रही हैं। महिलाओं के नेतृत्व में शुरू हुआ यह अभियान केवल विरोध तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें संगठित और व्यावहारिक प्रयास भी शामिल हैं। कई जगहों पर सतर्कता समूह बनाए गए हैं, जो नशे के कारोबार और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखते हैं। रात में गश्त करना, संदिग्ध लोगों की जानकारी जुटाना और जरूरत पड़ने पर पुलिस को सूचित करना-ये सभी कदम इस अभियान को मजबूत बना रहे हैं। इसके साथ ही, नशे के शिकार लोगों को नशामुक्ति केंद्रों तक पहुंचाने का प्रयास भी किया जा रहा है, जो इस पहल का मानवीय और संवेदनशील पक्ष दर्शाता है। महिलाओं की एक खास विशेषता यह है कि वे परिवार के सदस्यों के व्यवहार में होने वाले छोटे-छोटे बदलावों को भी जल्दी पहचान लेती हैं। नशे की शुरूआत अक्सर धीरे-धीरे होती है, लेकिन इसके संकेत समय रहते समझ लिए जाएं, तो बड़ी त्रासदी को टाला जा सकता है। महिलाएं अपने अनुभव और संवेदनशीलता के आधार पर नशे की लत में फंसे लोगों की पहचान पहले ही कर लेती हैं। यही कारण है कि उनका यह अभियान जमीनी स्तर पर प्रभावी साबित हो सकता है। हालांकि, यह भी सच है कि केवल पुलिस कार्रवाई से नशे की समस्या का पूर्ण समाधान संभव नहीं है। छापेमारी और गिरफ्तारियां नशे की आपूर्ति को कुछ हद तक रोक सकती हैं, लेकिन उससे टूटते परिवारों को नहीं बचाया जा सकता। नशाखोरी एक सामाजिक समस्या है, जिसके पीछे बेरोजगारी, मानसिक तनाव, सामाजिक दबाव और गलत संगत जैसे कई कारण होते हैं। इसलिए इसका समाधान भी सामाजिक स्तर पर ही खोजा जाना चाहिए। इसी संदर्भ में हिमाचल सरकार द्वारा चलाई जा रही 'चिट्टा विरोधी पदयात्रा' और महिला मंडलों की सक्रिय भूमिका सराहनीय है। यह पहल न केवल जागरूकता बढ़ा रही है, बल्कि समाज को एकजुट कर इस समस्या के खिलाफ लड़ने की प्रेरणा भी दे रही है। हालांकि, इस तरह के अभियानों को सफल बनाने के लिए संस्थागत समर्थन भी उतना ही जरूरी है। नशे के कारोबार में अक्सर संगठित गिरोह शामिल होते हैं, जिनसे मुकाबला करना आसान नहीं होता। ऐसे में इनसे टकराने वाली महिलाओं को धमकियों और जोखिमों का सामना भी करना पड़ सकता है। इसलिए जरूरी है कि पुलिस प्रशासन सक्रिय भूमिका निभाए, गवाहों को सुरक्षा प्रदान करे और नशा मुक्ति के लिए बेहतर पुनर्वास सुविधाएं उपलब्ध कराए। साथ ही, निरंतर जागरूकता अभियान चलाकर समाज को इस खतरे के प्रति सचेत रखना भी बेहद जरूरी है। हिमाचल में शुरू हुई यह पहल अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणास्रोत बन सकती है। खासकर पंजाब जैसे राज्यों में, जहां नशे की समस्या गंभीर रूप ले चुकी है, वहां इस मॉडल को अपनाने की आवश्यकता है। यदि समाज का हर वर्ग, विशेषकर महिलाएं, इसी तरह आगे आकर जिम्मेदारी निभाएं, तो नशे के खिलाफ यह लड़ाई जरूर सफल हो सकती है। यह एक ऐसा संघर्ष है, जो घर से शुरू होकर पूरे समाज को सुरक्षित और स्वस्थ बनाने की दिशा में निर्णायक कदम साबित हो सकता है।

आज का इतिहास

■ 1945 - इटली के देशभक्त सैनिकों द्वारा तानाशाह मुसोलिनी एवं उनकी पत्नी (रखैल) की गोली मारकर हत्या।

■ 1999 - अमेरिकी वैज्ञानिक डाक्टर रिचर्ड सीड द्वारा एक वर्ष के अंदर मानव क्लोन बनाने की घोषणा, विश्वभर में हजारों कम्प्यूटरों को चेर्नोबिल वायरस ने ठप्प किया।

■ 2001 - पहला अंतरिक्ष सैलानी टेनिस टीटो अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना।

■ 2002 - बुकर पुरस्कार का नया नाम 'मैन बुकर प्राइज फॉर फि क्शन' रखा गया, पाकिस्तान की सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रपति परवेज मुशर्रफ के जनमत संग्रह को वैध करार दिया।

■ 2004 - थाबोम्बेकी ने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति पद की शपथ ली। थाइलैंड में पुलिस चौकी पर हमले में 122 लोगों की मृत्यु।

■ 2008 -भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरों) ने पीएसएलवी-सी9 के साथ 10 सैटेलाइट एक साथ छोड़कर एक नया इतिहास रचा। मलेशिया में भारतीय मूल के दस सांसदों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली। पाकिस्तान की प्रधानमंत्री रहीं बेनजीर भुट्टो को मरणोपरान्त प्रतिष्ठित टिपरी इंटरनेशनल पुरस्कार प्रदान किया गया।

■ 1981 - अनुप्रिया पटेल - भारत की सत्रहवीं लोकसभा की सांसद व नरेंद्र मोदी सरकार की सबसे युवा मंत्री हैं।

■ 1940 - समीर रंजन बर्मन - भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के राजनेता थे।

■ 1929 - भानु अथैया - भारतीय फिल्मों की प्रसिद्ध ड्रेस डिजाइनर।

■ 1791 - हरि सिंह नलवा - महाराजा रणजीत सिंह के सेनाध्यक्ष।

■ 1924 - केनेथ कौंडा - जाम्बिया के पहले राष्ट्रपति थे।

■ 1897 - ये जियानयिंग - चीन में सेना प्रमुख के अध्यक्ष थे।

■ 2022 - सलीम गौस - बॉलीवुड, दक्षिण भारतीय और अंग्रेजी फिल्मों में अभिनय करने वाले, टेलीविजन और फिल्म अभिनेता थे।

■ 1992 - विनायक कृष्ण गोकाक - 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' से सम्मानित कन्नड़ भाषा के प्रमुख साहित्यकारों में से एक।

■ 1955 - टी. वी. सुन्दरम अयंगर - भारतीय उद्योगपति और ऑटोमोबाइल क्षेत्र के अग्रणी उद्यमी थे।

■ 1740-बाजीराव प्रथम, मराठा साम्राज्य का महान सेनानायक था। मस्तानी - बाजीराव प्रथम की दूसरी पत्नी थी।

■ 1719 - फर्रुखसियर - मुगल वंश के अजीमुश्शान का पुत्र था।

‘वसुधैव कुटुंबकम’ बनाम संकीर्ण सोच

अमेरिका में प्रवासियों की भूमिका पर विवाद और भारतीय दृष्टि की व्यापकता

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिका के रेडियो होस्ट और लेखक माइकल सेवेज अपने एक आपत्तिजनक बयान के कारण अचानक वैश्विक चर्चा का विषय बन गए हैं। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा सोशल मीडिया पर साझा किए गए इस बयान में भारत और चीन जैसे देशों को 'नरक' कहा गया। इस टिप्पणी ने न केवल दोनों देशों में, बल्कि पूरी दुनिया में तीखी प्रतिक्रिया पैदा की और नस्लीय मानसिकता पर गंभीर सवाल खड़े किए। माइकल सेवेज पहले भी अपने विवादित बयानों के कारण चर्चा में रहे हैं। वर्ष 2003 में एक रेडियो कार्यक्रम के दौरान उन्होंने एक कॉलर से कहा था कि 'तुम्हें एड्स होगा और तुम मर जाओगे।' इस घटना के बाद उनका कार्यक्रम रद्द कर दिया गया और उन्हें नौकरी से निकाल दिया गया। बाहरी लोगों के प्रति उनका विरोध और कटुता लंबे समय से जगजाहिर है। उनके हालिया बयान में भी यही झलकता है, जहां उन्होंने कहा कि अमेरिका में बाहर से आने वाले लोग देश की पहचान बदल रहे हैं और अंग्रेजी भाषा तक पीछे छूट रही है।

ट्रंप की भूमिका पर उठे सवाल

सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि डोनाल्ड ट्रंप ने ऐसे व्यक्ति के बयान को अपने सोशल मीडिया मंच पर क्यों साझा किया। इसके पीछे उनकी मंशा क्या थी, यह स्पष्ट नहीं है। हालांकि, अमेरिका के भीतर ही इस कदम की आलोचना हुई। कई सांसदों और राजनीतिक विश्लेषकों ने इसे राष्ट्रपति पद की गरिमा के विपरीत और नस्लीय टिप्पणी को बढ़ावा देने वाला बताया। यहां तक कि ट्रंप के समर्थकों ने भी इस पर आश्चर्य जताया।

कूटनीतिक संतुलन की कोशिश

स्थिति को संभालने के लिए भारत स्थित अमेरिकी दूतावास के प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि ट्रंप भारत को एक महान देश मानते हैं और भारतीय नेतृत्व के साथ उनके घनिष्ठ संबंध हैं। यह बयान भारत-अमेरिका संबंधों को संतुलित बनाए रखने की कोशिश के रूप में देखा गया। हालांकि, यह सवाल बना रहा कि क्या यह सफाई उस मूल टिप्पणी के प्रभाव को कम कर पाई।

भारत और चीन की संयमित प्रतिक्रिया

भारत और चीन, दोनों ने इस विवाद पर संयमित प्रतिक्रिया दी। भारत सरकार ने कहा कि इस तरह की टिप्पणी अनुचित है और यह दोनों देशों के वास्तविक संबंधों को प्रतिबिंबित नहीं करती। वहीं, चीन ने भी गरिमापूर्ण भाषा का इस्तेमाल करते हुए कहा कि 'वायरल शब्द फीके पड़ जाते हैं, लेकिन वास्तविक मित्रता कायम रहती है।' यह दर्शाता है कि दोनों देशों ने भावनात्मक प्रतिक्रिया देने के बजाय कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा।

अगर प्रवासी अमेरिका छोड़ दें तो?

अब एक महत्वपूर्ण सवाल उठता है-यदि अमेरिका से सभी प्रवासी बाहर चले जाएं, तो उस देश की स्थिति क्या होगी? अमेरिका की कुल आबादी लगभग 35 करोड़ है, जिसमें करीब 5 करोड़ लोग बाहर से आए हुए हैं। यानी हर सात में से एक व्यक्ति प्रवासी है। यदि इन्हें हटा दिया जाए, तो आबादी घटकर लगभग 30 करोड़ रह जाएगी, जिससे सामाजिक और आर्थिक ढांचा प्रभावित होगा।

अर्थव्यवस्था पर गंभीर असर

अमेरिका की अर्थव्यवस्था में प्रवासियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। वहां के श्रमबल का बड़ा हिस्सा प्रवासियों पर निर्भर है। कृषि क्षेत्र में लगभग 70 प्रतिशत मजदूर प्रवासी हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में भी उनकी हिस्सेदारी करीब 19 प्रतिशत है। जन्मदर में गिरावट और वृद्ध जनसंख्या में वृद्धि के कारण भविष्य में अमेरिका को श्रमिकों की और अधिक आवश्यकता होगी। ऐसे में प्रवासियों की अनुपस्थिति आर्थिक संकट को जन्म दे सकती है।

तकनीक और उद्योग में प्रवासियों का योगदान

अमेरिका की तकनीकी और औद्योगिक प्रगति में भी प्रवासियों का बड़ा योगदान है। सिलिकॉन वैली, जो तकनीकी नवाचार का केंद्र है, वहां भारतीयों की भूमिका विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। एप्पल जैसी दिग्गज कंपनी के संस्थापक स्टीव जॉब्स भी एक प्रवासी पृष्ठभूमि से जुड़े थे। अमेरिका की शीर्ष 500 कंपनियों में लगभग 45 प्रतिशत कंपनियां प्रवासियों या उनके बच्चों द्वारा स्थापित की गई हैं। यही नहीं, एक अरब डॉलर से अधिक मूल्य वाले 55 प्रतिशत स्टार्टअप भी प्रवासियों की देन हैं।

भारतीयों का आर्थिक योगदान

अमेरिका में रहने वाले भारतीय भी वहां की अर्थव्यवस्था में बड़ा योगदान देते हैं। वे हर साल लगभग 250 से 300 अरब डॉलर तक कर के रूप में भुगतान करते हैं, जो अमेरिका के कुल कर राजस्व का लगभग 5 से 6 प्रतिशत है। यह आंकड़ा स्पष्ट करता है कि प्रवासी केवल श्रम ही नहीं, बल्कि आर्थिक मजबूती के भी प्रमुख आधार हैं।

संकीर्ण सोच बनाम भारतीय दर्शन

माइकल सेवेज जैसे लोग जब भारत जैसे देश को 'नरक' कहते हैं, तो यह उनकी संकीर्ण और विकृत सोच को दर्शाता है। ऐसे लोग दुनिया के हर हिस्से में मौजूद हैं, लेकिन उनके विचारों को अधिक महत्व देना उचित नहीं है। भारतीय संस्कृति 'वसुधैव कुटुंबकम'-अर्थात पूरी दुनिया एक परिवार है-के सिद्धांत पर आधारित है। यही सोच हमें ऐसे विवादों से ऊपर उठकर व्यापक दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा देती है।

सह-अस्तित्व ही भविष्य का मार्ग

यह पूरा विवाद हमें यह सोचने पर मजबूर करता है कि आधुनिक विश्व में सह-अस्तित्व और पारस्परिक सम्मान कितना आवश्यक है। प्रवासियों को नकारना न केवल अमानवीय है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी अव्यावहारिक है। भारत की समावेशी सोच आज के वैश्विक समाज के लिए एक महत्वपूर्ण संदेश देती है—विविधता में ही शक्ति है, और इसी में मानवता का भविष्य सुरक्षित है।

आंखनदेखी

ट्रेविथिक डे के अवसर पर आयोजित 'परेड ऑफ स्टीम' में छोटे-छोटे भाप इंजन आकर्षण का केंद्र बने। हर साल अप्रैल के अंतिम शनिवार को मनाया जाने वाला यह सामुदायिक उत्सव महान इंजीनियर रिचर्ड ट्रेविथिक की विरासत और उनके योगदान को सम्मान देने के लिए आयोजित किया जाता है।

‘आप’ पर-भाव का अंत!

● केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका और जनता की चयनात्मक नैतिकता पर तीखा सवाल

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

सूखा या आर्थिक संकट के समय जब मनुष्य लंबे समय तक भोजन-पानी से वंचित रहता है, तो उसमें असाधारण भूख पैदा होती है। उस समय वह यह नहीं सोचता कि वह शाकाहारी है या मांसाहारी-जो सामने मिले, वही खा लेता है। कुछ ऐसी ही स्थिति आज केंद्र की सत्ताधारी पार्टी की दिखाई देती है। फर्क सिर्फ इतना है कि यहां भूख भोजन की नहीं, सत्ता की है। लगातार सत्ता का स्वाद चखने वालों में भी एक अलग तरह की 'भूख' विकसित हो जाती है, जिसे कभी खत्म नहीं होती। आयुर्वेद की भाषा में इसे 'भस्मक रोग' कहा जाता था-जिसमें व्यक्ति को लगातार खाने की इच्छा बनी रहती है। आम आदमी पार्टी के नेताओं-विशेषकर राघव चड्ढा-को जिस तरह अपने पाले में लाने की कोशिश हुई, वह इस 'अतृप्त सत्ता-भूख' का उदाहरण माना जा सकता है। जब किसी को यह विश्वास हो जाता है कि वह कुछ भी पचा सकता है, तब वह आवश्यकता से अधिक भी निगलने से नहीं हिचकता। आज सत्ता में बैठे दल की स्थिति कुछ ऐसी ही प्रतीत होती है-पेट भरा होने के बावजूद नए 'थाल' पर बैठने में संकोच नहीं।

'आप' की भी जिम्मेदारी कम नहीं

हालांकि, यह कहना भी गलत नहीं होगा कि अन्याय करने वाला ही नहीं, बल्कि उसे सहने वाला भी उतना ही दोषी होता है। 'आप' के संदर्भ में भी यह बात लागू होती है। यह मानना भ्रम होगा कि इस पार्टी में सब कुछ आदर्श और नैतिक था। अन्य दलों की तरह इसमें भी अवसरवाद और आंतरिक विरोधाभास मौजूद रहे हैं। नेतृत्व भी किसी ऊंचे नैतिक आदर्श का प्रतीक नहीं रहा।

लोकतंत्र में संघर्ष का सही तरीका

लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल को अपने प्रतिद्वंद्वी को हराने का रास्ता चुनावी मैदान से होकर ही जाना चाहिए। यह अपेक्षा की जाती है कि न्यायपालिका, चुनाव आयोग और अन्य संस्थाएं निष्पक्ष रहें। यदि सत्ताधारी दल अपने विरोधियों को चुनाव में हराता, तो यह उसकी 'विश्व की सबसे बड़ी पार्टी' वाली छवि के अनुरूप होता। लेकिन इसके बजाय छोटे-छोटे राजनीतिक खेलों में उलझना उस दावे को कमजोर करता है।

केंद्रीय एजेंसियों की भूमिका पर सवाल

राजनीतिक घटनाक्रम में एक पैटर्न साफ दिखता है—पहले किसी विपक्षी नेता पर जांच एजेंसियों की कार्रवाई शुरू होती है, फिर राजनीतिक समीकरण बदलते हैं और अंततः दल में टूट होती है। यह महज संयोग नहीं माना जा सकता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) जैसी एजेंसियों की भूमिका को लेकर बार-बार सवाल उठते रहे हैं। इस बार भी 'आप' इसका शिकार बनी, लेकिन यह तरीका किसी एक पार्टी तक सीमित नहीं है।

रणनीति या राजनीतिक 'दरोड़ा'?

इस पूरे घटनाक्रम में सत्ताधारी दल की रणनीति को केवल 'राजनीतिक कौशल' कहना पर्याप्त नहीं होगा। यह एक साधारण राजनीतिक चाल से आगे बढ़कर सुनियोजित 'दरोड़े' जैसा प्रतीत होता है-जहां केवल एक नेता नहीं, बल्कि पूरे दल को कमजोर करने की कोशिश की जाती है। इस तरह के प्रयासों में असफलता की संभावना भी कम होती है, क्योंकि विरोध करने की क्षमता रखने वाले संस्थान या समूह लगभग अनुपस्थित दिखते हैं।

जनता की चुप्पी: असली हार

सबसे बड़ी चिंता यह है कि जनता इसे अपनी हार के रूप में नहीं देखती। यह केवल 'आप' की हार नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की पराजय है। जब जनता को ही अपने अधिकारों और लोकतंत्र के महत्व का बोध नहीं होता, तब ऐसी घटनाएं स्वाभाविक बन जाती हैं। अगर 'लोक' ही जागरूक न हो, तो 'लोकतंत्र' का क्षरण तय है।

चयनात्मक नैतिकता का खतरा

आज समाज में चयनात्मक नैतिकता तेजी से बढ़ रही है। जब विपक्षी दल के साथ कुछ होता है, तो लोग कहते हैं—'अच्छा हुआ, सबक मिला।' लेकिन वही घटना यदि सत्ताधारी दल के साथ हो, तो वही लोग आक्रोशित हो उठते हैं। यह दोहरा मापदंड लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। 'अपना आदमी सही, बाकी सब गलत' की मानसिकता से निष्पक्षता समाप्त हो

राजनीतिक नैतिकता की नई परिभाषा

विडंबना यह है कि जो नेता कल तक एक-दूसरे को भ्रष्ट और अपराधी कहते थे, आज वही साथ खड़े दिखाई देते हैं। यदि ऐसे गठजोड़ बिना किसी संकोच के स्वीकार किए जाते हैं, तो 'भ्रष्टाचार' के साथ-साथ 'राजनीतिक नैतिकता' की परिभाषा भी बदलनी पड़ेगी। यह स्थिति केवल नेताओं की नहीं, बल्कि उन्हें स्वीकार करने वाले समाज की भी जिम्मेदारी है।

'आप'परभाव खत्म करने की घोषणा?

यदि यही प्रवृत्ति जारी रही, तो वह दिन दूर नहीं जब राजनीतिक दल खुलेआम यह घोषणा कर देंगे कि उनके लिए 'अपना' और 'पराया' जैसा कोई भेद नहीं है—जो भी आएगा, वह 'अपना' ही होगा। गांव की चौपाल की तरह हर कोई आकर बैठ सकेगा। ऐसे में चुनाव जैसी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं का महत्व भी धीरे-धीरे समाप्त हो सकता है।

लोकतंत्र के लिए चेतावनी

यह पूरा घटनाक्रम केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि लोकतंत्र के लिए गंभीर चेतावनी है। यदि सत्ता की भूख, संस्थाओं का दुरुपयोग और जनता की चुप्पी इसी तरह जारी रही, तो लोकतंत्र का स्वरूप ही बदल जाएगा। अब सवाल यह नहीं है कि कौन जीत रहा है और कौन हार रहा है—सवाल यह है कि क्या लोकतंत्र खुद बचा रहेगा?

प्रेरक प्रसंग

अंजान व्यक्ति से मित्रता

किसी नगर में विष्णु नाम का एक ब्राह्मण रहता था। वह अत्यंत विद्वान और शास्त्रों का ज्ञाता था, लेकिन उसके स्वभाव में एक बड़ी कमी थी-वह बहुत लालची था। धन के प्रति उसका आकर्षण इतना अधिक था कि वह सही और गलत का भेद भूल जाता था। धीरे-धीरे उसे चोरी करने की आदत भी लग गई थी। जब भी वह किसी के पास कोई कीमती वस्तु देखता, उसे पाने की लालसा उसके मन में जाग उठती और वह उसे हासिल करने के लिए कोई न कोई उपाय सोचने लगता। एक दिन वह किसी गांव से पूजा-पाठ कर वापस अपने नगर लौट रहा था। रास्ते में उसकी मुलाकात एक व्यापारी से हुई, जो बाजार में अपना सामान बेचकर घर लौट रहा था। व्यापारी साधारण वेशभूषा में था, लेकिन उसके चेहरे से उसकी संतुष्टि और आत्मविश्वास झलक रहा था। ब्राह्मण ने अनुमान लगा लिया कि व्यापारी के पास अच्छी-खासी धनराशि अवश्य होगी। लालच में आकर ब्राह्मण ने व्यापारी से बातचीत शुरू कर दी। उसने बड़े ही मीठे और विनम्र शब्दों में उससे परिचय बढ़ाया। धीरे-धीरे बातचीत के दौरान उसने चालाकी से व्यापारी के धन के बारे में पूछ लिया। व्यापारी ने भी सहज भाव से बता दिया कि वह अपना धन कमर में बांधकर रखता है। हालांकि, व्यापारी उतना भोला नहीं था जितना वह दिख रहा था। उसने असल में अपना धन कहीं और सुरक्षित छिपा रखा था। ब्राह्मण ने मन ही मन योजना बनाई कि किसी तरह वह व्यापारी का धन हासिल कर ले। थोड़ी दूर चलने के बाद उसने अचानक ठोकर खाकर गिरने का नाटक किया और सहारा लेने के बहाने व्यापारी की कमर पकड़ ली। लेकिन जब उसने टटोलकर देखा तो उसे वहां कोई धन नहीं मिला। इससे उसे समझ आ गया कि व्यापारी ने धन कहीं और छिपाया हुआ है।

■ अब ब्राह्मण ने एक और चाल चली। उसने अपने कमंडल से पानी पीने के लिए व्यापारी से अनुमति मांगी। व्यापारी ने बिना किसी संदेह के उसे अनुमति दे दी। ब्राह्मण के कमंडल में पहले से ही जहर मिला हुआ था। जैसे ही व्यापारी ने पानी पिया, वह कुछ ही देर में बेहोश होकर गिर पड़ा। अवसर पाकर ब्राह्मण ने उसके पास छिपा हुआ धन ढूंढ निकाला

■ उसे लेकर अपने घर चला गया। इस घटना से एक महत्वपूर्ण सीख मिलती है कि अंजान व्यक्ति पर बिना सोचे-समझे भरोसा करना खतरनाक हो सकता है। हमें अपने निजी रहस्यों और संपत्ति के बारे में किसी अपरिचित व्यक्ति को जानकारी देने से बचना चाहिए, क्योंकि हर कोई वैसा नहीं होता जैसा वह दिखता है।

राशिफल

मेष- धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी।

वृषभ-आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में अधिकारी प्रसन्न रहेंगे। पारिवारिक सहयोग मिलेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी।

मिथुन- नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। पारिवारिक चिंता बनी रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। प्रमाद से बचें। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा।

कर्क- आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान हो सकती है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। आय में निश्चितता रहेगी। लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव

सिंह- कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी। उत्साह बना रहेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। संतान की चिंता रहेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

कन्या- दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में सहकर्मियों का साथ रहेगा। थकान रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा।

तुला-अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। सभी ओर से सफलता मिलेगी। प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी।

वृश्चिक- दूसरों के झगड़ों में न पड़ें। आय में निश्चितता रहेगी। राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें।

धनु- लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। भागदौड़ रहेगी। दूसरों के काम में दखल न दें। विवाद से बचें। लाभ होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है।

मकर- व्यवसाय ठीक चलेगा। घर-बाहर प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें। राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

कुंभ- सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे। पूजा-पाठ में मन लगेगा। प्रसन्नता रहेगी। प्रमाद न करें।

मीन-आय में निश्चितता रहेगी। प्रयास अधिक करना पड़ेंगे। सोच-समझकर निर्णय लें। पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें।

भारत का रक्षा बजट 92 अरब डॉलर पार, वर्ल्ड रैंकिंग में 5वें नंबर पर पहुंचा देश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर बढ़ते तनाव और युद्धों के बीच दुनिया में सैन्य खर्च लगातार बढ़ रहा है। 2025 में दुनिया का कुल सैन्य खर्च बढ़कर 2887 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जो लगातार 11वें साल वृद्धि को दर्शाता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, इंडिया ने भी अपने रक्षा बजट में बड़ा इजाफा किया है। भारत का सैन्य खर्च 8.9% बढ़कर 92.1 अरब डॉलर हो गया है, जिससे वह दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा सैन्य खर्च करने वाला देश बन गया है। यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से क्षेत्रीय तनाव और सुरक्षा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए की गई है।

■ रिपोर्ट में बताया गया है कि मई 2025 में भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष ने इस खर्च को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। इस संघर्ष में लड़ाकू विमान, ड्रोन और मिसाइलों का इस्तेमाल हुआ था, जिसके बाद भारत ने अपनी सैन्य तैयारियों को और मजबूत करने पर जोर दिया। वहीं पाकिस्तान ने भी अपने सैन्य खर्च में 11% की बढ़ोतरी की है, जो 11.9 अरब डॉलर तक पहुंच गया। पाकिस्तान ने यह बढ़ोतरी मुख्य रूप से चीन से नए हथियारों और सैन्य उपकरणों की खरीद के कारण की है। दूसरी तरफ चाइना ने अपने रक्षा बजट में 7.4% की वृद्धि की, जो अब 336 अरब डॉलर हो गया है। यह लगातार 31वां साल है जब चीन ने अपने सैन्य खर्च में इजाफा किया है, जिससे उसकी सैन्य ताकत लगातार बढ़ रही है। वैश्विक स्तर पर सबसे ज्यादा सैन्य खर्च करने वाले देशों में United States पहले स्थान पर है, हालांकि उसका खर्च 2025 में 7.5% घटकर 954 अरब डॉलर रह गया।

■ इसके पीछे मुख्य कारण यूक्रेन को दी जाने वाली सैन्य सहायता में कमी बताया गया है। यूरोप और एशिया में सैन्य खर्च तेजी से बढ़ा है। यूरोप में 14% की वृद्धि देखी गई, जबकि एशिया और ओशिनिया में 8.1% की बढ़ोतरी हुई। इसका कारण रूस-यूक्रेन युद्ध और अन्य क्षेत्रीय तनाव हैं, जिनके चलते देशों ने अपनी सैन्य ताकत बढ़ाने पर जोर दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, 2025 में वैश्विक जीडीपी का 2.5% हिस्सा सैन्य खर्च पर खर्च किया गया, जो 2009 के बाद सबसे ज्यादा है। इससे साफ है कि दुनिया में बढ़ती अस्थिरता और सुरक्षा चिंताओं के कारण हथियारों की दौड़ लगातार तेज होती जा रही है। कुल मिलाकर, यह रिपोर्ट दिखाती है कि वैश्विक स्तर पर शांति की बजाय सैन्य ताकत को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे आने वाले समय में तनाव और बढ़ सकता है।

चुनाव से पहले एक्शन में ईडी, बंगाल में ताबड़तोड़ रेड

कैश-गोल्ड के साथ दस्तावेज जब्त

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

बंगाल चुनाव से पहले प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ऐक्शन में है। ईडी की टीम प्रदेश में ताबड़तोड़ कार्रवाई कर रही है। ईडी अधिकारियों ने बताया कि कोलकाता, बर्धमान और हाबड़ा में निरंजन चंद्र साहा समेत आपूर्तिकर्ताओं और निर्यातकों के करीब 9 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया गया। इस कार्रवाई के दौरान 18.4 लाख रुपये नकद, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य बरामद कर जब्त किए गए। छापेमारी धन शोधन निवारण अधिनियम (PMLA) के तहत की गई। दूसरे चरण के चुनाव से पहले ईडी की कार्रवाई से हड़कंप मचा हुआ है। बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 29 अप्रैल को होना है।

पीडीएस गेहूं घोटाला

ईड़ी के अनुसार, यह कार्रवाई शनिवार (25 अप्रैल) को गई है। ईडी अधिकारियों के अनुसार, पूरा मामला अक्टूबर 2020 में बसीरहाट पुलिस थाने में दर्ज एफआईआर से जुड़ा है। शिकायत में आरोप लगाया गया था कि कल्याणकारी योजनाओं के लिए आवंटित गेहूं में बड़े पैमाने पर हेराफेरी की गई। आपूर्तिकर्ताओं, लाइसेंसधारक वितरकों, डीलरों और बिचौलियों की मिलीभगत से गेहू को अवैध रूप से कम कीमत पर खरीदा गया और खुले बाजार में बेचा गया। ईडी के अनुसार, आपूर्ति श्रृंखला से बड़ी मात्रा में गेहूं निकालकर अलग-अलग जगहों पर जमा किया गया। पहचान छिपाने के लिए भारतीय खाद्य निगम (FCI) और राज्य सरकार के चिह्न वाले बोरे उलट दिए गए या बदल दिए गए। इसके बाद गेहूं को वैध स्टॉक के रूप में दिखाकर खुले बाजार या निर्यात के लिए भेजा गया। इस मामले में पश्चिम बंगाल के पूर्व खाद्य मंत्री ज्योति प्रिय मलिक समेत कई आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है।

अलग मामले में छापेमारी

ईडी के कोलकाता जोनल कार्यालय ने 26 अप्रैल 2026 को कोलकाता में तीन अन्य परिसरों पर भी तलाशी ली। यह छापेमारी सोना पप्पू, जय एस. कामदार, डीसीपी शांतनु सिन्हा बिस्वास और अन्य के खिलाफ चल रहे धन शोधन मामले में की गई। तलाशी में कल्याण शुक्ला और संजय कुमार कनोडिया के परिसरों से 10 लाख रुपए नकद, सोने के आभूषण, आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए गए। दस्तावेजों से संदिग्ध व्यक्तियों और राजनीतिक रूप से प्रभावशाली व्यक्तियों (PEPs) के बीच बड़े पैमाने पर नकद लेन-देन का संकेत मिला है। ईडी ने डीसीपी शांतनु सिन्हा बिस्वास को पूछताछ के लिए समन भेजा है, लेकिन वे अब तक एजेंसी के सामने पेश नहीं हुए हैं।

रोज वैली घोटाले में मुआवजा

इसके अलावा, ईडी कोलकाता क्षेत्रीय कार्यालय ने परिसंपत्ति निपटान समिति (ADC) के साथ समन्वय कर रोज वैली चिटफंड घोटाले के पीड़ितों को मुआवजा दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अप्रैल 2026 तक 16 चरणों में कुल 1,73,350 पीड़ितों को 127.69 करोड़ रुपए वितरित किए जा चुके हैं। ईडी पश्चिम बंगाल में अन्य चिटफंड घोटालों की जांच भी कर रही है और निर्दोष पीड़ितों को उनकी संपत्ति शीघ्र वापस दिलाने के लिए कानूनी कदम उठा रही है।

US पैसिफिक एयर फोर्सेज कमांडर ने किया भारत दौरा

भारत और अमेरिका में रक्षा साझेदारी हुई मजबूत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

अमेरिकी वायु सेना के जनरल केविन बी. श्नाइडर हाल ही में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करने के लिए भारत आए थे। यह यात्रा 19 से 25 अप्रैल के बीच हुई, जिसके दौरान उन्होंने भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ कई अहम बैठकें कीं। इस दौरान, जनरल Vनाइडर ने भारतीय वायु सेना के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की और दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को और बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। इन चर्चाओं का मुख्य मकसद दोनों सेनाओं के बीच आपसी तालमेल (interoperability) को बेहतर बनाना और भविष्य के संयुक्त अभियानों के लिए तैयारी सुनिश्चित करना था।

■ पिछले कुछ सालों में भारत और अमेरिका के बीच रक्षा संबंध तेजी से मजबूत हुए हैं। अब दोनों देश न सिर्फ हवाई क्षेत्र में, बल्कि जमीन, समुद्र, अंतरिक्ष और साइबर क्षेत्रों में भी अपना सहयोग बढ़ा रहे हैं। इससे दोनों देशों की सैन्य क्षमताओं और तालमेल में काफी सुधार हो रहा है। इस यात्रा के दौरान लॉजिस्टिक्स,खास तौर पर सैन्य संसाधनों के आदान-प्रदान पर भी विशेष जोर दिया गया। एक मजबूत लॉजिस्टिक्स प्रणाली दोनों देशों को किसी भी आपात स्थिति या संकट के दौरान तेजी से प्रतिक्रिया देने में सक्षम बनाती है। यह मानवीय सहायता प्रदान करने और आपदा प्रबंधन प्रयासों में भी फायदेमंद साबित होगा।

■ जनरल Vनाइडर ने भारत भर में विभिन्न सैन्य और प्रशिक्षण केंद्रों का भी दौरा किया। यह इस बात का संकेत है कि दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग लगातार बढ़ रहा है। नई तकनीकों और आधुनिक सैन्य क्षमताओं को विकसित करने के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर शहीदों को श्रद्धांजलि दी और उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया गया। भारतीय वायु सेना के प्रमुख, एपी सिंह से भी मुलाकात की। यह यात्रा इस बात का संकेत है कि भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता बनाए रखने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

लद्दाख में 5 नए जिले घोषित

अब 2 की जगह होंगे 7 जिले

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लद्दाख से एक बड़ी खबर सामने आई। उपराज्यपाल VK सक्सेना ने सोमवार को घोषणा की कि उन्होंने केंद्र सरकार की उस अधिसूचना को मंजूरी दे दी है जिसके तहत लद्दाख में 5 नए जिले बनाए जाएंगे। इसके साथ ही केंद्र शासित प्रदेश में जिलों की कुल संख्या 2 से बढ़कर 7 हो गई है। एक पोस्ट में उपराज्यपाल ने इस कदम को क्षेत्र के लिए 'ऐतिहासिक दिन' बताया और कहा कि लोगों की लंबे समय से लंबित मांग अब पूरी हो गई है। उन्होंने पर एक पोस्ट में कहा कि लद्दाख के लिए एक ऐतिहासिक दिन। मैंने लद्दाख में 5 नए जिलों के गठन की अधिसूचना को मंजूरी दे दी है, जिससे लद्दाख के लोगों की आकांक्षाओं और लंबे समय से लंबित मांग को पूरा किया जा सके।

कौन-कौन से बने नए जिले?

-नुब्रा (Nubra), -शाम (Sham), -चांगथांग (Changthang), -जांस्कर (Zanskar), -द्रास (Drass)

अभी लद्दाख में दो जिले हैं - लेह और कारगिल

इन नए जिलों के जुड़ने से केंद्र शासित प्रदेश में कुल 7 जिले हो जाएंगे। उपराज्यपाल ने कहा कि यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित और समृद्ध लद्दाख के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उन्होंने आगे कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में गृह मंत्रालय ने अगस्त 2024 में ही इस निर्णय को मंजूरी दे दी थी। उपराज्यपाल सक्सेना के अनुसार, नए जिलों के गठन से जमीनी स्तर पर शासन को मजबूती मिलेगी, प्रशासन का विकेंद्रीकरण होगा और सार्वजनिक सेवाओं की त्वरित डिलीवरी सुनिश्चित होगी, विशेष रूप से दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्रों में। उन्होंने यह भी कहा कि इस कदम से विकास, रोजगार और उद्यमिता के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है, साथ ही शासन को जनता के करीब लाया जा सकेगा। अपनी प्रतिबद्धता को दोहराते हुए उपराज्यपाल ने कहा कि यह सुनिश्चित करने के प्रयास किए जाएंगे कि लद्दाख के प्रत्येक नागरिक को इस परिवर्तनकारी निर्णय से लाभ मिले। यह घटनाक्रम अगस्त 2019 में अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने के बाद हुआ, जिससे जम्मू और कश्मीर राज्य का विशेष दर्जा समाप्त हो गया और क्षेत्र को दो केंद्र शासित प्रदेशों - जम्मू और कश्मीर और लद्दाख में विभाजित किया गया।

लोटस अब बन गया है 'लूट अस': जयराम रमेश

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

देश की राजनीति में एक बार फिर बड़ा दल-बदल देखने को मिला है। राज्यसभा के सभापति सी.पी. राधाकृष्णन ने आम आदमी पार्टी के सात सांसदों का भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में आधिकारिक तौर पर विलय स्वीकार कर लिया। इस बड़े सियासी उलटफेर के बाद उच्च सदन के समीकरण पूरी तरह से बदल गए हैं। वहीं, इस फैसले के तुरंत बाद प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने भाजपा पर जोरदार जुबानी हमला बोला है और इस घटनाक्रम को 'ऑपरेशन लोटस' का हिस्सा बताया है।

कांग्रेस ने इस विलय पर क्या तंज कसा?

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि राज्यसभा के सभापति का यह फैसला बिल्कुल भी चौंकाने वाला नहीं है। रमेश ने आगे कहा कि 'लोटस (कमल) अब लूटअस बन गया है।' उन्होंने दल-बदल की इस घटना को एक 'सर्जिकल स्ट्राइक' और 'बचाव की कार्रवाई' करार दिया। कांग्रेस ने कहा कि हैरानी बस इस बात की है कि इस विलय को औपचारिक रूप से स्वीकार करने में इतना लंबा समय क्यों लगा।

राज्यसभा में अब आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी की क्या है नई स्थिति?

- आम आदमी पार्टी के सात सांसद- राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता अब आधिकारिक रूप से भाजपा के सदस्य बन गए हैं।
- इस बड़े झटके के बाद उच्च सदन (राज्यसभा) में अरविंद केजरीवाल की पार्टी (AAP) के पास अब केवल 3 सांसद ही बचे हैं।
- वहीं, सात नए सदस्यों के जुड़ने के बाद राज्यसभा में भाजपा की ताकत काफी बढ़ गई है और उसके सांसदों की कुल संख्या 113 हो गई है।
- राज्यसभा की आधिकारिक वेबसाइट पर भी बदलाव कर दिया गया है और अब इन सातों सांसदों को भाजपा सदस्यों की सूची में दिखाया जा रहा है।

क्या ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए हुआ यह दल-बदल?

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि हाल ही तक भाजपा इन सांसदों की ईमानदारी पर गंभीर सवाल उठाती थी। उन्होंने कहा कि भाजपा का दावा था कि उसके पास इन नेताओं के खिलाफ भ्रष्टाचार के ठोस सबूत मौजूद हैं, जिन्हें अब भुला दिया गया है। हाल के दिनों तक ईडी इनमें से कुछ सांसदों के ठिकानों पर लगातार छापेमारी कर रही थी। कांग्रेस ने शर्त लगाते हुए कहा है कि भाजपा में शामिल होते ही अब इन सांसदों पर ईडी के सारे छापे तुरंत बंद हो जाएंगे।

सीएम योगी ने 17 कंपनियों को दिया कंफर्ट लेटर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को 17 दवा कंपनियों को आश्वासन पत्र (एलओसी) प्रदान किया। मुख्यमंत्री ने सभी निवेशकों को सफलतम निवेश की शुभकामना दी और कहा कि आज का दिन उत्तर प्रदेश के औद्योगिक एवं स्वास्थ्य सेवा के लिए ऐतिहासिक पड़ाव है। राज्य सरकार द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने निवेशकों को विश्वास दिलाया कि उत्तर प्रदेश में सुरक्षा, स्थायित्व और रफ्तार की गारंटी है। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों हुए 'फॉर्मा कॉन्क्लेव' ने उत्तर प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 तक उत्तर प्रदेश में 40 मेडिकल कॉलेज थे, आज यह संख्या बढ़कर 83 हो गई है। उन्होंने कहा कि राज्य में दो एम्स (गोरखपुर एवं रायबरेली) भी हैं और राज्य में आयुष विश्वविद्यालय संचालित हो चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ललितपुर में 1500 एकड़ में 'फॉर्मा पार्क' विकसित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि नोएडा में 350 एकड़ में 'मेडिकल डिवाइस पार्क' विकसित किया जा रहा हैं और इसमें अब तक 100 से अधिक कंपनियां जुड़ चुकी हैं। बयान के अनुसार दवा कंपनियों के प्रतिनिधियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश को लेकर उत्सुकता जताई और विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में उनका निवेश ऊंचाइयों तक पहुंचेगा।

7 सांसदों के विलय पर कानूनी लड़ाई के संकेत

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने अपने सात पूर्व राज्यसभा सांसदों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में विलय को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को कहा कि अगर इन सांसदों को अयोग्य घोषित नहीं किया गया तो पार्टी अदालत का रुख करेगी।

कानूनी मोड़ ले सकता है पूरा विवाद

गौरतलब है कि शुक्रवार को आप को बड़ा झटका लगा था, जब उसके 10 में से सात राज्यसभा सांसद- राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, संदीप पाठक, हरभजन सिंह, राजेंदर गुप्ता, विक्रमजीत साहनी और स्वाति मालिवाल ने पार्टी छोड़कर भाजपा में विलय का एलान किया था। इन नेताओं ने आरोप लगाया था कि आप अपने मूल सिद्धांतों और मूल्यों से भटक गई है।

सभापति पर लगाया ये आरोप

संजय सिंह ने राज्यसभा के सभापति के फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि सातों सांसदों द्वारा भाजपा में विलय के लिए दिया गया पत्र स्वीकार कर लिया गया, लेकिन आप की आपत्तियों और दसवीं अनुसूची (एंटी-डिफेक्शन कानून) के तहत उनकी सदस्यता समाप्त करने की मांग पर विचार नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि सभापति ने उन सात सांसदों के पत्र को आधार बनाकर विलय स्वीकार कर लिया, जबकि हमारी आपत्ति और अयोग्यता की मांग को नजरअंदाज कर दिया गया है।

अदालत जाने की दी चेतावनी

आप नेता ने उम्मीद जताई कि जब उनकी पार्टी का पत्र विस्तार से देखा जाएगा तो संविधान और लोकतंत्र के हित में इन सांसदों को अयोग्य ठहराया जाएगा। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर ऐसा नहीं हुआ तो पार्टी अदालत जाएगी। संजय सिंह ने इसे गलत तरीके से पार्टी तोड़ने का मामला बताते हुए कहा कि यह लोकतांत्रिक मूल्यों के खिलाफ है।

संजय सिंह ने राज्यसभा में पार्टी स्थिति बदलने पर मांगा जवाब

संजय सिंह ने राज्यसभा महासचिव को पत्र लिखा है। उन्होंने राज्यसभा रिकॉर्ड में आम आदमी पार्टी की पार्टी स्थिति में कथित बदलाव पर स्पष्टीकरण मांगा है। सांसद ने इसे अनधिकृत बताया है। उन्होंने इस मामले की तत्काल जांच का अनुरोध किया है। साथ ही, जल्द से जल्द लिखित जवाब की मांग की है। उन्होंने संबंधित आदेशों की प्रतियां भी मांगी हैं।

शादी भी हमारी वजह से हुई: सौरभ भारद्वाज

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी को अब तक का सबसे बड़ा झटका देने वाले राघव चड्ढा और केजरीवाल के बीच इस समय आरोप प्रत्यारोप दौर चल रहा है। जहां आप पार्टी छोड़ने के बाद राघव तमाम सवाल खड़े कर रहे हैं तो आप की ओर से इसे बड़ी साजिश बताया जा रहा है। दोनों के आरोप प्रत्यारोप के बीच राघव चड्ढा की शादी को लेकर भी बयान दिए जा रहे हैं। आप नेता सौरभ भारद्वाज ने एक बयान में कहा कि राघव चड्ढा की परिणीति से शादी ही इसलिए हो पाई क्योंकि वे आम आदमी पार्टी से राज्यसभा सांसद हैं, कहा यदि वे राज्यसभा सांसद नहीं होते तो उन्हें कोई नहीं पूछता। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि अगर आपको पार्टी छोड़नी थी तो छोड़ सकते थे, लोग आपको गाली नहीं देते।

टीएमसी सांसद मिताली की कार पर पत्थर से हमला

भाजपा की रैली में भी बवाल, भिड़े तृणमूल-बीजेपी कार्यकर्ता; कई घायल

हिंदमाता नेटवर्क @ कोलकाता

बंगाल के हुगली जिले के गोघाट में सोमवार को विधानसभा चुनाव प्रचार के अंतिम दिन तृणमूल कांग्रेस की सांसद मिताली बाग पर हमले की घटना घटी है। जानकारी के मुताबिक मिताली बाग की एसयूवी जब सडक से गुजर रही थी, तभी अचानक बड़ी संख्या में लोगों ने वाहन को घेर लिया और डंडे से हमला शुरू कर दिया। इस दौरान गाड़ी का शीशा टूट गया। बाग ने आगे की सीट पर बैठी थीं और टूटे कांच से उन्हें चोट भी लगी। घटना के बाद उन्हें आरामबाग मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है, जहां पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने जाकर उनकी स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने इस घटना में भाजपा से संबद्ध तीन लोगों को हिरासत में लिया है। दूसरी ओर घटना का एक वीडियो, जो सांसद ने फेसबुक लाइव के दौरान रिकार्ड किया, तेजी से प्रसारित हो रहा है। घटनास्थल पर केंद्रीय बलों की तैनाती कर दी गई है।

तृणमूल-भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़े

वहीं जिले के गोघाट के बर्मा इलाके में भाजपा उम्मीदवार प्रशांत दिगर प्रचार रैली को लेकर जबरदस्त तनाव फैल गया। तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प में दोनों पक्षों के कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान कई गाडियों और बाइकों में तोडफोड़ की गई है। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। भाजपा की आरामबाग इकाई के पूर्व अध्यक्ष बिमान घोष ने आरोप लगाया कि तृणमूल नेता संजय खान के नेतृत्व में लाठी, ईंट, लोहे की राड और हथियारों से लैस लोगों ने भाजपा समर्थकों पर हमला किया, जिसमें करीब 50 लोग घायल हुए और 20 को अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। हालांकि, संजय खान ने इन आरोपों से इनकार करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने अल्पसंख्यक बहुल इलाके में घुसकर बमबाजी की, जिसके बाद तनाव बढ़ा।

हिंदमाता एंकर: आम आदमी पार्टी अरबपतियों की पार्टी, जो पैसों के आधार पर राज्यसभा सीटें आवंटित करती है...

अजय माकन ने केजरीवाल को बताया भाजपा की 'बी-टीम'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सांसद ने पाला बदलकर भाजपा में विलय कर लिया। इस घटनाक्रम पर कांग्रेस ने सोमवार को अरविंद केजरीवाल और उनकी पार्टी पर तीखा हमला बोला। कांग्रेस नेता ने अरविंद केजरीवाल को घेरते हुए कहा कि यह अरबपतियों की पार्टी है, जो पैसों के आधार पर राज्यसभा सीटें आवंटित करती है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अजय माकन ने यह भी आरोप लगाया कि केजरीवाल की आम आदमी पार्टी पंजाब और गुजरात जैसे राज्यों में कांग्रेस को कमजोर करने के लिए भाजपा की 'बी-टीम' की तरह काम कर रही है। अजय माकन ने सवाल उठाए कि पंजाब विधानसभा चुनाव में मात्र 6 प्रतिशत वोट पानी वाली भारतीय जनता पार्टी को छह सांसद कैसे मिल गए?

भाजपा नेताओं के साथ हो चुकी है सेटिंग

अजय माकन ने दावा किया, मैं हमेशा से कहा है कि आम आदमी पार्टी भाजपा की प्रॉक्सी पार्टी यानी बी-टीम है। अब आम आदमी पार्टी को अपना नाम बदलकर 'अरबपति आदमियों की पार्टी' कर लेना चाहिए। मुझे पहले इसके संकेत मिले थे कि केजरीवाल की पार्टी की भाजपा नेताओं के साथ सेटिंग हो चुकी है।

आप ने सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेज दिया

जब साल 2017 में दिल्ली का राज्यसभा चुनाव हो रहा था, उस दौरान हमारे नेता सुशील गुप्ता जी ने मुझसे कहा कि मैं इस्तीफा देना चाहता हूं। उन्होंने कहा था कि आम आदमी पार्टी मुझे राज्यसभा सदस्य बना रही है। मेरी पूरी बात हो चुकी है, सारी सेटिंग हो चुकी है। इस पर मैंने कहा कि वहां पहले से ही राज्यसभा के कई उम्मीदवार हैं, आपको कैसे बनाएंगे? लेकिन सुशील गुप्ता जी नहीं माने, उन्होंने आप जॉइन कर ली और आखिर में आप ने सुशील गुप्ता को राज्यसभा भेज दिया। अजय माकन ने कहा कि इसलिए मैं यही कहना चाहता हूं कि आप ऐसी पार्टी है, जिसने योग्य लोगों को राज्यसभा न भेजकर धनकुबेरों को धन के आधार पर संसद में भेजा है।

यूपी में 'ब्राह्मण Vs बैकवर्ड' कराना चाहते हैं अखिलेश

गाजीपुर मामले पर बोले राजभर

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

यूपी के कैबिनेट मंत्री और सुल्तानपुर के प्रभारी मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने अखिलेश यादव के गाजीपुर दौरे की योजना पर तीखा बयान दिया है। राजभर के अनुसार अखिलेश यादव किशोरी की मौत के मामले को गलत रंग देकर समाज में जातीय विद्वेष फैलाना चाहते हैं। मंत्री ने स्पष्ट किया कि गाजीपुर का मामला हत्या या दुष्कर्म का नहीं बल्कि प्रेम प्रसंग से जुड़ा है, जिसमें युवती ने विवाद के बाद गंगा में कूदकर जान दे दी थी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर आरोपी को जेल भेज दिया है, फिर भी सपा मुखिया इसे राजनीतिक मोहरा बना रहे हैं। राजभर ने अखिलेश को पोस्टमार्टम रिपोर्ट और सीसीटीवी फुटेज देखने की सलाह दी है।

अखिलेश को सिर्फ गाजीपुर ही क्यों दिखता है?

ओम प्रकाश राजभर ने सवाल उठाया कि जब प्रदेश के अन्य हिस्सों में यादव समुदाय के लोग अपराध करते हैं, तब अखिलेश यादव वहां क्यों नहीं जाते? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव केवल वहीं जाना चाहते हैं जहां उन्हें अगड़ा बनाम पिछड़ा का खेल खेलने का मौका मिले। राजभर के मुताबिक, सपा मुखिया प्रदेश में ब्राह्मण और पिछड़ों को आपस में लड़ाकर अपना राजनीतिक उल्लू सीधा करना चाहते हैं। उनका आरोप है कि अखिलेश सच को स्वीकार करने के बजाय केवल उन घटनाओं को चुनते हैं जिनसे जातीय ध्रुवीकरण हो सके।

अरुण राजभर ने बताया 'राजनैतिक गिद्ध'

वहीं, सुभासपा के राष्ट्रीय मुख्य प्रवक्ता अरुण राजभर ने भी अखिलेश यादव पर हमलावर होते हुए उन्हें 'राजनैतिक गिद्ध' करार दिया। अरुण राजभर ने उदाहरण देते हुए कहा कि बाराबंकी में जब यादवों ने एक राजभर का गला काटकर हत्या की, तब अखिलेश वहां नहीं पहुंचे। इसी तरह देवरिया में राजकुमार चौहान की गोली मारकर हत्या और कौशाम्बी में पाल की हत्या के समय भी सपा मुखिया ने चुप्पी साधे रखी। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां यादव बनाम अति-पिछड़ा का मामला होता है, वहां अखिलेश गायब हो जाते हैं और जहां अगड़ा-पिछड़ा दिखता है, वहां वे अवसर तलाशने पहुंच जाते हैं।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट और कानूनी प्रक्रिया पर जोर

मंत्री ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि चाहे हाईकोर्ट हो या सुप्रीम कोर्ट, सभी पोस्टमार्टम रिपोर्ट को ही साक्ष्य मानते हैं। गाजीपुर मामले में भी वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई हुई है। राजभर ने कटाक्ष करते हुए कहा कि अखिलेश यादव को कानून पर भरोसा करने के बजाय भ्रामक नैरेटिव सेट करने की आदत पड़ गई है। उन्होंने चेतावनी दी कि जनता अब उनकी इस 'अवसरवादी' राजनीति को समझ चुकी है और जातीय संघर्ष कराने की उनकी कोशिशें अब सफल नहीं होंगी।

पीड़ित परिवार से मिलने कल गाजीपुर जाएगा SP का प्रतिनिधिमंडल

5 लाख की मदद देंगे अखिलेश यादव

हिंदमाता नेटवर्क @ लखनऊ

उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पिछले दिनों एक युवती की हत्या के बाद प्रदेश की सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस का आरोप है कि उसकी ओर से भेजे गए प्रतिनिधिमंडल को पीड़ित परिवार वालों से मिलने नहीं दिया गया। इस बीच समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव ने कहा कि गाजीपुर में हमारे लोगों के साथ बहुत खराब व्यवहार हुआ। सपा का एक प्रतिनिधिमंडल गाजीपुर में पीड़ित परिवार से मिलने जाएगा। साथ ही परिवार को आर्थिक मदद मुहैया कराई जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने कहा, "गाजीपुर में हमारे लोगों के साथ बहुत खराब व्यवहार हुआ है और ये सब सरकार के इशारे पर कराया गया। बीजेपी वाले जब खुद कुछ नहीं कर पा रहे तो दूसरों से पत्र लिखवा रहे हैं।" उन्होंने कहा कि कल मंगलवार को सपा का एक और प्रतिनिधिमंडल फिर से दौरे पर जाएगा। उन्होंने कहा, "हमारा प्रतिनिधिमंडल कल गाजीपुर जाएगा और परिवार से मिलकर, उनकी मदद करेगा और उनकी बात सुन कर आएगा।" उन्होंने पीड़ित परिवार को 5 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की भी बात कही।

बीजेपी राज में महिलाओं पर अत्याचार बढ़ा : अखिलेश

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश ने बीजेपी सरकार पर हमला करते हुए कहा, "यूपी में जब से बीजेपी की सरकार बनी है तब से बहनों और बेटियों पर अत्याचार बढ़ा है। बीजेपी वाले महिलाओं के नाम पर रैलियां और प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन गाजीपुर की बेटी जिस हालत में मिली एक बार उसकी तस्वीर तो देख लेते।" उन्होंने आगे कहा,"इस तरह की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, बीजेपी के मंत्री जा रहे हैं। यदि लोगों को पोस्टमॉर्टम पर शंका है तो बीजेपी के मंत्री देख क्यों नहीं लेते।" उन्होंने कहा, "सबसे ज्यादा महिलाएं और बेटियां अगर कहीं असुरक्षित हैं तो वो उत्तर प्रदेश ही है। यहां के जो आंकड़े बताते हैं, उसके आधार पर सबसे ज्यादा घटनाएं उत्तर प्रदेश में ही हो रही हैं महिलाओं और बेटियों के ख़िलाफ ही हैं।

चुनाव के बाद बढ़ जाएंगे पेट्रोल-डीजल के दाम : अखिलेश

गाजीपुर कांड के के बारे में अखिलेश यादव ने कहा, "गाजीपुर में हमारे लोगों के साथ बुरा व्यवहार हुआ है, बीजेपी के लोग शामिल हैं , बीजेपी नहीं चाहती कि हम पीडीए के साथ खड़े हों, लोगो को मिलने नहीं दिया जा रहा हैं , हम लोगों ने तय किया है कि 5 लाख रुपये से मदद करेंगे , कल हमारा प्रतिनिधिमंडल जाएगा, हमारे विधायक और रीता विश्वकर्मा भी जाएंगे। बताया जा रहा है कि अखिलेश खुद पीड़ित परिवार से मिलने के लिए 29 अप्रैल को गाजीपुर आ सकते हैं। प्रतिनिधिमंडल को जाने देने की अनुमति देने की बात करते हुए अखिलेश यादव ने कहा, "हमारे प्रतिनिधिमंल को गाज़ीपुर जाने दो वरना हम तो हैं ही। परिवार ने अगर शक जताई है तो जांच होनी चाहिए, जहां बेटी की लाश मिली हैं वहां तो 2 फ़ीट पानी भी नहीं है। हमारा डेलीगेशन जायेगा , उनकी मदद करेगा।

चार भाई, चारों चोर,डिजिटल अरेस्ट के खेल में 91 लाख बरामद

बैंककर्मियों की मिलीभगत?

हिंदमाता नेटवर्क @ इटावा

उत्तर प्रदेश के इटावा में थाना बसरेहर पुलिस ने साइबर ठगी के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 4 सगे भाइयों को गिरफ्तार कर 91 लाख 18 हजार रुपये बरामद किए हैं। ये आरोपी डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन गेम के जरिए लोगों को ठगते थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव ने बताया कि 30 लाख 60 हजार नकद और डिजिटल खातों से 60 लाख से ज्यादा जब्त किए गए हैं।

तीनों के पास से मिले कुल 91.18 लाख

ये लोग ठगी का पैसा सीधे अपने खाते में न लेकर दूसरे खातों में ट्रांसफर कराते थे। इनके पास से 30 .60 लाख रुपये नकद और डिजिटल खातों से 60 लाख से अधिक की रकम जब्त की गई है। कुल बरामदगी 91 .18 लाख रुपये की है। मुख्य आरोपित सतीश कुमार के खिलाफ विभिन्न राज्यों में ठगी के 20 मामले दर्ज हैं। पुलिस को ऑनलाइन ठगी में बैंककर्मियों की मिलीभगत की भी आशंका है। इस एंगल से जांच शुरू कर दी गई है।

बैंककर्मियों की मिलीभगत?

मुख्य आरोपी सतीश पर अलग-अलग राज्यों में 20 केस दर्ज हैं। पुलिस को बैंककर्मियों की मिलीभगत का भी शक है, जांच शुरू कर दी गई है। आरोपियों में सतीश कुमार, हरिओम, अखिलेश कुमार और अजीत कुमार शामिल हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक बृजेश श्रीवास्तव के अनुसार 25 अप्रैल की रात चेकिंग के दौरान दो बाइक पर सवार चार लोग पुलिस को देखकर भागने लगे। पुलिस ने पीछा कर लोहिया नहर पुल के पास से चारों को दबोच लिया। पूछताछ में सामने आया कि भाई सतीश पानीपत में साइबर ठगों के संपर्क में आया था। वहीं से ठगी के तरीके सीखकर गांव लौटा और मोबाइल से धोखाधड़ी शुरू कर दी। बाद में तीनों भाइयों को भी साथ मिला लिया। आरोपी डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन गेम के नाम पर लोगों से रकम हड़पते थे।

लखीमपुर खीरी में थार का कहर!

बाइक सवारों को कुचला, पति-पत्नी की मौत

हिंदमाता नेटवर्क @ लखीमपुर

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे ने झकझोर कर रख दिया। यहां मितौली थाना क्षेत्र के भीखमपुर चौराहे पर देर रात एक तेज रफ्तार महिंद्रा थार गाड़ी ने बाइक सवार 3 लोगों को टक्कर मार दी। इस भीषण दुर्घटना में बाइक चला रहे जितेंद्र वर्मा और उनकी पत्नी सरिता वर्मा की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ बैठी भाभी माया देवी वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गईं। जानकारी के अनुसार तीनों लोग एक शादी समारोह से वापस अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही वे भीखमपुर चौराहे के पास पहुंचे, तभी तेज रफ्तार से आ रही थार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दंपति की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि तीसरी महिला गंभीर रूप से घायल हो गईं। उन्हें तत्काल इलाज के लिए लखनऊ रेफर किया गया है, जहां उनकी हालत नाजुक बनी हुई है।

बुलंदशहर ट्रिपल मर्डर: मुख्य आरोपी मयंक का एनकाउंटर

पैर में लगी गोली

हिंदमाता नेटवर्क @ बुलंदशहर

बुलंदशहर के खुर्जा कोतवाली नगर क्षेत्र में जिम के अंदर जन्मदिन की पार्टी के दौरान केक लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद तीन युवकों की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। इस मामले में शामिल आरोपी मयंक सैनी को पुलिस और स्वाट टीम ने एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है। मयंक को अगवाल फाटक के पास आला कत्ल की बरामदगी के लिए ले जाया गया था। वहां उसने पुलिस टीम पर फायरिंग कर भागने का प्रयास किया। जवाबी कार्रवाई में पुलिस की गोली मयंक के पैर में लगी, जिससे वह घायल हो गया और उसे काबू कर लिया गया।

क्या है पूरा मामला?

खुर्जा के एक जिम में जीतू अपना जन्मदिन मना रहा था। पार्टी में केक लगाने को लेकर जीतू और मनीष के बीच विवाद हुआ। यह बहस इतनी बढ़ गई कि जीतू ने मनीष, उसके चचेरे भाई अमरदीप और भतीजे आकाश पर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। तीनों के सिर में कई गोलियां लगीं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस वारदात के बाद पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में कुल 10 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है और अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

राजनीति और रंजिश के एंगल पर जांच

पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी जीतू समाजवादी पार्टी का पूर्व नगर अध्यक्ष रह चुका है, वहीं मृतक मनीष, अमरदीप और भाजपा से जुड़े बताए जा रहे हैं। हालांकि, डीआईजी कलानिधि नैथानी ने स्पष्ट किया है कि फिलहाल जांच पार्टी में हुए मामूली विवाद पर केंद्रित है, लेकिन पुलिस पुरानी रंजिश और राजनीतिक पहलुओं को भी नजरअंदाज नहीं कर रही है। डीआईजी ने बताया कि आरोपी जीतू की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। इलाके में तनाव को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद कर दी गई है और उच्च अधिकारी घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए हैं।

हापुड़ में भीषण आग का तांडव!

70 झुग्गियां राख दो फैक्ट्रियां भी जलीं

हिंदमाता नेटवर्क @ हापुड़

उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिले में भीषण आग के तांडव में 70 झुग्गियां जलकर राख हो गईं। पिलखुवा थाना क्षेत्र में मोदीनगर रोड स्थित एक कपड़ा फैक्ट्री के पास बनी झुग्गी बस्ती में सुबह भीषण आग लग गई। आग लगने के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। कुछ ही देर में आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और करीब 70 झुग्गियों को अपनी चपेट में ले लिया। आग आसपास के गोदामों और फैक्ट्रियों तक फैल गई। इससे आसपास के क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। सूचना के बाद दमकल विभाग की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। हापुड़ से पिलखुवा के अर्जुननगर की दूरी करीब 10 किलोमीटर है और जो भीषण आग लगी थी, उसका काले धुएं का गुबार करीब 10 किलोमीटर तक देखा गया। भीषण आग के कारण आसमान में काला धुआं ही नजर आ रहा था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 9 बजे झुग्गियों से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद देखते ही देखते आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। झुग्गियों में रखी प्लास्टिक, पॉलिथीन, लकड़ी और कबाड़ जैसे ज्वलनशील पदार्थों ने आग को और भड़काया, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। आग की लपटें पास स्थित गायत्री लॉजिस्टिक ट्रांसपोर्ट, यूनाइटेड ट्रांसपोर्ट और एक जींस सिलाई फैक्ट्री तक पहुंच गईं। गोदामों में रखा भारी मात्रा में कपड़ा जलकर राख हो गया। जानकारी के अनुसार, एक गोदाम में करीब 800 गांठ और दूसरे में लगभग 250 गांठ माल रखा था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल विभाग मौके पर पहुंच गया।

पीड़ितों के पुनर्वास की चुनौती

घटना के बाद प्रशासन के सामने प्रभावित परिवारों के पुनर्वास की चुनौती खड़ी हो गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से पीड़ितों को आर्थिक सहायता और रहने की व्यवस्था उपलब्ध कराने की मांग की है। वहीं, दमकल विभाग आग लगने के कारणों की गहन जांच में जुटा हुआ है। झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोग मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे और सैकड़ों परिवार इस पर निर्भर थे। जानकारी के अनुसार, कई लोग वोट देने के लिए पश्चिम बंगाल गए हुए थे, तभी सुबह उनकी झोपड़ियों में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई, जिससे उनके जरूरी दस्तावेज भी जलकर राख हो गए। आग आसपास की फैक्ट्रियों तक भी पहुंच गई और इस भीषण हादसे में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। आग लगने के कारणों की जांच में दमकल विभाग के अधिकारी और कर्मचारी जुटे हुए हैं।

फिरोजाबाद में दिनदहाड़े लूट

तमंचा सटाकर युवक से छीने 10 लाख

हिंदमाता नेटवर्क @ फिरोजाबाद

उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद जिले से दिनदहाड़े लूट का हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां तमंचे के दम बदमाशों ने लूट की घटना को अंजाम दिया। बदमाश बाजी व्यापारी के कर्मचारी से 10 लाख रुपए कैश छीनकर फरार हो गए। बताया जा रहा है कि बाइक से आए बदमाशों के साथ एक लड़की भी थी। वहीं इस घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। फिरोजाबाद के सिरसागंज थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह अपराधियों ने बेखौफ होकर बड़ी लूट की वारदात को अंजाम दिया। अध्यापक नगर इलाके में बैंक जा रहे एक कर्मचारी को निशाना बनाते हुए बाइक सवार बदमाशों ने तमंचे के बल पर करीब 10 लाख रुपए लूट लिए और फरार हो गए। जानकारी के मुताबिक, बंटी कुमार नाम का युवक एक बीज व्यापारी के यहां काम करता है और वह दुकान से नकदी लेकर बैंक ऑफ बड़ौदा में जमा करने जा रहा था। जैसे ही वह अध्यापक नगर के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे बदमाशों ने उसे रोक लिया। गणेश ट्रेडर्स के मालिक राजकुमार ने मौके पर पहुंचकर पुलिस को सूचना दी। उन्होंने बताया कि उनका कर्मचारी रोजाना की तरह कैश जमा करने बैंक जा रहा था और बदमाशों ने सुनियोजित तरीके से उसे निशाना बनाया।

तमंचे के बल युवक को लूटा

बताया जा रहा है कि बदमाशों ने तमंचा दिखाकर युवक को डराया और उसके पास मौजूद पूरी नकदी छीन ली। खास बात यह है कि इस वारदात में बाइक सवार बदमाशों के साथ एक युवती भी शामिल थी, जिससे इलाके में और ज्यादा सनसनी फैल गई। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी। आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है ताकि आरोपियों की पहचान कर जल्द गिरफ्तारी की जा सके।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

सूचना मिलते ही एएसपी ग्रामीण अनुज चौधरी, थाना प्रभारी वैभव कुमार सिंह और पुलिस क्षेत्राधिकारी अनिवेश कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने इलाके का निरीक्षण किया और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में संदिग्ध बाइक सवारों की गतिविधियां कैमरों में कैद होने की बात सामने आई है।

हिंदमाता एंकर: रात करीब दो बजे तक वह अपनों के बीच ही था, लेकिन सुबह उसकी मौत की खबर ने सबको झकझोर दिया। जिस घर से शाम को बारात निकलनी थी, वहां अब चीख-पुकार और सन्नाटा पसरा हुआ है

हाथों में मेहंदी, बदन पर कफन! बारात जाने से पहले पेड़ पर लटका मिला दूल्हे का शव

हिंदमाता नेटवर्क @ बरेली

बरेली के शाही थाना क्षेत्र के सुभाषनगर मोहल्ले में 22 वर्षीय दूल्हे देवेंद्र मौर्य का शव साप्ताहिक बाजार में एक आम के पेड़ से लटका मिला। देवेंद्र की बारात शनिवार शाम को रिठौरा के उद्धानापुर गांव जानी थी, जिसकी तैयारियां घर में चल रही थीं। शुक्रवार रात तक लगन और सगाई का जश्न धूमधाम से मनाया गया था और देवेंद्र रात दो बजे अपने रिश्तेदारों के साथ सोने गया था। सुबह स्थानीय लोगों ने उसका शव पेड़ से बंधा देखा और परिजनों को सूचित किया। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जश्न के बीच अचानक फैली सनसनी

मोहल्ला सुभाषनगर में शुक्रवार देर रात तक डीजे पर नाच-गाना चल रहा था। देवेंद्र की शादी को लेकर पूरा परिवार बेहद उत्साहित था। सगाई की रस्में पूरी होने के बाद देवेंद्र काफी खुश नजर आ रहा था, वह दो दिन पहले ही अपनी पसंद का कोट-पैंट खरीदकर लाया था। रात करीब दो बजे तक वह अपनों के बीच ही था, लेकिन सुबह उसकी मौत की खबर ने सबको झकझोर दिया। जिस घर से शाम को बारात निकलनी थी, वहां अब चीख-पुकार और सन्नाटा पसरा हुआ है।

हत्या या आत्महत्या? खड़े हुए सवाल

देवेंद्र के पिता रामदास मौर्य और परिजनों ने इसे हत्या करार दिया है। मौके पर शव एक पतली रस्सी से करीब छह फुट की ऊंचाई पर लटका था, लेकिन देवेंद्र के पैर पूरी तरह जमीन को छू रहे थे। परिजनों का तर्क है कि यदि उसे आत्महत्या करनी होती, तो वह शादी की इतनी तैयारी नहीं करता। उसके हाथों में मेहंदी और शादी का कंगन अब भी बंधा हुआ है। पिता का कहना है कि उनके बेटे की किसी से कोई दुश्मनी नहीं थी, फिर भी उसकी हत्या कर शव को पेड़ पर लटकाया गया है।

पुलिस और फॉरेंसिक जांच जारी

घटना की जानकारी मिलते ही शाही थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। पुलिस हर पहलू से मामले की जांच कर रही है कि यह मामला खुदकुशी का है या किसी साजिश का। मृतक के रिश्तेदारों का कहना है कि देवेंद्र मजदूरी करता था और कल तक सब कुछ सामान्य था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत की असली वजह साफ हो पाएगी। फिलहाल, दूल्हे की मौत से पूरे गांव में गम और गुस्से का माहौल है और ग्रामीण जल्द से जल्द न्याय की मांग कर रहे हैं।

शॉर्ट स्टोरी

तस्करों का नया तरीका, ऊपर दूध की थैलियां, अंदर शराब की बोतलें

हिंदमाता नेटवर्क @ बगहा

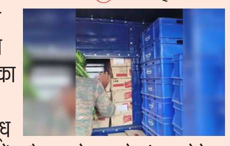

बिहार के बगहा में शराब तस्करी का एक अनोखा तरीका सामने आया है, जहां तस्करों ने दूध सप्लाई की आड़ में अवैध कारोबार को अंजाम देने की कोशिश की। मामला उस समय उजागर हुआ, जब रेहुवा चेकपोस्ट पर पुलिस ने एक तीन पहिया मालवाहक वाहन को रोककर उसकी जांच की। पहली नजर में वाहन में दूध की ट्रे लदी दिख रही थी, लेकिन पुलिस को कुछ शक हुआ। जैसे ही ट्रे को हटाकर नीचे देखा गया, पूरा खेल सामने आ गया। दूध की ट्रे के नीचे अंग्रेजी शराब की पेटियां छिपाई गई थीं। तलाशी में कुल 35 कार्टन, यानी करीब 302 .4 लीटर शराब बरामद की गई। तस्करों ने इस तरीके से गली-मोहल्लों तक बिना शक के शराब पहुंचाने की योजना बनाई थी। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान सिवान निवासी व्यास प्रसाद और उत्तर प्रदेश के अमर सिंह के रूप में हुई है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों 'मिल्क सप्लाई' के नाम पर शराब की डिलीवरी करने निकले थे, ताकि किसी को शक न हो। बगहा की प्रभारी एसपी निर्मला कुमारी ने बताया कि दोनों आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। साथ ही इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश भी शुरू कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि तस्करों के इस नए तरीके से साफ है कि अवैध कारोबार करने वाले लगातार नए-नए हथकंडे अपना रहे हैं, लेकिन सतर्कता के चलते उनकी योजनाएं नाकाम हो रही हैं।

डिजिटल फ्रॉड के गेम में 200 करोड़ का लेनदेन, रिटायर्ड अफसर निकला मास्टरमाइंड

हिंदमाता नेटवर्क @ मुजफ्फरपुर

बिहार के मुजफ्फरपुर में साइबर ठगी का एक बड़ा और चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां 'डिजिटल अरेस्ट' का डर दिखाकर 67 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। इस गैंग का मास्टरमाइंड बिहार सरकार का एक रिटायर्ड सांख्यिकी अधिकारी निकला, जिसे उसके बेटे के साथ गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान 60 साल के प्रियरंजन शर्मा और उसके पुत्र अनंत अमीष के रूप में हुई है। मुजफ्फरपुर पुलिस ने पटना के राजीव नगर स्थित उनके घर पर छापेमारी कर दोनों को दबोचा। मौके से नकदी, लैपटॉप, मोबाइल फोन, कई बैंक पासबुक, चेकबुक और अन्य संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए गए हैं। जांच में सामने आया है, कि आरोपी खुद को सीबीआई, पुलिस और टेलीकॉम विभाग का अधिकारी बताकर लोगों को "डिजिटल अरेस्ट" का भय दिखाते थे। हालिया मामले में काजी मोहम्मदपुर थाना क्षेत्र के एक रिटायर्ड बैंक कर्मी को 12 दिनों तक कॉल कर डराया गया। आरोपियों ने झांसा दिया कि उसके आधार कार्ड का इस्तेमाल आतंकी गतिविधि में हुआ है। गिरफ्तारी के डर से पीड़ित ने 67 लाख रुपये अलग-अलग खातों में ट्रांसफर कर दिए थे। पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। आरोपियों के बैंक खातों में करीब 200 करोड़ रुपये तक के संदिग्ध लेनदेन के संकेत मिले हैं। गिरोह फर्जी कंपनियों और एनजीओ के नाम पर खाते खोलकर ठगी की रकम को कई लेयर में घुमाता था, ताकि ट्रैकिंग से बच सके। साइबर डीएसपी हिमांशु कुमार के अनुसार, यह गिरोह पिछले एक साल से सक्रिय था और देश के 28 राज्यों में इसके खिलाफ शिकायतें दर्ज हैं। मुंबई क्राइम ब्रांच समेत कई जगहों पर इनके खिलाफ केस दर्ज हैं। बताया जा रहा है कि यह गैंग एक दिन में करीब 4 करोड़ रुपये तक का ट्रांजेक्शन करता था। बता दें स्पेशल टीम ने 9 अप्रैल को दर्ज एफआईआर के बाद एसएसपी के निर्देश पर विशेष टीम गठित की थी। टीम ने कॉल डिटेल, बैंक खातों और डिजिटल ट्रांजेक्शन का विश्लेषण कर आरोपियों की लोकेशन ट्रेस की और उनको पटना से गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश में जुटी है।

फेसबुक से हुआ प्यार, फिलिपींस से खींची आई इंडिया, मंदिर में की शादी

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंगेर

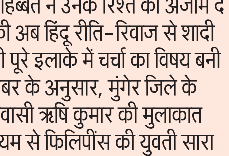

सोशल मीडिया के माध्यम से हुआ प्यार अब जीवन भर का साथ बन गया है। दरअसल, मुंगेर के एक युवक को फेसबुक के माध्यम से फिलिपींस की युवती से मोहब्बत हुई और अब इस मोहब्बत ने उनके रिश्ते को अंजाम दे दिया है। दोनों की अब हिंदू रीति-रिवाज से शादी हुई है। यह शादी पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है। मिली खबर के अनुसार, मुंगेर जिले के असरगंज के निवासी ऋषि कुमार की मुलाकात फेसबुक के माध्यम से फिलिपींस की युवती सारा पॉलिन क्रूज से हुई थी। पहले दोनों में दोस्ती हुई, फिर यह दोस्ती धीरे-धीरे प्यार में बदल गई। ऋषि एक पेंट कंपनी में भागलपुर में कार्यरत हैं। बताया जा रहा है कि ऋषि की लगभग नौ साल पहले फेसबुक के माध्यम से फिलिपींस की सारा से दोस्ती हुई थी। दोनों के बीच शुरुआत में सिर्फ दोस्ती थी, लेकिन धीरे-धीरे यह रिश्ता प्यार में बदल गया। दोनों लंबे समय तक ऑनलाइन संपर्क में रहे। इसके बाद दोनों ने अपने जीवन में एक बड़ा फैसला लिया। मिली जानकारी के अनुसार, तय निर्णय के अनुरूप सारा फिलीपींस से भारत पहुंचीं और वहां से मुंगेर आईं। बीते रविवार को दोनों की शादी हो गई। यह शादी जिले के हवेली खड़गपुर स्थित ऐतिहासिक पंच बदन शिव मंदिर में संपन्न हुई। मंदिर के पुजारी ने भगवान को साक्षी मानकर विवाह की सभी रस्में पूरी कराईं। इस मौके पर दोनों के शुभचिंतक मौजूद रहे। सारा इस शादी से काफी खुश नजर आईं, वहीं ऋषि भी बेहद उत्साहित दिखे। इस अनोखी शादी को देखने के लिए पूरे मंदिर परिसर में स्थानीय लोगों की भारी भीड़ जुट गई। स्थानीय युवक और विदेशी युवती को देखने के लिए लोगों का तांता लगा रहा। फेसबुक से शुरू हुई मोहब्बत कीयह दास्तां अब शादी तक पहुंच गई है और पूरे इलाके में चर्चा का विषय बनी हुई है।

ईरान युद्ध की वजह से ब्रिक्स देशों में मतभेद

भारत के लिए नया धर्म संकट

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

ईरान युद्ध की वजह से ब्रिक्स में आम सहमति बनाना मुश्किल हो गया है और भारत के लिए यह एक तरह का धर्म संकट बन गया है। इस साल भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है और उसे सभी देशों को साथ लेकर चलना है। इस समूह में भारत, रूस, चीन, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका के साथ ईरान और यूएई समेत कुल 11 देश शामिल हैं। mसमस्या यह है कि BRICS के कुछ सदस्य देश खुद ही पश्चिम एशिया के संघर्ष में शामिल हैं, इसलिए एक साझा बयान बनाना कठिन हो गया है। हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। ईरान चाहता है कि ब्रिक्स उसके समर्थन में बयान जारी करे, जबकि यूएई मांग कर रहा है कि ईरान के हमलों की निंदा की जाए।

3 दिन पहले हुई थी मीटिंग

रूस और चीन को ईरान के पक्ष में माना जा रहा है, जबकि अन्य देश संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं। भारत किसी भी पक्ष में जाने से बच रहा है, क्योंकि उसे सभी देशों के बीच संतुलन बनाए रखना है। दिल्ली में 24 अप्रैल 2026 को ब्रिक्स के डिप्टी विदेश मंत्रियों और विशेष दूतों की बैठक हुई, जिसमें मध्य पूर्व की स्थिति पर चर्चा हुई। इस बैठक में सभी देशों ने चिंता जताई, लेकिन कोई साझा बयान जारी नहीं हो सका। ऐसी स्थिति में भारत को चेयर स्टेटमेंट जारी करना पड़ा। यह एक ऐसा बयान होता है, जिसे मेजबान देश जारी करता है, लेकिन उस पर सभी देशों की सहमति नहीं होती। चर्चा में फिलिस्तीन मुद्दा, गाजा की स्थिति, मानवीय सहायता, UNRWA की भूमिका, आतंकवाद के खिलाफ सख्त रुख, लेबनान में युद्धविराम, सीरिया के पुनर्निर्माण, यमन-इराक-लीबिया की राजनीतिक स्थिति और सूडान के संकट जैसे कई मुद्दे शामिल रहे।

ईरान ने हमले की निंदा की मांग की थी

इससे पहले मार्च में ईरान ने भारत से कहा था कि ब्रिक्स की ओर से अमेरिका और इजराइल के हमलों की निंदा वाला बयान जारी किया जाए। इससे भारत के लिए स्थिति और मुश्किल हो गई, क्योंकि वह किसी एक पक्ष का खुलकर समर्थन नहीं करना चाहता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने भी कहा कि कुछ सदस्य देश इस संघर्ष में सीधे शामिल हैं, इसलिए आम सहमति बनाना मुश्किल हो रहा है। भारत सभी देशों से बातचीत कर रहा है और समाधान निकालने की कोशिश कर रहा है।

अगले महीने विदेश मंत्रियों की मीटिंग

आगे 14-15 मई को ब्रिक्स विदेश मंत्रियों की बैठक भारत में हो सकती है, जिसमें चीन के विदेश मंत्री वांग यी और रूस के सर्गेई लावरोव शामिल होंगे। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी हालात के अनुसार वर्चुअली जुड़ सकते हैं।

यूएस डिनर पार्टी फायरिंग की वजह पता चली

शूटर ने परिवार को भेजा था मैसेज

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

अमेरिका में व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई फायरिंग की वजह अब सामने आई है। कोल एलन ने हमले से करीब 10 मिनट पहले अपने परिवार को एक लंबा मैसेज भेजा था, जिसमें उसने अपने इरादे और कारण बताए। 31 साल के एलन ने करीब 1052 शब्दों का मैसेज लिखा लिखा। एलन शुरुआत में माफी मांगी और कहा कि उसने अपने परिवार, दोस्तों, सहकर्मियों और उन लोगों का भरोसा तोड़ा है, जो इस घटना से खतरे में आए। उसने कहा कि उसे माफी की उम्मीद नहीं है, लेकिन उसने जो किया, वह सोच-समझकर किया।

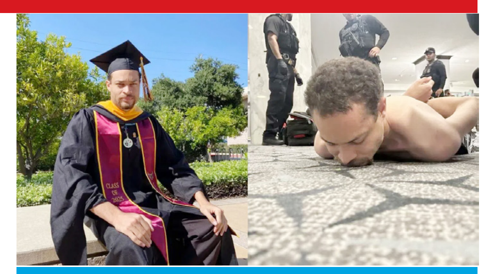

ट्रंप प्रशासन ने नाराज था एलन

एलन ने लिखा कि वह अमेरिका का नागरिक है। मेरे प्रतिनिधि जो काम करता हैं, उसका असर मुझ पर भी पड़ता है। मैं अब किसी भी हालत में एक बाल यौन शोषण करने वाले, बलात्कारी और देशद्रोही को अपने ऊपर अपने अपराधों का दाग लगाने की इजाजत नहीं दूंगा। इसलिए मैंने हमला करने का फैसला लिया है। हालांकि एलन ने किसी का नाम नहीं लिया। एलन के मुताबिक, उसका निशाना सिर्फ सरकार के बड़े अधिकारी थे। एलन ने कहा कि FBI डायरेक्ट काश पटेल उसकी टारगेट लिस्ट में नहीं थे। एलन ने अपने हमले के नियम भी बताए। उसने कहा कि आम लोग, होटल कर्मचारी और मेहमान उसके निशाने पर नहीं थे। उसने यह भी लिखा कि वह सुरक्षा बलों को सिर्फ जरूरत पड़ने पर ही निशाना बनाएगा और कोशिश करेगा कि उन्हें जानलेवा नुकसान न हो। लेकिन उसने यह भी माना कि अगर जरूरी हुआ, तो वह रास्ते में आने वाले लोगों को नुकसान पहुंचा सकता है।

सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठाए

अपने मैसेज में उसने यह भी लिखा कि अगर वह किसी दूसरे देश का एजेंट होता, तो और ज्यादा खतरनाक हथियार अंदर ला सकता था। उसने इसे सुरक्षा में बड़ी लापरवाही बताया। एलन ने यह भी बताया कि उसने गोलियों की बजाय बकशॉट (छर्रे) का इस्तेमाल चुना, ताकि गोलियां दीवार पार करके ज्यादा लोगों को नुकसान न पहुंचाएं। उसने होटल की सुरक्षा पर भी सवाल उठाए और कहा कि वह कई हथियार लेकर अंदर आया, लेकिन किसी ने उसे रोका नहीं। आखिर में एलन ने अपने परिवार, दोस्तों और साथ काम करने वाले लोगों का धन्यवाद किया और कहा कि उसे इस कदम पर दुख है, लेकिन उसने इसे जरूरी समझा। उसने यह भी कहा कि ऐसा करना बहुत मुश्किल और डरावना होता है। इस घटना के बाद अमेरिका में सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं और जांच की मांग की जा रही है।

ईरान जंग में दुबई-अबूधाबी पर क्यों हुए थे सबसे ज्यादा हमले

अब आई असली जानकारी

हिंदमाता नेटवर्क @ तेल अवीव

इजराइल ने ईरान से जंग के दौरान यूएई को ईरानी मिसाइल हमलों से बचाने के लिए वहां अपना आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम तैनात किया था। यहीं नहीं इसे ऑपरेट करने के लिए दुबई-अबूधाबी जैसे जगहों पर इजराइली सैनिक भी भेजे गए थे। एक्सियोस की रिपोर्ट के बाद यूएई और इजराइल के बीच नजदीकियों का खुलासा हुआ है। जिससे पता चला है कि युद्ध के दौरान इजराइल और यूएई के बीच मिलिट्री, सिक्योरिटी और इंटेलिजेंस सहयोग नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। इजराइली अधिकारियों और एक अमेरिकी अधिकारी ने एक्सियोस से इसका खुलासा किया। बता दें, युद्ध के दौरान आयरन डोम सिस्टम की इतनी बड़ी तैनाती पहले कभी पब्लिक नहीं की गई थी। यूएई युद्ध शुरू होने के बाद से इस इलाके में सबसे ज्यादा प्रभावित देशों में से एक बनकर उभरा है। अमीराती अधिकारियों ने कहा कि ईरान ने 28 फरवरी को US और इजराइल के साथ युद्ध शुरू होने के बाद से लगभग 550 बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ 2200 से ज़्यादा ड्रोन दागकर जोरदार हमले किए।

ईरान से यूएई को बचाने आया इजराइल

एक्सियोस की रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कथित तौर पर यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद से बात करने के बाद आयरन डोम तैनात करने का फैसला किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि तैनाती के साथ-साथ, इजराइली एयर फोर्स ने दक्षिणी ईरान में कम दूरी की मिसाइल पोजीशन को टारगेट करते हुए कई हमले किए, जिसका मकसद यूएई और दूसरे खाड़ी देशों तक पहुंचने से पहले ही खतरों को बेअसर करना था। ईरान-यूएई तनाव ने असल में इजराइली सैनिकों के लिए अमीराती जमीन पर ऑपरेट करने का रास्ता खोल दिया। एक ऐसा कदम जो आम हालात में राजनीतिक रूप से सेंसिटिव होता है। लेकिन युद्ध के तेज होने के साथ, यह हिसाब बदल गया। न्यूज एजेंसी AFP की रिपोर्ट के मुताबिक, इस महीने की शुरुआत में यूएई के प्रेसिडेंशियल एडवाइजर अनवर गरगाश ने कहा था कि ईरान के कामों के नतीजे में इस इलाके में इजराइली असर बढ़ेगा।

दुबई-अबूधाबी पर क्यों हुए थे सबसे ज्यादा हमले?

खाड़ी देशों में यूएई ने इजराइल के साथ रिश्तों को 2020 में नॉर्मोलाइज कर लिया था। ये रिश्ते महज नॉर्मोलाइजेशन तक ही सीमित नहीं रहे बल्कि यूएई और इजराइल के बीच सिक्योरिटी और डिफेंस कॉपरेशन तक बढ़ गए। यूएई ने शारजहा, दुबई-अबूधाबी में अपनी जमीन से ईरान पर हमला करने के लिए इजराइल-अमेरिका को ठिकाने दिए। यूएई इजराइल का सबसे बड़ा साझेदार बनकर उभरा है, यही वजह ईरान के सबसे ज्यादा हमलों का निशाना भी यूएई ही बना।

हाफिज के करीबी अफरीदी का खात्मा, कश्मीर के हमलों में था अहम रोल

हिंदमाता नेटवर्क @ खैबर पख्तूनख्वा

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में अज्ञात बंदूकधारियों ने लश्कर-ए-तैयबा के सबसे प्रभावशाली कमांडरों में से एक शेख यूसुफ अफरीदी की हत्या कर दी। अफरीदी न केवल एक आतंकी था, बल्कि वह वैचारिक और रणनीतिक स्तर पर संगठन की रीढ़ माना जाता था। शेख यूसुफ अफरीदी खैबर क्षेत्र के जखा खेल कबीले का रहने वाला था, जो पश्तूनों की प्रसिद्ध 'अफरीदी' शाखा से ताल्लुक रखता था। वो इस्लाम की सबसे कट्टर मानी जाने वाली अहले-हदीस (सलाफी) विचारधारा का अनुयायी और एक मौलाना था। उसकी कबायली पृष्ठभूमि और सलाफी विचारधारा के कारण वह लश्कर सुप्रीमो हाफिज मोहम्मद सईद का अत्यंत भरोसेमंद और संगठन के लिए एक 'आदर्श चेहरा' बन गया था। अफरीदी लश्कर-ए-तैयबा में प्रांतीय स्तर का सबसे बड़ा अधिकारी था। वह खैबर पख्तूनख्वा में संगठन के ब्रांच हेड के रूप में कार्यरत था। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, उसके मुख्य कार्य निम्नलिखित थे- पूरे क्षेत्र में लश्कर के नेटवर्क को संभालना और जिहादियों के बीच तालमेल बिठाना। स्थानीय मदरसों और मस्जिदों के जरिए युवाओं को कट्टरपंथी बनाना और उन्हें ट्रेनिंग देकर जम्मू-कश्मीर में हमलों के लिए भेजना। उसे ISIS की ओर से लड़कों की भर्ती में भी सक्रिय पाया गया था।

2026 आतंकी नेतृत्व के लिए 'काल' का वर्ष

शेख यूसुफ अफरीदी की हत्या इस साल की कोई इकलौती घटना नहीं है। साल 2026 की शुरुआत से अब तक, लश्कर और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे समूहों के 30 से ज्यादा टॉप पदाधिकारी मारे जा चुके हैं। ये हत्याएं लाहौर, कराची, पंजाब, सिंध और बलूचिस्तान जैसे इलाकों में लगातार हो रही हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों की इस पर रहस्यमयी चुप्पी है। विशेषज्ञ इसे आंतरिक गुटीय जंग, प्रतिद्वंद्वी आतंकी गुटों की रंजिश या किसी गुप्त ऑपरेशन का परिणाम मान रहे हैं। हाफिज सईद के करीबी सर्कल के लिए यह दूसरा बड़ा झटका है। अफरीदी की मौत से खैबर पख्तूनख्वा में लश्कर का ढांचा पूरी तरह चरमरा गया है, जिससे आने वाले समय में सीमा पार आतंकी गतिविधियों में कमी आने की संभावना जताई जा रही है।

जम्मू-कश्मीर हमलों में बड़ी भूमिका

भारत के खिलाफ हमलों की प्लानिंग में अफरीदी का हाथ बेहद अहम माना जाता था। जम्मू-कश्मीर में पिछले कुछ सालों में हुए कई आतंकी हमलों के पीछे उसी का दिमाग और नेटवर्क काम कर रहा था। वह अपने कबीलाई संपर्कों का इस्तेमाल कर घुसपैठ के रास्तों और रसद को सुगम बनाता था।

यूएस की सुरक्षा पर ब्रिटेन को नहीं भरोसा

किंग चार्ल्स के लिए लंदन से बुलाए गए अतिरिक्त सैनिक

हिंदमाता नेटवर्क @ ब्रिटेन

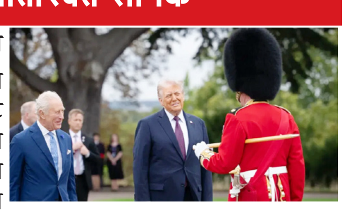

अमेरिका ने सुरक्षा कारणों से ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स-तृतीय के कुछ कार्यक्रमों को रद्द करने का फैसला किया है। ट्रंप प्रशासन ने यह फैसला व्हाइट हाउस कॉरसपॉन्डेंट डिनर (WHCD) में हुई गोलीबारी के बाद लिया है। अमेरिका भी ब्रिटेन के किंग को लेकर कोई रिस्क लेने के मूड में नहीं है। किंग चार्ल्स-तृतीय का अमेरिका दौरा ऐसे वक्त में हो रहा है, जब अमेरिका और ब्रिटेन के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहे हैं। दौरा रद्द न करने के लिए डोनाल्ड ट्रंप ने ब्रिटेन के राजा की तारीफ की है। आईपेपर अखबार के मुताबिक पहले दौरा रद्द करने की बात कही गई थी, लेकिन बाद में कुछ कार्यक्रमों को रद्द किया गया है। हालांकि, अमेरिका में किंग चार्ल्स के किन-किन कार्यक्रमों को रद्द किया गया है? फिलहाल इसकी जानकारी सार्वजनिक तौर पर नहीं दी गई है।

अमेरिका और ईरान की जंग में मध्यस्थ बनने से पाकिस्तान को हो गए ये 3 नुकसान

हिंदमाता नेटवर्क @ इस्लामाबाद

ईरान और अमेरिका के बीच चल रहे तनाव में मध्यस्थ (mediator) बनना पाकिस्तान के लिए मुसीबत बन गया है। एक तरफ जहां दोनों देशों के बीच शांति समझौते को लेकर कोई सहमति नहीं बन पाई है, वहीं दूसरी तरफ इस प्रक्रिया की वजह से पाकिस्तान को तीन बड़े नुकसान उठाने पड़े हैं। ये नुकसान पैसे, दोस्ती और प्रतिष्ठा से जुड़े हुए हैं। पूरे मामले में सबसे ज्यादा भद सेना प्रमुख आसिम मुनीर की पिट रही है, क्योंकि मुनीर ही इस पहल के अगुवा थे। ब्लूमबर्ग के मुताबिक, जब मध्यस्थता की प्रक्रिया में पाकिस्तान की एंट्री हुई थी, तो उसने इसे खूब भुनाया था, लेकिन दो बार वार्ता रद्द होने के बाद अब पाकिस्तान पूरी तरह बैकफुट पर है। पाकिस्तान आधिकारिक तौर पर इस पर कुछ भी बोलने की स्थिति में नहीं है।

पाकिस्तान को कैसे हुआ नुकसान?

1. ब्लूमबर्ग के मुताबिक पीस डील के फेल होने से पाकिस्तान की कूटनीतिक ताकत का पता चल गया है। पाकिस्तान परमाणु संपन्न होने के बावजूद किसी देश पर दबाव नहीं डाल सकता है। अमेरिका और ईरान दोनों ने पीस डील को लेकर पाकिस्तान की बात मानने से इनकार कर दिया है। ईरान ने तो पाकिस्तान की भूमिका पर ही सवाल उठाए हैं। दरअसल, पिछले हफ्ते आसिम मुनीर ने ईरान का दौरा किया था। 48 घंटे तक मुनीर ने ईरान के नेताओं के साथ मीटिंग की थी। इसके बावजूद ईरान ने अपना डेलिगेशन नहीं भेजा। दूसरी तरफ मुनीर ने अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप से फोन पर बात की थी। मुनीर ने ट्रंप से होर्मुज के बाहर की नाकाबंदी को खत्म करने की अपील की थी। ट्रंप ने भी इसे नहीं माना।

2. फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक सीजफायर में कूदने की वजह से पाकिस्तान को पैसे का भी नुकसान हुआ है। सीजफायर के दौरान पाकिस्तान ने यूएई को किनारे कर दिया, जिसके बाद यूएई ने अपना पैसा वापस मांग लिया। रिपोर्ट के मुताबिक इसके कारण पाकिस्तान का फॉरेक्स रिजर्व यानी डॉलर की संख्या में कमी आई है। पाकिस्तान ने अपने फॉरेक्स रिजर्व से ही यूएई का कर्ज चुकाया है। इसके कारण अब उसके रिजर्व में सिर्फ 20 बिलियन डॉलर बचा है। रिजर्व में डॉलर की कमी के कारण अब पाकिस्तान पर आईएमएफ का दबाव बढ़ेगा।

3. ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थ बनने के फेर में पाकिस्तान ने यूएई जैसे देशों को खो दिया है। दरअसल, यूएई चाहता था कि समझौते के बारे में पाकिस्तान उसे भी विश्वास में ले, लेकिन पाकिस्तान ने यूएई के पक्ष को दरकिनार कर दिया। इसके कारण यूएई पाकिस्तान से काफी नाराज है। यूएई और पाकिस्तान के बीच औसतन 10 बिलियन डॉलर का व्यापार होता है। पाकिस्तान के हजारों लोग यूएई में रहते हैं। अब इन लोगों को वापस पाकिस्तान में लौटने का दबाव बन सकता है।

हिंदमाता एंकर मैसेज में उसने लिखा कि उसका निशाना सिर्फ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से जुड़े अधिकारी होंगे

शूटर का मैसेज और प्रदर्शन, डिनर पार्टी हमले का एपस्टीन कनेक्शन तो नहीं

हिंदमाता नेटवर्क @ वाशिंगटन

व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर में हुई फायरिंग के बाद अब कई नई बातें सामने आ रही हैं। आरोपी कोल एलन ने हमला करने से कुछ मिनट पहले अपने परिवार को एक लंबा घोषणा पत्र भेजा था। इसमें उसने अपने इरादे और नाराजगी जाहिर की थी। रिपोर्ट के मुताबिक, इस मैसेज में उसने लिखा कि उसका निशाना सिर्फ राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से जुड़े अधिकारी होंगे। उसने कहा था कि मैं अब किसी भी हालत में एक बाल यौन शोषण करने वाले, बलात्कारी और देशद्रोही को अपने ऊपर अपने अपराधों का दाग लगाने की इजाजत नहीं दूंगा। लेकिन एलन ने यह साफ नहीं किया कि वह सीधे तौर पर ये बातें ट्रंप के बारे में ही कह रहा था या नहीं।

ट्रंप का नाम एपस्टीन से क्यों जोड़ा जा रहा?

एलन के बयान के बाद घटना को यौन अपराधी जेफ्री एपस्टीन से भी जोड़ा जा रहा है। पहले भी उनका नाम एपस्टीन के साथ जोड़ा जाता रहा है। एपस्टीन 2019 में जेल में मृत मिला था। हाल ही में उससे जुड़े दस्तावेजों में ट्रंप का नाम कुछ मौकों पर सामने आया है, जहां उन्हें उसका मेहमान बताया गया। इन दस्तावेजों के मुताबिक, ट्रंप ने 1993 से 1996 के बीच एपस्टीन के निजी जेट में कम से कम आठ बार उड़ान भरी। यह हालांकि फाइल्स में साफ कहा गया कि इससे यह साबित नहीं होता कि ट्रंप किसी गलत काम में शामिल थे। ट्रंप ने इन आरोपों का खंडन किया है। उन्होंने फायरिंग की घटना के बाद कहा मुझे उन चीजों से जोड़ा गया, जिनसे मेरा कोई लेना-देना नहीं है। मुझे पहले ही पूरी तरह क्लीन चिट मिल चुकी है।

हिल्टन होटल पर ट्रंप-एपस्टीन की तस्वीरें

डिनर से पहले वॉशिंगटन के हिल्टन होटल की इमारत पर ट्रंप और एपस्टीन की तस्वीरें भी दिखाई गईं। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हुआ। इसमें दावा किया गया कि यह लोगों को दोनों के रिश्ते के बारे में याद दिलाने के लिए किया गया था। हालांकि, अभी तक यह साफ नहीं है कि इसका फायरिंग से कोई सीधा संबंध है या नहीं।

डिनर से पहले एपस्टीन पीड़ितों का प्रदर्शन

डिनर से पहले व्हाइट हाउस के पास एपस्टीन के पीड़ितों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने एक कार्यक्रम भी किया। यह कार्यक्रम वर्जिनिया गिफ्रे की मौत की पहली बरसी पर आयोजित किया गया था। एपस्टीन सेक्स स्कैंडल की एक प्रमुख पीड़िता थीं। इस कार्यक्रम में उनके परिवार, दोस्त और समर्थक शामिल हुए। वॉशिंगटन मॉन्यूमेंट के पास हुए इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा लोग मौजूद थे। यहां गिफ्रे के भाई ने कहा कि उनकी बहन ने अपने दर्द को एक मकसद में बदला। उनके वकील ने भी कहा कि पीड़ितों की आवाज सुनी जानी चाहिए। हालांकि अभी तक यह साफ नहीं है कि इन सबका आपस में सीधा संबंध है या नहीं, लेकिन जांच एजेंसियां हर पहलू से जांच कर रही हैं।

बिजनेस वर्ल्ड

आज़ाद इंजीनियरिंग ने नयी लीन मैनुफैक्चरिंग युनिट का उद्घाटन किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

प्रेसीज़न इंजीनियरिंग में अग्रणी आज़ाद इंजीनियरिंग ने हैदराबाद के तुनिकिबोल्लाराम स्थित अपने 'सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस' में 7,600 वर्ग मीटर की नेक्स्ट-जनरेशन 'लीन मैनुफैक्चरिंग युनिट' का उद्घाटन कर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। मैनुफैक्चरिंग के विश्वस्तरीय मानकों के अनुरूप यह युनिट ग्लोबल एनर्जी टेक्नोलॉजी कंपनी, बेकर ह्यूजेज़ को सहयोग प्रदान करने के लिए डिज़ाइन की गई है। 2018 में गैस एंड स्टीम टरबाईन फिनिश स्टेजेज़ के लिए क्रिटिकल रोटेटिंग एयरफॉइल की आपूर्ति से शुरू हुई यात्रा आज एक गहन एवं सामरिक मैनुफैक्चरिंग साझेदारी में बदल चुकी है। इस मुक़ाम तक पहुंचने की यात्रा कड़ी मेहनत, कोशिश और क्षमता से भरपूर रही है। पिछले सालों के दौरान आज़ाद इंजीनियरिंग ने ग्लोबल क्वालिफिकेशन के सबसे मुश्किल पड़ावों को सफलतापूर्वक पूरा किया है, जिसमें मल्टीपल-ग्रेड के कच्चे माल का क्वालिफिकेशन, मुश्किल प्रक्रियाओं का वैलिडेशन तथा मुख्य कम्पोनेंट्स सहित प्रोडक्ट स्तर के अनुमोदन शामिल हैं। साथ ही, आज़ाद ने विशेष प्रक्रियाओं के लिए सशक्त सब-टियर सिस्टम बनाया और इसे सर्टिफाय भी किया, ताकि पूर्णमूल्य श्रृंखला में विश्वस्तरीय मानकों के अनुपालन को सुनिश्चित किया जा सके। इस प्रक्रिया के हर चरण में सटीकता, निरंतरता तथा बेकर ह्यूजेज द्वारा तय किए गए तकनीकी मानकों को पूरा करने की ज़रूरत थी, जिसे आज़ाद इंजीनियरिंग ने सफलतापूर्वक हासिल किया। आज़ाद ने वर्टिकल इंटीग्रेशन, आधुनिक गुणवत्ता प्रणाली, अत्याधुनिक बुनियादी सुविधाओं तथा कुशल प्रतिभा के साथ बड़े पैमाने पर माइक्रोन स्तर की सटीकता हासिल की है, तथा सबसे सख्त समय सीमा में निर्धारित विनिर्देशनों के साथ डिलीवरी देकर विशेष प्रतिष्ठा हासिल की है।

नई BMW F 450 GS भारत में लॉन्च

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

बीएमडब्ल्यू मोटोराड इंडिया ने आज भारत में BMW F 450 GS का लॉन्च किया। BMW F 450 GS का विकास जर्मनी में बीएमडब्ल्यू मोटोराड द्वारा किया गया है और इसे भारत में स्थानीय रूप से निर्मित किया जाएगा। इस अवसर पर बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के प्रेज़ीडेन्ट एवं सीईओ हरदीप सिंह ब्रार ने कहा, '' BMW F 450 GS को नई पीढ़ी के एडवेंचर राइडरों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो GS विरासत का नया अध्याय शुरू करने जा रही है। भारत की विभिन्न सड़कों और राइडिंग की विभिन्न परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए लाई गई यह पेशकश प्रतिष्ठित जीएस डिज़ाइन, सुलभ परफोर्मेन्स एवं आधुनिक राइडर टेक्नोलॉजी का शानदार संयोजन है। यह राइडर को आत्मविश्वास से भरपूर राइड का अनुभव प्रदान करती है, फिर चाहे वह शहर की सड़कों पर, राजमार्गों पर या खुले स्थानों पर राइड का आनंद उठा रहे हैं। हमारा उद्देश्य अधिक से अधिक राइडरों को रोमांचक राइड का लुत्फ़ उठाने के लिए आमंत्रित करना है, हम भारत के उभरती मोटरसाइकल संस्कृति में सक्रिय भूमिका निभाना चाहते हैं। भारत में बीएमडब्ल्यू मोटोराड के विकास की ढेरों संभावनाएं दिखाई देती हैं और F 450 GS के माध्यम से हम इस यात्रा को गति प्रदान करने, राइडरों की महत्वाकांक्षाओं पर खरा उतरने और हर राइडर के लिए इस दुनिय को प्लेग्राउंड बनाने हेतु प्रतिबद्ध हैं।'' इंट्रोडक्टरी एक्स-शोरूम कीमतों के अनुसार, The BMW F 450 GS बेस वेरिएंट की कीमत 4,70,000 रखी गई है, जबकि The BMW F 450 GS एक्सक्लूसिव वेरिएंट 4,90,000 में उपलब्ध है। वहीं, The BMW F 450 GS जीएस ट्रॉफी वेरिएंट की कीमत 5,30,000 निर्धारित की गई है। नई BMW F 450 GS का डिज़ाइन इसे मजबूती के साथ-साथ एडवेंचर भी देता है, जिसे सोच-समझ कर कॉम्पैक्ट प्रपोर्शन्स में बनाया गया है। फ्रंट लुक पर ध्यान दें तो सबसे पहले GS के डिज़ाइन में 'एक्स' के आकार की फुल एलईडी हैडलाईट अपनी ओर खींच लेती है। इसकी खास 'फ़्लाईलाइन' फ्रंट बीक से शुरू होकर टैंक और सीट से होती हुई पीछे के स्लिम रियर तक जाती है। यह बाइक स्टैंडर्ड टू-पीस सीट (845 mm) के साथ आती है। इसकी बॉडी और नीचे की ओर मौजूद 14-लीटर का टैंक इस तरह से डिज़ाइन किया गया है राइडिंग के दौरान पूरा सहारा देता है और घुटनों के लिए भी अच्छा फिट देता है।

भारत-न्यूज़ीलैंड मुक्त व्यापार समझौता: भारत-न्यूजीलैंड के बीच 10 साल बाद क्रैक हुई मेगा 'डील'

हिंदमाता नेटवर्क @ नई दिल्ली

लंबे इंतज़ार के बाद आखिरकार भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापारिक दुनिया का वो बड़ा समझौता हो ही गया, जिसे 'दशकों में एक बार' होने वाली डील कहा जा रहा है। सोमवार को दोनों देशों ने बहुप्रतीक्षित फ्री ट्रेड एग्रीमेंट पर आधिकारिक रूप से मुहर लगा दी। भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के ट्रेड मिनिस्टर टॉड मैक्ले की मौजूदगी में इस ऐतिहासिक करार पर हस्ताक्षर किए गए। एक आम नागरिक से लेकर देश के बड़े उद्योगपतियों तक, यह डील हर किसी के लिए नए अवसर लेकर आई है। यह कोई रातों-रात लिया गया फैसला नहीं है, इस व्यापारिक समझौते की शुरुआत साल 2010 में हुई थी। 2015 में बातचीत रुकने के बाद, इसे पिछले साल फिर से शुरू किया गया और अब यह भारत के सबसे तेजी से पूरे होने वाले व्यापारिक समझौतों में से एक बन गया है। इस एग्रीमेंट का सबसे बड़ा और सीधा फायदा उन युवाओं को होगा जो अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपना करियर बनाना चाहते हैं। समझौते के तहत सेवाओं के विस्तार पर खास जोर दिया गया है। न्यूजीलैंड एक नया रोजगार वीजा सिस्टम शुरू कर रहा है, जिसके जरिए 5,000 भारतीय पेशेवर तीन साल तक वहां जाकर काम कर सकेंगे। आईटी, शिक्षा, वित्तीय सेवाओं, कंस्ट्रक्शन और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े लोगों के लिए यह एक सुनहरा मौका है। इतना ही नहीं, भारत की पारंपरिक सेवाओं जैसे आयुष, योग इंस्ट्रक्टर, भारतीय शेफ और संगीत शिक्षकों के लिए भी विदेशी धरती पर अपने हुनर का प्रदर्शन करने के नए रास्ते खुल गए हैं। व्यापारियों के नजरिए से देखें, तो भारत के टेक्सटाइल, चमड़ा, प्लास्टिक और इंजीनियरिंग जैसे श्रम-प्रधान सेक्टर्स को अब न्यूजीलैंड के बाजार में बिना किसी ड्यूटी (टैक्स) के सीधा प्रवेश मिलेगा। इस फ्री ट्रेड एग्रीमेंट से सिर्फ सामान का एक्सपोर्ट ही नहीं बढ़ेगा, बल्कि भारत में विदेशी पूंजी के आने का रास्ता भी साफ हुआ है। एक अनुमान के मुताबिक, अगले 15 वर्षों में न्यूजीलैंड से भारत में लगभग 20 अरब डॉलर का विदेशी निवेश आ सकता है। इसके बदले में, न्यूजीलैंड को भी भारत के विशाल कंज्यूमर मार्केट में एक बड़ी जगह मिल रही है। न्यूजीलैंड के 54% से अधिक उत्पाद, जिनमें ऊन, कोयला, लकड़ी के उत्पाद और सी-फूड शामिल हैं, अब बिना किसी टैक्स के भारत आ सकेंगे। इससे घरेलू उपभोक्ताओं को भी बेहतर और नए विकल्प मिलेंगे। विदेशी व्यापार समझौतों में सबसे बड़ी चिंता घरेलू उत्पादकों के नुकसान की होती है। लेकिन इस डील में एक बेहद संतुलित रणनीति अपनाई गई है।

वेनेसा ने डर्मा-केयर श्रेणी में प्रवेश किया

हिंदमाता नेटवर्क @ मुंबई

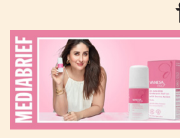

महिलाओं के प्रीमियम परफ्यूम और बॉडी केयर ब्रांड, वनेसा ने अपनी नई रेंज, वनेसा प्रो+ के लॉन्च के साथ डर्मा-केयर श्रेणी में कदम रखा है, जिसमें करीना कपूर खान अंडरआर्म रोल-ऑन श्रेणी के लिए ब्रांड एंबेसडर के रूप में शामिल हुई हैं। यह विस्तार वनेसा के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो व्यक्तिगत देखभाल में अपनी उपस्थिति को मजबूत करते हुए, तत्वों पर आधारित और त्वचा पर केंद्रित क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। इस लॉन्च को एक प्रचार फिल्म का समर्थन प्राप्त है, जिसमें ब्रांड एंबेसडर करीना कपूर खान वेनेसा प्रो+ अंडरआर्म रोल-ऑन के लिए नज़र आ रही हैं। यह फिल्म अंडरआर्म की देखभाल के प्रति एक आत्मविश्वासपूर्ण और अधिक खुला दृष्टिकोण प्रस्तुत करती है, इसे अक्सर छुपाए जाने वाली समस्या से हटाकर दैनिक स्व-देखभाल का एक स्वाभाविक हिस्सा बनाती है। यह ऐसे समय में आया है जब भारतीय महिलाएं और उपभोक्ता कठोर या आक्रामक तत्वों के उपयोग के बिना पिगमेंटेशन और दुर्गंध संबंधी समस्याओं के समाधान की तलाश कर रही हैं, क्योंकि युवा भारतीय उपभोक्ताओं की क्रय शक्ति भी बढ़ी है। प्रो+ के साथ, वेनेसा इस बदलाव का जवाब एक ऐसे दृष्टिकोण के साथ देती है जो अंडरआर्म के दृश्यमान लाभों को विश्वसनीय दुर्गंध सुरक्षा के साथ संतुलित करता है, केवल सुगंध-आधारित समाधानों की सीमाओं से परे जाकर। यह एक अद्वितीय डर्मा एक्शन फॉर्मूला पर आधारित है जो लैक्टिक, मैंडेलिक, सैलिसिलिक एसिड जैसे एएचए और बीएचए सक्रिय तत्वों के साथ अंडरआर्म की त्वचा के स्वास्थ्य पर काम करता है + नियासिनमाइड, कोजिक एसिड, हयालूरोनिक और एलेंटोइन एसिड जैसे बूस्टर सक्रिय तत्वों से समृद्ध है + मुलेठी, एलोवेरा, ग्रीन टी और विच हेज़ल जैसे वानस्पतिक अर्क से युक्त है। यह रेंज मृत त्वचा कोशिकाओं को हटाने, कोमल एक्सफोलिएशन, हाइड्रेशन, त्वचा को आराम देने और अंडरआर्म की त्वचा की दिखावट को बेहतर बनाने में मदद करने के लिए डिज़ाइन की गई है, साथ ही यह रोज़मर्रा की दिनचर्या में आसानी से फिट हो जाती है। यह संतुलित दैनिक देखभाल के लिए त्वचा पर केंद्रित तत्वों को सुखदायक सक्रिय तत्वों के साथ मिलाती है। इसका फ़ॉर्मूला चिकित्सकीय रूप से परीक्षित डियो एक्टिव कॉम्प्लेक्स के साथ 48 घंटे तक दुर्गंध से सुरक्षा प्रदान करता है, त्वचा विशेषज्ञ द्वारा परीक्षित है, सभी प्रकार की त्वचा के लिए उपयुक्त है, और इसमें अल्कोहल, एल्युमीनियम, पैराबेन, थैलेट, एसएलएस और ट्राइक्लोसन नहीं हैं, जो एक स्वच्छ और सरल अनुभव सुनिश्चित करते हैं।

दैनिक ठाणे, मंगलवार 28 अप्रैल, 2026

हिंदमाता मिरर

पैनी नजर, पुख्ता खबर

रोहित की हो सकती है वापसी?

मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल-2026 अच्छा नहीं जा रहा है। इस सीजन ये टीम संघर्ष कर रही है। इस बीच उसने अपने स्टार ओपनर रोहित शर्मा को खो दिया था। रोहित चोटिल हो गए थे। अब उनकी चोट को लेकर बड़ा अपडेट आया है। रोहित की फिटनेस को लेकर आया ये अपडेट मुंबई और उनके फैंस को राहत दे सकता है। रोहित को मांसपेशियों में खिंचाव हुआ था। इसी कारण वह कुछ मैचों से टीम से बाहर चल रहे हैं। 12 अप्रैल को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू के खिलाफ खेले गए मैच में उन्हें चोट लग गई थी। इस चोट के कारण रोहित ने पंजाब किंग्स, गुजरात टाइटंस और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच नहीं खेल सके थे।

रोहित ने की ट्रेनिंग

रोहित बुधवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ खेले गए मैच में वापसी कर सकते हैं। रोहित ने ट्रेनिंग शुरू कर दी है और वह अगले मैच में चयन के लिए उपलब्ध हैं। रोहित ने ट्रेनिंग के साथ-साथ जिम में भी पसीना बहाया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस दौरान वह किसी भी तरह के दर्द या परेशानी में नहीं दिखे। इसी कारण रोहित के अगले मैच में वापसी की उम्मीदें जगी हैं। रोहित के चोटिल होने से मुंबई की बल्लेबाजी प्रभावित हुई थी। टीम का टॉप ऑर्डर काम नहीं कर रहा था। रोहित अगर लौटते हैं तो फिर टीम को बूस्ट मिलेगा और हो सकता है कि ये टीम फिर जीत के रास्ते पर लौट सके।

ऐसी है स्थिति

मुंबई की मौजूदा स्थिति देखी जाए तो काफी निराशाजनक है। टीम ने अभी तक सात मैच खेले हैं जिनमें से दो में उसे जीत तो पांच में हार का सामना करना पड़ा है। वह चार अंकों के साथ सातवें स्थान पर कायम है। यहां से टीम का प्लेऑफ में जाना मुश्किल लग रहा है। अगर उसे अपने प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखनी है तो बाकी के बचे अपने सभी मैच जीतने होंगे।

क्राइम-थ्रिलर फिल्म 'बंदर' 5 जून को होगी रिलीज

अनुराग कश्यप की अपकमिंग फिल्म 'बंदर' का फैंस बेसब्री से इंतजार कररहे हैं। इस फिल्म ने 2025 में टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में प्रीमियर के साथ ही चर्चा बटोर ली थी। सच्ची घटना से प्रेरित यह क्राइम-थ्रिलर ग्लैमर, रिश्तों और कानून की जटिल दुनिया को बेबाक अंदाज में सामने लाएंगी।

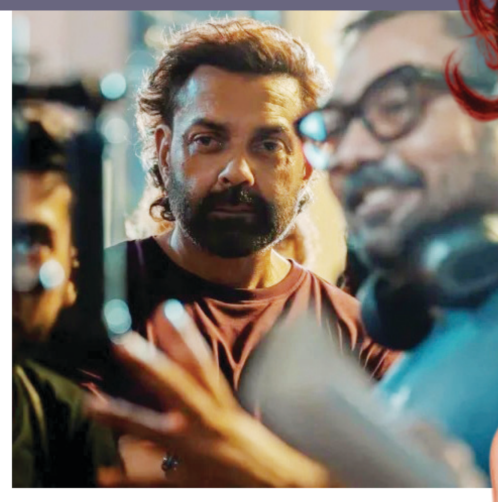

■ 'बंदर' के मेकर्स ने अब आधिकारिक तौर पर इसकी रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। यह फिल्म 5 जून, 2026 को दुनिया भर के सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है। इस फिल्म में बॉबी देओल लीड रोल में हैं, और इसमें डायरेक्टर अनुराग कश्यप के नेतृत्व में एक मजबूत क्रिएटिव टीम एक साथ आई है, जिसमें राइटर सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी शामिल हैं।

■ अपनी बोल्ड कहानी कहने के अंदाज के लिए मशहूर अनुराग कश्यप ने पहले 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' और 'ब्लैक फ्राइडे' जैसी कल्ट क्लासिक फिल्में दी हैं। लगातार कई दमदार परफॉर्मेंस देने के बाद, बॉबी देओल इस इंटेंस ड्रामा में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं।

■ फिल्म का प्रोडक्शन निखिल द्विवेदी ने किया है और इसे जी स्टूडियोज का सपोर्ट मिला है। फिल्म को सुदीप शर्मा और अभिषेक बनर्जी ने लिखा है कि जिन्हें 'पाताल लोक', 'कोहरा' और 'उड़ता पंजाब' जैसे सराहे गए प्रोजेक्ट्स के लिए जाना जाता है। सुदीप शर्मा ने हाल ही में 'कोहरा 2' का निर्देशन भी किया है, जिसे क्रिटिक्स ने काफी पसंद किया है।

■ फिल्म की स्टार कास्ट में सान्या मल्होत्रा, राज बी शेट्टी, जितेंद्र जोशी, सपना पब्बी, इंद्रजीत सुकुमारन, रिद्धि सेन, सबा आजाद और नागेश भोसले भी अहम भूमिकाओं में हैं। एक टैलेंटेड टीम और दमदार कास्ट के साथ, 'बंदर' 2026 की सबसे रोमांचक थियेट्रिकल रिलीज में से एक बनने जा रही है।

कृति का बोल्ड लुक

बॉलीवुड डीवा कृति सेनन अपने शानदार फैशन सेंस और खूबसूरती के लिए जानी जाती हैं। इन दिनों वह अपनी अपकमिंग फिल्म 'कॉकटेल 2' को लेकर चर्चा में हैं।

■ इसी बीच कृति ने ब्लैक थाई स्लिट आउटफिट में कुछ तस्वीरें शेयर की है। तस्वीरों में कृति सेनन एक वाइब्रेंट रेड बैकग्राउंड के सामने पोज देती नजर आ रही हैं। इस ड्रेस का सबसे बड़ा आकर्षण इसका थाई-हाई स्लिट और डीप V-नेकलाइन है, जिसे एक पतले वायर से जोड़ा गया है। लेटेक्स फैब्रिक उनकी टोंड बॉडी को पूरी तरह कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।

■ तस्वीरों में कृति के फेशियल एक्सप्रेशंस काफी इंटेंस और कॉन्फिडेंट हैं। कभी वह अपने बालों को सहलाते हुए पोज दे रही हैं, तो कभी दीवार के सहारे खड़े होकर अपना किलर लुक्स फ्लॉन्ट कर रही हैं। कृति सेनन का यह बोल्ड अंदाज फैंस को काफी पसंद आ रहा है। इन तस्वीरों पर अब तक 2 लाख से अधिक लाइक्स आ चुके हैं।

■ यह ड्रेस न केवल बोल्ड है बल्कि कृति के फैशन सेंस की निडरता को भी दर्शाती है। कृति ने अपने लुक को और भी आकर्षित बनाने के लिए बोल्ड ब्लैक स्मोकी आइज और विंग्ड आईलाइनर का चुनाव किया है। कृति के चेहरे पर 'न्यूड-पिंक' लिपस्टिक और कॉन्टोर्ड चीक्स उनके फीचर्स को शार्प दिखा रहे हैं। बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वॉल्यूमिनस लॉक्स को बाउंस के साथ खुला छोड़ा है, जो उनके पूरे लुक में एक क्लासिक ग्लैमर जोड़ रहा है।

राजस्थान रॉयल्स क्या रोक पाएगी पंजाब किंग्स का विजय रथ?

पिछले कुछ मैचों में अपेक्षित परिणाम हासिल नहीं कर पाने वाले राजस्थान रॉयल्स को मंगलवार को मुल्लांपुर में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अगर पंजाब किंग्स का अजेय रथ रोकना है तो रन बनाने के लिए जूझ रहे कप्तान रियान पराग को आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा।

■ रिकी पोंटिंग का मुख्य कोच का पद संभालने और श्रेयस अय्यर के कप्तान बनने के बाद पंजाब किंग्स में आमूलचूल बदलाव देखने को मिले हैं और उसने तब से लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले साल पंजाब किंग्स उप विजेता रही थी और इस साल उसने शुरू से ही अच्छा प्रदर्शन किया है। विराट कोहली ने वर्षों तक अपनी शानदार निरंतरता के दम पर 'लक्ष्य का पीछा करने में माहिर यानी चेज-मास्टर' का तमगा अपने नाम किया था और अब अय्यर भी उसी राह पर हैं। कप्तान और बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बेहद दबाव वाली परिस्थितियों में सराहनीय धैर्य का प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स के टूर्नामेंट में अब तक अजेय रहने में अहम भूमिका निभाई है।

■ अय्यर ने शानदार कप्तानी की है, लेकिन उनकी पूरी टीम ने एकजुट होकर अपना योगदान दिया है। पंजाब किंग्स ने पिछले सत्र में आईपीएल के इतिहास के सबसे कम स्कोर का बचाव किया था और अब उसने नयी दिल्ली में शनिवार को भीषण गर्मी के बावजूद रिकॉर्ड 265 रन के लक्ष्य को बेहद आसानी से हासिल कर लिया था। पंजाब किंग्स की सात मैचों में छह जीत (एक मैच बारिश के कारण रद्द) प्रियांश आर्य और प्रभसिमरन सिंह की विस्फोटक सलामी जोड़ी की बदौलत संभव हो पाई हैं। इन दोनों ने दिल्ली के खिलाफ पावरप्ले में 116 रन बनाकर अपनी टीम को कोटला में रिकॉर्ड लक्ष्य हासिल करने में मदद की। उस मैच में पंजाब किंग्स के गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई थी, लेकिन बल्लेबाजी के लिए अनुकूल परिस्थितियों और सीमा रेखा छोटी होने के कारण उन्हें ज्यादा दोषी नहीं ठहराया जा सकता।

■ पंजाब किंग्स अपने इस घरेलू मैदान पर इस सत्र का अपना आखिरी मैच खेलेगा। उसकी टीम अपने आखिरी तीन घरेलू मैच धर्मशाला में खेलेगी, इसलिए उम्मीद की जा रही है कि परिस्थितियों से अच्छी तरह वाकिफ होने के कारण वह राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ भी अपना विजय अभियान जारी रखने में सफल रहेगी। राजस्थान रॉयल्स ने टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की थी लेकिन पहले चार मैच जीतने के बाद उसने अपनी लय खो दी है। युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी ने शानदार प्रदर्शन किया है, लेकिन टीम निरंतरता बनाए रखने में सफल नहीं रही है।

■ उसने अब तक जो आठ मैच खेलें हैं उनमें कप्तान पराग का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है जिससे उसके मध्य क्रम पर दबाव बन रहा है। पराग ने अभी तक आठ पारियों में केवल 88 रन बनाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट 112.82 है। हर मैच के साथ उन पर दबाव बढ़ता जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स पिछले मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ अपने मजबूत स्कोर का बचाव नहीं कर पाया था। उसकी फील्डिंग काफी खराब रही और सनराइजर्स ने 239 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर दिया।

■ पराग ने कहा कि मुझे लगता है कि हर दिन अलग-अलग मैदान, अलग-अलग मैच और उनसे निपटने के अलग-अलग तरीके होते हैं। अभी हमें नहीं पता कि चंडीगढ़ में क्या होगा। मेरे कहने का मतलब यह है कि उन्होंने दिल्ली में बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया था लेकिन चंडीगढ़ एक नया मैदान है, नई पिच है, नई मिट्टी है। इसलिए उम्मीद है कि मैच उस स्थिति तक नहीं जाएगा। पंजाब किंग्स ने अपने घरेलू मैदान पर खेले गए पिछले मैच में 254 रन बनाए थे और उसके बल्लेबाज अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध होंगे।

टीम इस प्रकार हैं

पंजाब किंग्स: श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन ड्वार्शुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निशाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद।

राजस्थान रॉयल्स: शुभम दुबे, शिमरोन हेटमायर, यशस्वी जायसवाल, ध्रुव जुरेल, लुआन-ड्रे प्रिटोरियस, रियान पराग (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, डोनोवन फरेरा, रवींद्र जड़ेजा, जोफ्रा आर्चर, नांद्रे बर्गर, तुषार देशपांडे, क्वेना मफाका, संदीप शर्मा, युद्धवीर सिंह चरक, रवि बिश्नोई, अमन राव पेराला, एडम मिल्ने, कुलदीप सेन, दासुन शनाका, सुशांत मिश्रा, विग्नेश मिश्रा पुथुर, रवि सिंह, ब्रिजेश शर्मा।

'द इंडिया स्टोरी' 24 जुलाई को होगी रिलीज

जी स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत, एमआईजी प्रोडक्शन एंड स्टूडियोज के सहयोग से बनी तथा काजल अग्रवाल और श्रेयस तलपड़े के अभिनय से सजी दमदार सामाजिक-राष्ट्रीय फिल्म 'द इंडिया स्टोरी' की रिलीज डेट का ऐलान हो गया है। यह फिल्म 24 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

■ चेतन डीके के निर्देशन में बनी इस फिल्म को सागर बी शिंदे ने लिखा और प्रोड्यूस किया है। फिल्म एक गंभीर और समकालीन मुद्दे को उठाती है, जो राष्ट्रीय स्तर पर गूंजता है। मूल रूप से 'द इंडिया स्टोरी', रसायनों के दुरुपयोग और उनके खतरनाक प्रभावों को उजागर करती है, जो खासतौर पर कीटनाशक खेती और उससे जुड़े घोटालों के संदर्भ में है। यह कहानी किसी एक परिवार की परेशानी नहीं, बल्कि पूरे देश की है, जो देश के नागरिकों के स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा को प्रभावित कर रही है। सिर्फ यही नहीं इस फिल्म में सिस्टम की खामियों और जरूरी सख्त नियमों की तरफ भी इशारा किया गया है।

■ निर्माता सागर बी शिंदे ने कहा कि हमने यह कहानी इसलिए चुनी, क्योंकि यह एक ऐसी सच्चाई को दर्शाती है, जिसे अक्सर नजरअंदाज कर दिया जाता है, लेकिन सच यह है कि यह लाखों लोगों की जिंदगी को प्रभावित करती है। कीटनाशकों और रसायनों का गलत इस्तेमाल सिर्फ पर्यावरण का मुद्दा नहीं, बल्कि एक मानवीय संकट है, इसलिए इस फिल्म के जरिए हम जागरूकता बढ़ाना चाहते हैं। इसके साथ ही हम सिस्टम की जवाबदेही और बदलाव पर बातचीत शुरू करना चाहते हैं।

■ निर्देशक चेतन डीके ने पूरी टीम की सराहना करते हुए कहा कि इस कहानी को प्रामाणिक रूप से पेश करने के लिए पूरी टीम ने कड़ी मेहनत की है। काजल और श्रेयस ने बेहद शानदार और संवेदनशील अभिनय किया है, जिसने फिल्म को और ऊंचाई दी है। हमने यह सुनिश्चित किया है कि कहानी दर्शकों को बांधे रखने के साथ-साथ गहरा असर भी छोड़े।

■ इन सबके साथ जहां एक तरफ फिल्म की प्रस्तुति को और प्रभावशाली बनाते हैं सह-निर्माता सुमित बागड़े, अनीता जाधव, विनायक सैदानी, कल्पेश शाह, देवयानी खोराटे और प्रेम जोशी का सहयोग, वहीं इसके तकनीकी पक्ष को और प्रभावशाली बनाते हैं डीओपी निशांत भगवत की सिनेमैटोग्राफी, मंगेश धाकड़े का संगीत, आशीष म्हात्रे की एडिटिंग, शकील आजमी के गीत और अनमोल भावे का साउंड डिजाइन। यह फिल्म हिंदी के साथ तेलुगु और तमिल भाषा में भी रिलीज होगी। यह फिल्म जी स्टूडियोज द्वारा वर्ल्डवाइड रिलीज की जाएगी।

5 जून को रिलीज होगी 'राव बहादुर'

महेश बाबू प्रेजेंट्स और वेंकटेश महा की फिल्म 'राव बहादुर' के स्ट्राइकिंग फर्स्ट लुक के बाद, मेकर्स ने अब इसका टीजर रिलीज कर दिया है, जिसने इसे सबसे अनोखे और दिलचस्प प्रोजेक्ट्स में से एक बना दिया है। सत्य देव के जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन वाले इस टीजर को बेहतरीन रिव्यूज मिल रहे हैं और इसने दर्शकों की उत्सुकता को काफी बढ़ा दिया है।

■ इसके साथ ही मेकर्स ने अब आधिकारिक तौर पर फिल्म की रिलीज डेट 5 जून, 2026 घोषित कर दी है। सोशल मीडिया पर रिलीज डेट का ऐलान करते हुए मेकर्स ने एक शानदार पोस्टर शेयर किया है। इसके कैप्शन में लिखा कि शाही आगमन के लिए तारीख लॉक कर दी गई है। मिलिए #RaoBahadur से, दुनिया भर के सिनेमाघरों में 5 जून, 2026 से।

■ 'राव बहादुर' का टीजर एक अनोखी कहानी पेश करता है जहां नायक पर एक शैतान का साया है, और यहां 'संदेह' ही सबसे बड़ा शैतान है। यह फिल्म को रहस्यमयी यथार्थवाद (mystical realism) में रची-बसी एक साइकोलॉजिकल ड्रामा के रूप में स्थापित करती है। दमदार प्रोड्यूसर्स, एक दूरदर्शी फिल्म मेकर और अपनी निडर परफॉरमेंस के लिए मशहूर लीड एक्टर के साथ, 'राव बहादुर' आने वाले सालों की सबसे प्रतीक्षित भारतीय फिल्मों में से एक बन गई है।

■ सुपरस्टार महेश बाबू और नम्रता शिरोडकर की 'GMB एंटरटेनमेंट' द्वारा प्रेजेंट की जा रही 'राव बहादुर', प्रशंसित फिल्म मेकर वेंकटेश महा की अगली फिल्म है, जिन्हें 'C/o कांचरपालम' और 'उमा महेश्वर उग्र रूपस्य' जैसी बेहतरीन फिल्मों के लिए जाना जाता है।

■ इस फिल्म का निर्माण तेलुगु सिनेमा के दो सबसे सफल बैनर 'A+S मूवीज' और 'श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट'द्वारा किया गया है। 'A+S मूवीज' ने पहले GMB एंटरटेनमेंट के साथ सुपरहिट फिल्म 'मेजर' में काम किया था, जबकि 'श्रीचक्रा एंटरटेनमेंट' ने समीक्षकों द्वारा सराही गई फिल्म 'KA' को बैक किया था। यह फिल्म समर 2026 में रिलीज होने वाली है।

इन ओटीटी शोज ने ग्लोबल लेवल पर मचाई धूम

भारत में स्ट्रीमिंग के बढ़ते चलन ने न केवल लोकल एंटरटेनमेंट को बदला है, बल्कि इंडियन स्टोरीटेलिंग को दुनिया के नक्शे पर भी ला खड़ा किया है। गोल्डन कारवां, इवानहो प्रोडक्शंस, फिल्म कारवां और पुअर मैन्स प्रोडक्शंस द्वारा बनाई गई 'दिल्ली क्राइम' जैसे दमदार क्राइम ड्रामा से लेकर बानिजय एंटरटेनमेंट के तहत बानिजय एशिया द्वारा निर्मित 'द नाइट मैनेजर' जैसे शानदार थ्रिलर्स तक, कई शोज ने भाषा और कल्चर की दीवारों को तोड़कर ग्लोबल लेवल पर अपनी पहचान बनाई है। इसमें इंटरनेशनल एमी नॉमिनेशंस और जीत भी शामिल है। यहां पांच बेहतरीन इंडियन सीरीज दी गई हैं जिन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा...

दिल्ली क्राइम

नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हुई 'दिल्ली क्राइम' इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2020 में बेस्ट ड्रामा सीरीज जीतने वाली पहली भारतीय सीरीज बनी। गोल्डन कारवां, इवानहो प्रोडक्शंस, फिल्म कारवां और पुअर मैन्स प्रोडक्शंस द्वारा निर्मित, एक हाई-प्रोफाइल केस के इस ईमानदार और संवेदनशील चित्रण ने, जिसमें शेफाली शाह की दमदार परफॉर्मेंस थी, पूरी दुनिया के दिलों को छुआ।

द नाइट मैनेजर

बनिजय एंटरटेनमेंट का हिस्सा, बनिजय एशिया द्वारा निर्मित 'द नाइट मैनेजर', जो डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रही है, ने इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2024 में नॉमिनेशन हासिल किया। आदित्य रॉय कपूर, शोभिता धुलिपाला, अनिल कपूर जैसे कलाकारों के साथ स्टाइलिश प्रोडक्शन में ढालने की भारत की काबिलियत को दिखाया।

3. मेड इन हेवन

मॉडर्न रिश्तों और समाज की उम्मीदों को बारीकी से दिखाने वाली एमेजॉन प्राइम वीडियो की सीरीज 'मेड इन हेवन' को 2018 के इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स में बेस्ट ड्रामा सीरीज के लिए नॉमिनेशन मिला। जोया अख्तर और रीमा कागती द्वारा बनाई गई इस सीरीज ने पर्सनल ड्रामा को तीखी सोशल कमेंट्री के साथ जोड़ा, जिसे भारत के बाहर भी दर्शकों ने काफी पसंद किया।

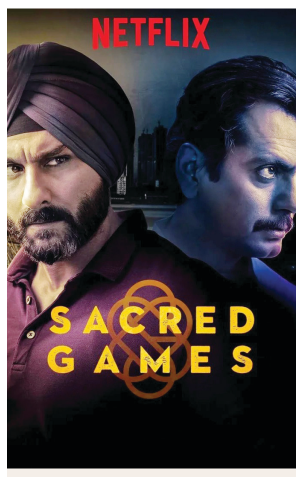

सेक्रेड गेम्स

नेटफ्लिक्स इंडिया की शुरूआती ग्लोबल हिट्स में से एक, फैंटम फिल्म्स द्वारा निर्मित 'सेक्रेड गेम्स' ने 2019 के इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स में नॉमिनेशन पाया था। सैफ अली खान और नवाजुद्दीन सिद्दीकी की बेहतरीन परफॉर्मेंस वाली इस सीरीज ने भारतीय वेब कंटेंट में एक दमदार और सिनेमाई अंदाज पेश किया।

आर्या

बनिजय एंटरटेनमेंट का हिस्सा, एंडेमोल शाइन इंडिया द्वारा निर्मित 'आर्या' ने इंटरनेशनल एमी अवार्ड्स 2021 में नॉमिनेशन हासिल किया। सुष्मिता सेन के नेतृत्व वाली इस सीरीज ने उनकी पावरफुल वापसी कराई और महिलाओं पर आधारित मजबूत कहानियां बनाने की भारत की ताकत को दुनिया के सामने रखा।

मालिक, मुद्रक, प्रकाशक नरेश पी. बजाज द्वारा बैरक नंबर 887/27 सेक्शन 18, उल्हासनगर -421 003, जिला ठाणे से प्रकाशित व सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, आमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट, सोनवाला क्रॉस रोड -2, जवाहरनगर के पास, फाटक पुल, गोरेगांव, मुंबई -63, (महाराष्ट्र) से मुद्रित। दूरध्वनि: 0251- 3238100, **कार्यकारी संपादक:** पंजू बजाज (पी. आर. बी. एक्ट के तहत कंटेट चयन के लिए जिम्मेदार) न्याय क्षेत्र ठाणे जिला। **hindmatamirror1@gmail.com** RNI. NO. MAHHIN/2011/43060 **स्थानीय संपादक:** शिवप्रताप